राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अंक : 171 पटना (बिहार) बुधवार,23 अप्रैल 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

पहलगाम आतंकी हमले पर बोले लालू- सरकार तुरंत सख्त एक्शन ले

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में टूरिस्ट पर हुए आतंकी हमले में 27 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है. मरने वालों में दो विदेशी भी शामिल हैं. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को पहलगाम हिल रिसॉर्ट में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले पर दुख जताया है. उन्होंने ने कहा कि यह घटना निंदनीय है. आतंक के विरुद्ध पूरा देश एकजुट है. वहीं आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि सरकार तुरंत सख्त एक्शन ले. सीएम नीतीश कुमार ने जताया दुखः सीएम नीतीश ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया. उन्होंने कहा कि ₹जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमले में पर्यटकों की मृत्यु की सूचना दुःखद. यह घटना निंदनीय है. शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है. घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना है.

लालू यादव बोले- आतंकी कार्रवाई से पूरा देश आहतः आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने एक्स पर पोस्ट किया है. उन्होंने कहा कि ₹पहलगाम में निर्दोष और निहत्थे पर्यटकों पर बर्बर आतंकी कार्रवाई से पूरा देश आहत है. ईश्वर से करबद्ध प्रार्थना है कि दुःख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को संबल दे.₹ केंद्र सरकार से आग्रह करूंगा कि त्वरित कारवाई करते हुए एक सख्त संदेश दें ताकि भविष्य में किसी भी भारतीय नागरिक की जान बर्बर हिंसा की भेंट न चढ़े. जीतन राम मांझी ने की निंदाः हम सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि मैं पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें 10 लोगों के घायल और 2 लोगों की दुखद मौत की खबर सामने आई है. हमारी सरकार आतंकी हमले को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति पर प्रतिबद्ध है. कश्मीर, पर्यटकों की

हमेशा खिदमत करता है. यह कायरतापूर्ण हमला हमारे भाईचारे को कम नहीं कर सकता. हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं. हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगाः भाजपा प्रवक्ता अरविंद सिंह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता के खिलाफ बताया है. उन्होंने घायल नागरिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की. कहा कि देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा. पाकिस्तान अपने मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होगा. घटना से पूरा देश आंदोलित है. आतंकी हमला

बेहद दुखदः आरजेडी प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों पर कायरतापूर्ण आतंकी हमले ने देश को स्तब्ध कर दिया है. इस दुःख की घड़ी में घायलों शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं.आतंकी हमला बेहद दुखद है. एनडीए सरकार लगातार यह दावा कर रही थी कि आतंकवाद पर लगाम लग गया है. लेकिन दावों की हवा निकल गई है. आतंकी हमला भारत बर्दाश्त नहीं करेगाः हम पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता विजय यादव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूं. मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवार के सदस्यों के साथ हैं. इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हम दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे तथा उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देंगे. भारत पाकिस्तान परस्त आतंकी घटना को बर्दाश्त नहीं करेगा.

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला, 27 लोगों की मौत, कई घायल, NIA करेगी जांच

दिल्ली व्यूरो

: मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में 27 लोगों की जान चली गई। 20 से अधिक लोग घायल हैं। घायलों में पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में 4 आतंकी शामिल थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर पहुँच गए हैं। वहीं इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। पीड़ितों के लिए न्याय की माँग भी की। पहलगाम के बैसरन इलाके में सेना की वर्दी पहने आतंकियों ने पर्यटकों के समूह को अपना निशाना बनाया। 22 अप्रैल को करीब दोपहर 2:30 बजे उनपर ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगे। इस घटना में कई लोगों की मौत हो गई। घायलों को उपचार के लिए पहलगाम अस्पताल ले जाया गया। वहीं हालत गंभीर होने के कारण कुछ को श्रीनगर भेजा गया है। इस हमले के बाद LoC अलर्ट है। हमलावरों की तलाश के लिए इलाके की घेराबंदी की गई है। केंद्र सरकार भी एक्शन में है। NIA को घटना की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया दुख, गृहमंत्री अमित शाह ने कहा झ ह्यआतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा घायलों ने बताया कि आतंकवादी सेना की वर्दी में थे। जिससे वे हमले का अनुमान नहीं लगा पाएं।

लेकिन अचानक से आतंकियों ने सैलानियों पर फायरिंग शुरू कर दी। लोगों से नाम और धर्म पूछा। हिन्दू नाम सुनते ही गोली मार दी। पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के टीआरएफ ने ली है, जिसकी फंडिंग पाकिस्तान से होती है। इसका मास्टरमाइंड सज्जाद गुल है। आतंकी संगठन ने इस हमले के बाद एक पत्र जारी किया है। जिसमें दावा किया है कि जम्मू-कश्मीर में स्थानीय लोगों को नहीं बाहरी लोगों को डोमेसाइल दिया गया है, जो डेमोग्राफी बिगाड़ने की कोशिश है। इस तरह का हमला बाहरी लोगों को गैर-कानूनी तरीके से बसाने का परिणाम है।

एक नजर

अमित शाह से नहीं हो सकी जीतनराम मांझी की मुलाकात

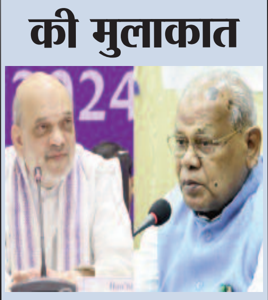

संवाददाता द्वारा

पटनाः केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तान अवाम मोर्चा के संरक्षक जीतनराम मांझी लगातार एनडीए में अपनी उपेक्षा और सीट बंटवारे पर अपनी बात सार्वजनिक मंच से उठा रहे हैं. ऐसे में मंगलवार शाम को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से उनकी मुलाकात होनी थी लेकिन दोनों नेताओं में भेंट नहीं हो पाई. जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले के कारण गृहमंत्री से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई. दिल्ली में होनी थी मुलाकात : हम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दानिश रिजवान ने मुलाकात की पुष्टि करते हुए कहा कि हम संरक्षक जीतनराम मांझी आज शाम 6 बजे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलेंगे और बिहार के राजनीतिक हालात पर चर्चा करेंगे. हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि क्या सीट शेयरिंग को लेकर भी अपनी कोई डिमांड रखेंगे?

40 सीट चाहते हैं मांझीः माना जा रहा है कि जीतनराम मांझी आज अमित शाह से मिलकर बिहार चुनाव में अपनी पार्टी के लिए सम्मानजक सीटों की मांग कर सकते हैं. वैसे वह सार्वजनिक मंचों से कह चुके हैं कि उनको 40 सीट चाहिए,

ताकि 20 सीट जीत सकें. उन्होंने कहा कि जब 20 सीट जीतेंगे, तब वह अपने हिसाब से सरकार में फैसला लेने के लिए बाध्य कर सकेंगे. झारखंड-दिल्ली वाला धोखा नहीं चलेगाः जहानाबाद की एक सभा में जीतनराम मांझी ये भी कह चुके हैं

कि झारखंड और दिल्ली वाला धोखा बिहार में वह नहीं सहेंगे. उनके मुताबिक दिल्ली और झारंखड विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने उनको 'धोखा' दिया था. असल में उनकी नाराजगी इस बात से है कि उन दोनों राज्यों में एनडीए के अन्य दोनों पार्टनर जेडीयू और एलजेपीआर को सीटें दी गईं लेकिन उनकी पार्टी को छोड़ दिया गया.

हार चुनाव लड़ने को लेकर चिराग पासवान का फाइनल जवाब

संवाददाता द्वारा

पटनाः रामविलास पासवान के बेटे और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को लेकर चर्चा का दौर शुरू है। लोजपाआर के सूत्रों की मानें, तो आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए अपनी पार्टी से उठ रही आवाजों के बीच, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान इस साल के अंत में होने वाले चुनाव लड़ने की पूरी संभावना है। लोजपा (आरवी) अध्यक्ष के करीबी एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि हां, ऐसा है। लोजपा (आरवी) अध्यक्ष के राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। यह आकार ले रहा है और चीजें जल्द ही सामने आएंगी। इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। लोजपा (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग ने उन खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की, जिनमें कहा गया था कि वे राज्य विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। पासवान ने नई दिल्ली से फोन पर एचटी मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। हालांकि, पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि जूनियर पासवान और उनकी करीबी टीम ने राज्य में बड़े पैमाने पर चुनाव लड़ने के प्रस्ताव पर काम करना शुरू कर दिया है और पार्टी ने पहले ही कल्याणपुर, समस्तीपुर, मोहनिया जैसी आरक्षित

सीटों सहित कुछ सीटों पर ध्यान केंद्रित कर लिया है, जहां से 42 वर्षीय केंद्रीय मंत्री चुनाव लड़ सकते हैं। चिराग पासवान हाजीपुर (एससी) संसदीय क्षेत्र से मौजूदा लोकसभा सांसद हैं। बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से अनुसूचित जाति समुदाय के लिए 38 आरक्षित सीटें और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए दो आरक्षित सीटें हैं। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और प्रवक्ता अशरफ अंसारी ने कहा कि पार्टी के कार्यकताओं और नेताओं की ओर से बड़ी मांग है कि चिराग को विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए। पार्टी कार्यकताओं और नेताओं की ओर से ऐसे प्रस्ताव और सुझाव आ रहे हैं, जहां से हमारे अध्यक्ष को चुनाव लड़ना चाहिए। कई नेताओं ने सुझाव दिया है कि हमारे अध्यक्ष को दक्षिण, मध्य या उत्तर बिहार से चुनाव लड़ना चाहिए। अगर हमारे अध्यक्ष चुनाव लड़ते हैं, तो हम सभी खुश होंगे। पांच सांसदों वाली लोजपा (रालोद) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ एनडीए सरकार का एक प्रमुख घटक है। 2020 के राज्य विधानसभा चुनावों में जूनियर पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रालोद) ने अकेले 133 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे केवल एक सीट पर जीत मिली थी। कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि लोजपा (रालोद) का अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल (यूनाइटेड) के खिलाफ बहुमत वाले उम्मीदवार दिए गए थे, शायद उन कारकों में से एक था, जो जदयू के खराब प्रदर्शन का कारण बना, जो केवल 43 सीटें जीतने में सफल रही। सूत्रों ने बताया कि जूनियर पासवान के चुनाव लड़ने का उद्देश्य राज्य में लोजपा (रालोद) की चुनावी उपस्थिति को बढ़ाना है, साथ ही केंद्रीय मंत्री के आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनने के बड़े लक्ष्य को पूरा करना है। हाल ही में मीडिया को दिए गए साक्षात्कार में पासवान ने कहा था कि वह अपने राज्य बिहार में अधिक सक्रिय रहना चाहेंगे और राज्य की सेवा करना चाहेंगे। लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक और दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के पुत्र लोजपा (रालोद) अध्यक्ष राज्य के विकास पर मुखर रहे हैं और उन्होंने राज्य को विकास की ऊंची राह पर ले जाने के लिए पार्टी की दीर्घकालिक योजना के रूप में 'बिहार पहले, बिहारी पहले' के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया है। चिराग की पार्टी के सांसद अरुण भारती ने राज्य की राजनीति में चिराग के लिए बड़ी भूमिका की वकालत की। भारती ने कहा कि चिराग पासवान बिहार में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं; उनके पास दूर दृष्टि है और सभी जातियों, समुदायों में उनकी स्वीकार्यता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पटना में एलजेपी (आरवी) की युवा शाखा की बैठक में जूनियर पासवान को विधानसभा चुनाव लड़ाने की मांग उठाई गई, जिसमें पार्टी के शीर्ष नेताओं ने हिस्सा लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में पार्टी अध्यक्ष को विधानसभा चुनाव लड़ाने की मांग का प्रस्ताव पारित किया गया। एलजेपी (आरवी) युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ने अपने एक्स हैंडल पर इस बारे में एक संदेश पोस्ट किया है। संयोग से, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं

निशांत को मैंने ही लाया... नीतीश की पार्टी के विधायक गोपाल मंडल का विस्फोटक दावा

संवाददाता द्वारा

पटनाः लगातार चर्चा में रहने वाले जेडीयू के विधायक गोपाल मंडल ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। गोपाल मंडल ने काले चश्मे में मीडिया से बातचीत में कहा है कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को उन्होंने राजनीति में लाया है। उन्होंने ये भी कहा है कि निशांत कुमार का राजनीति में आना तय है। गोपाल मंडल ने कांग्रेस को लेकर भी बड़ा दावा किया। तेजस्वी यादव को लेकर भी बयान दिया। गोपाल मंडल आज पूरे फॉर्म में दिख रहे थे। उन्होंने इस बात पर मुहर लगा दी कि जेडीयू की तरह से आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री का चेहरा निशांत ही होने वाले हैं। गोपाल मंडल ने कहा कि निशांत को तो मैंने ही लाया है। निशांत को आना तय है। निशांत नहीं आएगा न जेडीयू समाप्त हो जाएगा। कोई किसी का बात नहीं रखेगा। जेडीयू में वैसा कोई लीडर नहीं है। जो मुख्यमंत्री की पोस्ट को संभाल सके। हम तो मिलते रहते हैं, निशांत कुमार से। आ गए हैं। पोस्टर लगना शुरू हो गया है। देखिए जब हीरो निकलता है न। उसका पहले जूता दिखाई पड़ता है। उसके बाद

पायजमा। उसके बाद उसका घड़ी और फिर चश्मा। निशांत बिल्कुल ही आ रहा है। चुनाव लड़ेगा की नहीं, ये मैं नहीं कह सकता। लेकिन नेता वही बनेगा। गोपाल मंडल ने तेजस्वी यादव के क्राइम बुलेटिन जारी करने वल कहा कि घटनाएं होती हैं। 2005 से पहले बिहार की स्थिति क्या थी, बिहार के लोग पलायन करते थे। कितने आईएएस अधिकारी बिहार छोड़कर भाग गए। फांसी लगाकर मर गए। उनकी पत्नी को कहां उड़ाकर ले गया। तेजस्वी यादव नौजवान हैं, मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं लेकिन यादव की सरकार चली गई लौटकर नहीं आएगी। लोगों ने लाठी का दम देखा है, किसी कीमत पर यादव की सरकार नहीं बनेगी। गोपाल मंडल ने कहा कि क्राइम पर पुलिस क्या करेगी। घटनाएं तो होगी ही। पुलिस वाला क्या करेगा? मान लीजिए अभी मारपीट हो जाए, गोली चल जाए। मेरे पास रिवॉल्वर है। गोली चल जाए। आप ही हमें मार दें, पुलिस क्या कर लेगी? ये लोग अफवाह फैला रहे हैं। कांग्रेस को लेकर कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम में भीड़ नहीं। कौन जानता है उनके। खरगे- खरगे आकर क्या कर लेंगे। बिहार आने से कोई फायदा नहीं होगा। राहुल गांधी को जनता जानती भी है। राहुल गांधी सोनिया और राजीव गांधी के बेटे हैं। खरगे जो बोलते हैं, समझ में भी नहीं आता।

नीतीश सरकार के निशाने पर कुछ खास अधिकारी, सीधे ऊपर से आया विशेष ऑर्डर

संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार सरकार में अब विभाग के अधिकारियों की लापरवाही और कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नीतीश सरकार के पास ऐसे अधिकारियों को लेकर कोई रिपोर्ट आती है। वीडियो वायरल होता है। ये पता चलता है कि यदि अधिकारी के स्तर पर गलत किया गया है। उसके बाद उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसा करके गलत करने वाले अधिकारियों को सजा दी जाएगी। अन्य अधिकारियों में इस बात को लेकर खौफ कायम करने के लिए ये जरूरी है। जी हां, बिहार सरकार कुछ ऐसा ही करने जा रही है। इसके लिए ऊपर से आदेश आ चुका है। उसके अलावा किसी अधिकारी का वीडियो वायरल होने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मानक संचालन नियमावली भी बनाई जाएगी। इस कार्य का जिम्मा सरकार की ओर से सामान्य प्रशासन विभाग को सौंपा गया है। प्रदेश के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने सोमवार को विभिन्न विभागों के साथ जब समीक्षा बैठक की। इस दौरान खास तरह के दिशा निर्देश जारी किए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी भी विभाग में सरकारी कार्यों को लेकर अफसर लापरवाही करते हैं या भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाते हैं, तो उनकी पहचान कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, गलत कार्य करने वालों पर किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। मुख्य सचिव ने साफ कहा कि यदि किसी अधिकारी का वीडियो वायरल होता है, उसके लिए एसओपी यानी मानक संचालन नियमावली बनाई जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को लंबित मुकदमों का निपटारा करने को कहा। उन्होंने कहा कि किस कारण से लंबित है। उसकी जांच कर, उसका जल्द ही निष्पादन करें। उसके अलावा फोकस होकर काम करें। उन्होंने विभागों को साफ कहा कि केंद्रीय योजना मद में आवंटित राशि का पूरा व्यय सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने साफ कहा कि सभी विभागों से ऊर्जा खपत पर ऑडिट कराने के लिए प्लान तैयार करें। ऑडिट से उर्जा की बेवजह खपत पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। उन्होने साफ कहा कि सभी सरकारी भवनों और कार्यालय में ऊर्जा की खपत कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने विभाग में सामान्य बल्ब के मुकाबले एलईडी बल्ब को लगाने की बात कही है।

यूपीएससी रिजल्ट के टॉप 20 में बिहार के 3 युवाओं का दबदबा

शिक्षा प्रतिनिधि द्वारा

पटना : संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के फाइनल रिजल्ट में एक बार फिर से बिहार के युवाओं ने परचम लहराया है. बिहार के दबदबा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टॉप 20 में बिहार के तीन अभ्यर्थी शामिल हैं. वैसे कई छाज्ञों ने यूपीएससी क्रैक किया है. राज कृष्ण झा को 8वां स्थान : सीतामढ़ी जिले के रुन्नीसैदपुर प्रखंड के अथरी गांव निवासी राज कृष्ण झा ने संघ सेवा आयोग में 8 वीं रैंक लाकर जिले का नाम रोशन किया है. राज कृष्ण झा अभी कोल्हापुर में एचपीसीएल के सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट में असिस्टेंट मैनेजर के रूप में कार्यरत है. हेमन्त मिश्रा को 13 रैंक : बक्सर के रहने वाले हेमन्त मिश्रा को UPSC के फाइनल रिजल्ट (2024-25) में 13 रैंक मिला है. हेमन्त फिलहाल यूपी के मिजार्पुर में एसडीएम हैं. हेमंत मूल रूप से कुसुरुपा गांव के रहने वाले हैं. हालांकि उनका पूरा परिवार अभी शहर के धोबी घाट गली नंबर 1 में रहता है. हेमंत का पूरा परिवार शिक्षित : पूरा हेमंत मिश्रा के पिता ओम प्रकाश मिश्रा बिहार के कैमूर जिला में शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं. जबकि मां नम्रता मिश्रा स्कूल में प्रधानाध्यापिका हैं. छोटे भाई शिशिर मिश्रा आईआईटीअन हैं. फिलहाल अमेरिकी कंपनी में कार्यरत हैं. संस्कृति त्रिवेदी को 17 वां रैंक : जमुई की रहने वाली संस्कृति त्रिवेदी को UPSC में 17 वां रैंक आया है. संस्कृति ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को दिया है. संस्कृति त्रिवेदी के पिता आनंद प्रकाश त्रिवेदी के अनुसार संस्कृति शुरू से ही पढ़ाई में तेज रही है. "बचपन से ही मेरी बेटी होनहार और लगनशील रही है. अपने लक्ष्य के प्रति हमेशा समर्पित रही है. उसने कठिन परिश्रम और लगातार अनुशासनात्मक प्रयास से ये मुकाम हासिल किया है."- आनंद प्रकाश त्रिवेदी, संस्कृति त्रिवेदी के पिता पहले भी UPSC पास की थी : दरअसल 2023 में संस्कृति को यूपीएससी में 352 रैंक प्राप्त हुआ था. उस वक्त घर पर रहकर ही तैयारी की थी. संस्कृति बताती हैं कि 15 से 17 घंटे पढ़ाई करती थी. 2023 में संस्कृति ने कहा था कि वो फिर से UPSC की परीक्षा देंगी क्योंकि मिले रैंक से खुश नहीं हैं. फिर संस्कृति ने कड़ी मेहनत की और यूपीएससी को दुबारा क्रैक करते हुऐ 17 वां रैंक पा लिया. कैसी रही शिक्षा : बता दें कि संस्कृति 2014 में 10वीं की परीक्षा 10 सीजीपीए से और 12 वीं की परीक्षा 9.4 सीजीपीए के साथ जवाहर विद्या मंदिर श्यामली (झारखंड) से पास की थी. 12 वीं के बाद दिल्ली युनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से 2019 में 75% अंक के साथ पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुशन किया

रजरप्पा में अवैध कोयला खनन के मुहानों से निकल रही भीषण आग से लोग परेशान

जमीन से निकलती भीषण आग और काले धूएं का गुबार देख भुचुंगडीह गांव के लोग डरे हुए हैं। गांव के भविष्य पर संकट गहराता दिख रहा है। जिससे लोगों में रोष भी देखा जा रहा है। बताया जाता है यहां सुलगती भूमिगत आग को लेकर पूर्व में ही सीसीएल रजरप्पा प्रबंधन को सचेत किया गया था। बावजूद इसके कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। बताया जाता है कि यहां पर दशकों पहले भूमिगत कोयले की खदान हुआ करती। जो काफी अरसे पहले बंद हो गई। संभावना है कि यहां किसी तरह सुलग उठी भूमिगत आग समय बीतने के साथ फैलती गई होगी। इधर, अवैध खनन से मुहानों की पतली होती कोयले की परत के कारण आग ने भीषण रूप अख्तियार कर लिया। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से खनन कर कोयला निकाला जाता है।

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के रजरप्पा में एक बंद कोयला खदान में भीषण आग लगने की खबर है। आग के बाद इलाके में घना काला धुआं छा गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि जहरीले धुएं से इलाके में रहने वाले करीब 10,000 लोग प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और 'सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल)' को इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया तथा आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले जब जमीन के नीचे मामूली आग लगी थी, तब उनकी शिकायतों पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया था। जमीन से निकलती भीषण आग और काले धूएं का गुबार देख भुचुंगडीह गांव के लोग डरे हुए हैं। गांव के भविष्य पर संकट गहराता दिख रहा है। जिससे लोगों में रोष भी देखा जा रहा है। बताया जाता है यहां सुलगती भूमिगत आग को लेकर पूर्व में ही सीसीएल रजरप्पा प्रबंधन को सचेत किया गया था। बावजूद इसके कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। बताया जाता है कि यहां पर दशकों पहले भूमिगत कोयले की खदान हुआ करती। जो काफी अरसे पहले बंद हो गई। संभावना है कि यहां किसी तरह सुलग उठी भूमिगत आग समय बीतने के साथ फैलती गई होगी। इधर, अवैध खनन से मुहानों की पतली होती कोयले की परत के कारण आग ने भीषण रूप अख्तियार कर लिया। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से खनन कर कोयला निकाला जाता है। जो जिले की कई फैक्ट्रियों व ईंट भट्ठों में खपाया जाता है। साथ ही बाहर की मंडियों में भी भेजा जाता है। उपायुक्त चंदन कुमार ने बताया कि आग

बुझाने के लिए एक टीम मौके पर भेज दी गई है। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि चितरपुर प्रखंड के घनी आबादी वाले भुचुंगडीह गांव तक पहुंचने से पहले उसे नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा, ''हम आग पर नजर रख रहे हैं। हमारे अधिकारी आग बुझाने का उपाय खोजने के लिए सीसीएल के खनन विशेषज्ञों से सलाह ले रहे हैं। भुचुंगडीह गांव के निवासी राजू महतो ने कहा कि अगर आग को तुरंत नहीं बुझाया गया तो ग्रामीणों को अपने घरों से भागना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि गांव में करीब 10,000 लोग रहते हैं। एक अन्य ग्रामीण जीवन महतो ने बताया कि आग अभी गांव से महज 500 मीटर की दूरी पर है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ग्रामीणों ने भूमिगत आग देखी थी और स्थानीय अधिकारियों तथा सीसीएल को इसकी सूचना दी थी। उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया।'' रजरप्पा क्षेत्र के सीसीएल महाप्रबंधक कल्याणजी प्रसाद ने कहा, ''हमने प्रारंभिक तौर पर मिट्टी और रेत डालकर आग को कम करने के लिए कदम उठाए हैं। अगर इसे नियंत्रित नहीं किया जा सका तो हम दूसरा तरीका खोजने की कोशिश करेंगे।

विवेक दा के एनकाउंटर के साथ ही नक्सलियों के एक युग का अंत

सोमवार तड़के शुरू हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। अंततः सुरक्षाबल भारी पड़े और कुख्यात नक्सली प्रयाग मांझी मारा गया। मुठभेड़ के बाद फरार नक्सलियों की तलाश के लिए क्षेत्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। विवेक दा धनबाद जिले के टुंडी के मानियाडीह थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बहुत कम उम्र में ही वह नक्सली संगठन में शामिल हो गया था। विवेक दा न सिर्फ झारखंड, बल्कि बिहार, ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के नक्सली बेल्ट में भी वर्षों तक सक्रिय रहा।

क्राइम संवाददाता द्वारा

बोकारो : एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली और भाकपा माओवादी के केंद्रीय कमेटी सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक दा की मौत से झारखंड में नक्सल आंदोलन के एक युग का अंत हो गया। सोमवार सुबह बोकारो जिले के लुगू पहाड़ी में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में विवेक दा सहित आठ नक्सली मारे गए। यह झारखंड पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। आइए जानते हैं कौन हैं विवेक दा और कैसे हुआ नक्सलियों के एक युग का अंत... रविवार रात से मिली गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया था। सोमवार तड़के शुरू हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। अंततः सुरक्षाबल भारी पड़े और कुख्यात नक्सली प्रयाग मांझी मारा गया। मुठभेड़ के बाद फरार नक्सलियों की तलाश के लिए क्षेत्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। विवेक दा धनबाद जिले के टुंडी के मानियाडीह थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बहुत कम उम्र में ही वह नक्सली संगठन में शामिल हो गया था। विवेक दा न सिर्फ झारखंड, बल्कि बिहार, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के नक्सली बेल्ट में भी वर्षों तक सक्रिय रहा।

गिरिडीह के पारसनाथ, बोकारो के लुगू और झुमरा पहाड़ उसके प्रभाव क्षेत्र में थे। अकेले गिरिडीह में ही उसके खिलाफ 50 से अधिक मामले दर्ज थे। संगठन में उसकी पहचान एक रणनीतिकार और सशस्त्र दस्ता प्रमुख के रूप में थी। सूत्रों के अनुसार, विवेक दा के पास एके-47, इंसास राइफल और भारी मात्रा में विस्फोटक था। उसके दस्ते में 50 से अधिक प्रशिक्षित नक्सली शामिल थे, जिनमें महिला माओवादी भी अलग-अलग इलाकों में सक्रिय थीं। उसकी तूती झारखंड के कई जिलों में बोलती थी और वह हमलों की रणनीति खुद तय करता था। प्रयाग मांझी की मौत को झारखंड पुलिस के लिए ऐतिहासिक सफलता माना जा रहा है। पहली बार राज्य में एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली ढेर किया गया है। इस कार्रवाई से गिरिडीह-बोकारो सहित उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों की कमर टूट गई है। विवेक दा की मौत के साथ ही भाकपा माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। विवेक, अरविंद और साहेब राम मांझी सहित आठ नक्सलियों के मारे जाने से संगठन की ताकत में भारी गिरावट आई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मुठभेड़ के बाद बचे हुए नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दिया गया है।

करणी सेना अध्यक्ष की हत्या के पीछे कौन?

क्राइम संवाददाता द्वारा

जमशेदपुर : जमशेदपुर के बालीगुमा में करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह की हत्या से इलाके में तनाव का माहौल है। विनय उलीडीह थाना क्षेत्र के आस्था स्पेस टाउन में रहते थे। डिमना चौक पर उनकी टाइल्स की दुकानें हैं। हत्या के बाद काफी बवाल देखने को मिला। घटना से नाराज विनय सिंह के समर्थकों ने डिमना चौक के पास एनएच-33 को जाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात ठप हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल व अन्य सबूतों के आधार पर जांच कर रही है। जांच, पुलिस पूछताछ और तमाम जानकारियों के मुताबिक इस घटना के संबंध में अलग अलग खुलासे हो रहे हैं। विनय सिंह की हत्या का कारण गोविंदपुर के बिल्ला पाठक से करीबी होना बताया जा रहा है। जमशेदपुर पुलिस ने कहा कि झारखंड के जमशेदपुर में रविवार शाम करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह का शव बरामद हुआ, उनके सिर पर गोली लगी थी और बाएं हाथ में पिस्तौल थी। कल सुबह से ही वे संपर्क में नहीं थे। शिकायत के बाद उनके मोबाइल लोकेशन का पता लगाया गया और शव बरामद किया गया। सभी संभावित एंगल से जांच की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि एक महीने से विनय सिंह, बिल्ला पाठक के करीब थे और यह माना जा रहा है कि बिल्ला पाठक का प्रतिद्वंद्वी गैंग, जिसका सरगना माशूक मनीष है, इस घटना को अंजाम देने में शामिल हो सकता है।मौका-ए-वारदात पर कई लोग इस हत्याकांड में माशूक मनीष गिरोह के शामिल होने की बात कह रहे थे। सूत्रों का कहना है कि एक महीने से विनय सिंह की रेकी की जा रही थी और इसकी जानकारी विनय सिंह को भी थी।

छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम की कार्रवाई में दो अधिकारी गिरफ्तार

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रायपुर : छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सोमवार राज्य के दो बड़े शहरों में रेड की कार्रवाई की है. इन दोनों जिले में एसीबी की टीम ने कथित तौर पर रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में सरकारी अधिकारियों पर शिकंजा कसा है. दोनों अधिकारियों को सीजी एसीबी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है. दोनों की पहचान प्रवीण साहू और सुल्तान सिंह बंजारा के रूप में हुई है.दोनों अधिकारियों के बारे में जानकारीः एसीबी के अधिकारी ने बताया कि प्रवीण साहू छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में सहायक अभियंता के पद पर तैनात थे, जबकि सुल्तान सिंह बंजारा कोरबा जिले के दुल्लापुर गांव में ग्राम राजस्व अधिकारी के पद पर कार्यरत थे.दोनों अधिकारियों पर गंभीर आरोपः प्रवीण साहू पर एक शिकायतकर्ता ने गंभीर आरोप लगाए हैं. शिकायतकर्ता से प्रवीण साहू ने वाणिज्यिक मीटर उपलब्ध कराने के लिए 25,000 रुपये की मांग की थी. जबकि सुल्तान सिंह बंजारा ने शिकायतकर्ता से उसकी तीन एकड़ जमीन को राजस्व रिकॉर्ड बुक में उसके नाम पर शामिल करने के लिए कथित तौर पर घूस की मांग की थी. बंजारा पर 25 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप था.एसीबी की तरफ से कहा गया है कि दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. दोनों एसीबी के बिछाए जाल में फंस गए. इन दोनों पर कथित घूसखोरी के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है. एसीबी राज्य में लगातार छापेमार कार्रवाई कर रही है. 15 अप्रैल को एसीबी ने गौरेला पेंड्रा मरवाही में कार्रवाई की थी.

ईडी ने अलग-अलग शहरों में 573 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की

ईडी ने 16 अप्रैल को दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर में छापेमारी की। इस दौरान 3.29 करोड़ रुपए नकद भी जब्त किए गए। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी कार्रवाई के परिणामस्वरूप 3.29 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, 573 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियों, बांड और डीमैट खातों पर रोक लगा दी गई। इसके अलावा विभिन्न दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए।

विशेष संवाददाता द्वारा

रायपुर : ईडी ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पिछले हफ्ते छापेमारी कर 573 करोड़ रुपए की प्रतिभूतियां, बांड और डीमैट खाते जब्त किए। जांच में पता चला कि सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे को विदेश भेजा गया और फिर उसे एफपीआई के नाम पर भारतीय शेयर बाजार में लगाया गया। यह कार्रवाई दिल्ली, मुंबई समेत कई शहरों में की गई। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में कुछ लोगों ने मिलकर छोटे और मध्यम उद्योगों (एसएमई) के शेयरों की कीमत बढ़ाई, ताकि आम निवेशकों को धोखा दिया जा सके। ईडी ने 16 अप्रैल को दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर में छापेमारी की। इस दौरान 3.29 करोड़ रुपए नकद भी जब्त किए गए। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी कार्रवाई के परिणामस्वरूप 3.29 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, 573 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियों, बांड और डीमैट खातों पर रोक लगा दी

गई। इसके अलावा विभिन्न दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए। महादेव बेटिंग ऐप का मामला कुछ साल पहले सामने आया था। तब एजेंसी ने कहा था कि छत्तीसगढ़ के कुछ नेता और अफसर इस ऐप के अवैध काम और पैसे के लेनदेन में शामिल हैं। इस ऐप को सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल नाम के दो लोगों ने शुरू किया था। दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। जांच एजेंसी ईडी का कहना है कि कुछ कंपनियों ने मिलकर एसएमई सेक्टर के शेयरों की कीमत बढ़ाई। ऐसा इसलिए किया गया ताकि आम निवेशकों को नुकसान हो। ईडी के अनुसार, कुछ लोग शेयरों की कीमत में हेरफेर करके गलत तरीके से पैसा कमा रहे थे। ईडी ने इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। 74 आरोपियों के खिलाफ पांच आरोपपत्र भी दाखिल किए गए हैं। इसके अलावा, 3,002 करोड़ रुपए की संपत्ति भी जब्त की गई है। ईडी का अनुमान है कि इस मामले में लगभग 6,000 करोड़ रुपए का अपराध हुआ है। वहीं, ईडी इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस घोटाले में और कौन-कौन शामिल है और पैसे का इस्तेमाल कहां-कहां किया गया।

संक्षिप्त समाचार

हंटरगंज में पृथ्वी दिवस पर चलाया गया जागरुकता अभियान,वन विभाग ने किया पौधा का वितरण

हंटरगंज/चतरा:- जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निदेर्शानुसार मंगलवार को लगभग 3 बजे पृथ्वी दिवस के अवसर पर हंटरगंज वन विभाग परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विधिक सहायता एवं सलाह केंद्र प्रखंड कार्यालय हंटरगंज के पीएलवी कुमार विवेक रंजन और सरयू यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हंटरगंज वन विभाग के वनपाल पवन कुमार सहित कई वनकर्मी और ग्रामीण शामिल हुए।जागरूकता कार्यक्रम में वनपाल पवन कुमार और पीएलबी कुमार विवेक रंजन एवं सरयू यादव ने पृथ्वी दिवस पर लोगों को जल जंगल और जमीन के संरक्षण पर विशेष रुप से प्रकाश डाला। लोगों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए उत्प्रेरित किया। मानव के गलती के कारण पृथ्वी पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से भी लोगों को अवगत कराया। साथ ही कार्यक्रम में शामिल लोगों को सरकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए उक्त योजनाओं का लाभ लेने हेतु उत्प्रेरित किया गया। पृथ्वी दिवस का अवसर पर वन विभाग के द्वारा लोगों के बीच पौधा का वितरण भी किया गया ।

उपायुक्त हेमंत सती ने लघु सिंचाई व गंगा पम्प नहर प्रमंडल की योजनाओं की समीक्षा की

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें लघु सिंचाई प्रमंडल, साहेबगंज एवं गंगा पम्प नहर प्रमंडल, साहेबगंज के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तावित योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली गई और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।लघु सिंचाई प्रमंडल द्वारा जिले में निमार्णाधीन 6 चेक डेम और दो तालाबों जीर्णोद्धार की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां चेक डेम का निर्माण पूर्ण हो चुका है, वहां किसानों को सिंचाई के लिए सोलर मोटर पम्प या डीजल मोटर पम्प की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर की जाए। साथ ही मध्यम सिंचाई योजना से जुड़े मुद्दों की भी जानकारी ली गई।वहीं गंगा पम्प नहर प्रमंडल द्वारा बोरियो प्रखंड के चानन गांव में एसटीपी के डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में तथा डब्ल्यूटीपी के सामने गंगा नदी के दाहिने किनारे पर चल रहे कटाव रोधी कार्यों की समीक्षा की गई। इन कार्यों में 117 मीटर लंबाई में किनारा निर्माण, 180 मीटर क्षेत्र में चार स्टड का निर्माण और उधवा प्रखंड के पूर्वी प्राणपुर से श्रीधर कॉलोनी-10 तक कटाव रोधी कार्य शामिल हैं। उपायुक्त ने इन सभी कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।बैठक में गंगा पम्प नहर प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता प्रेम कुमार सोरेन सहित विभागीय सहायक अभियंता (AE) और कनीय अभियंता (JE) भी उपस्थित रहे।

हरियाली है जीवन की पहचान विद्यार्थियों ने लगाई हरियाली की नींव

सुमन की कलम से

देवघर। पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल के अवसर पर देवघर स्थित आशा अकादमी, जो सरकारी नौकरी की तैयारी कराने वाला प्रतिष्ठित संस्थान है, में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पेड़ लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। कार्यक्रम में दर्जनों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संकल्प लिया कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। वृक्षारोपण के माध्यम से उन्होंने धरती माता के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। संस्थान के डायरेक्टर कन्हैया सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से निपटने के लिए वृक्षारोपण ही सबसे प्रभावी उपाय है। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ हमारा वादा है। इस कार्यक्रम में सुशांत कुमार,रोशन शर्मा, शिवम शर्मा, नितेश शर्मा, दीपक मांझी, मिंटू मांझी, रवि कुमार कापरी, रोशन कुमार,प्रकाश कुमार यादव, सुमन कुमार, कोमल शर्मा,चीकू कुमार,आकाश कुमार, मीनाक्षी कुमारी, पूजा प्रिया, रितिका कुमारी समेत कई विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के माध्यम से आशा अकादमी ने यह संदेश दिया कि पृथ्वी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि पूरे वर्ष भर प्रकृति के साथ समर्पण और समभाव का प्रतीक होना चाहिए।

कोल डंपिंग रोड विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा, रात के अंधेरे में बना दी गई चारदीवारी, आवागमन बाधित

केरेडारी

एनटीपीसी केरेडारी और चट्टोबारीयातू कोल परियोजना से कोयला डंपिंग के लिए बनाई गई 2.2 किमी लंबी सड़क का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन स्थानीय लोगों द्वारा सड़क को काटने और टेंट लगाकर उसे अवरुद्ध करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। बीती रात अज्ञात लोगों ने पगार ओपी क्षेत्र में इस गैर-मजरूआ सड़क पर चारदीवारी खड़ी कर दी, जिससे सड़क पूरी तरह से बंद हो गई है। इसके कारण जोरदार, पचड़ा और आसपास के गांवों के हजारों लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि रात के अंधेरे का फायदा उठाकर अचानक सड़क पर बाउंड्री बना दी गई। ग्रामीणों की मांग है कि यदि समय रहते डंपिंग रोड 2.2 को चालू नहीं किया गया, तो कोयला डंपिंग का कार्य पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। स्थिति को देखते हुए प्रशासन की भूमिका और कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों की मांग है कि अवरुद्ध सड़क को जल्द से जल्द बहाल किया जाए और दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए।

श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ

चौथी दिन(नवमी)घृताधिवाशएवं वस्त्राधिवास

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज 22 अप्रैल 2025 को मोराबादी स्थित यज्ञा बाबा आश्रम के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण, देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत कथा मे चौथे दिन आचार्य श्याम सुंदर शर्मा भारद्वाज ने महायज्ञ मंडप में सभी भक्तों एवं श्रद्धालुओं के साथ मिलकर देव पूजन के साथ साथ घृताधिवास,वस्त्राधिवास विधिवत मंत्रोच्चार पूजा अर्चना किया वहीं आज शाम मे कथा वाचक गया पीठाधीश्वर श्री स्वामी वैंकटेश प्रसन्नाचार्य जी महाराज ने अपने मधुरवाणी से भागवत की महिमा को सुनाया। उन्होंने आज के कथा में ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि मात्र भगवान जी का नाम जपने से ही भगवान जी की प्राप्ति हो जाती है और भगवान जी उन्हें दर्शन भी देते हैं और उनके समस्त पापों का हरण भी कर लेते हैं आगे कथा वाचक ने बताया आप अनंत जन्मों के पापी भी हो तो भी भगवान जी का नाम जाप करने से आपके सारे पाप नष्ट हो जाएंगे और आपको भगवान जी की प्राप्ति अवश्यं होगी। इस संसार में सुख शांति से रहने का सरल उपाय है भगवान जी के नाम का जाप एवं संकीर्तन करते रहिए।इस पूरे प्रसंग को भक्तिमय एवं संगीतमय भजन से भी बतलाए। आज के इस धार्मिक महायज्ञ मे मुख्य यजमान के रूप मे संतोष कुमार पांडेय व रवीना पांडेय,हर्ष कुमार व श्रुति श्रेया,अयोध्या बक्षी,अमित विक्रम और निधि शर्मा,राकेश शर्मा व प्रिया शर्मा सपरिवार शामिल थे। आज के भागवत कथा के दौरान रांची के उभरते नन्हें कलाकार अबीर दयाल सत्संगी ने कई भजन गाकर सभी भक्तों को नचाया एवं झूमया। आज के समारोह मे मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रांची के विधायक सी.पी.सिंह महायज्ञ व भागवत कथा में शामिल होकर महराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किए और महायज्ञ की परिक्रमा करते हुए भगवान जी की अराधना भी किए। आज के कथा में मुख्यरूप से यज्ञा बाबा आश्रम के मुख्य प्रबंधक महंत भरत दास जी महाराज,मंदिर के मुख्य पुजारी विकास पांडेय,हजारीबाग के पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय,गो सेवा आयोग झारखंड के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद,पलामू के पूर्व सांसद ब्रजमोहन राम, आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा,ऋषिकेश लाल,अजीत कुमार,मनोज गुप्ता,विनोद गोप, संजय सोनी,रमेश प्रसाद,श्याम पांडेय,चंदन पांडेय,सुनील कुमार,रूपम झा,सिंधुबाला, सुनीता देवी,स्मिता शुक्ला,सोना मण्डल,प्रीति झा,सुषमा सिंह, प्रतिभा सिंह,ऋषिका,प्रियता सिन्हा,रमन शर्मा सहित कई गणमान्य श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को किया जागरूक

प्रकृति का अत्यधिक दोहन से प्राकृतिक आपदाएं आने का खतरा: मनीष

विकास कुमार यादव

हंटरगंज/चतरा:- पृथ्वी दिवस पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निर्देश पर पैनीकला पंचायत में जागरूकता शिविर का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया।इस मौके पर पीएलवी मनीष रजक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती केवल संसाधन ही नहीं अपितु जीवन का आधार भी है. पर्यावरण संरक्षण में पालीथिन का इस्तेमाल न करें. उन्होंने आगे बताया कि समस्त प्राणियों को प्रकृति के नियमों का पालन करना चाहिए। प्रकृति और मनुष्य के मध्य संतुलन होने पर ही पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सकता है.अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने वर्ष 1970 में पृथ्वी संरक्षण के लिए पृथ्वी दिवस की शुरूआत की। हमें फलों के बीजों को साफ करके अपने पास रखना चाहिए। जब भी कहीं जाएं, उन बीजों को रास्ते में डालते हुए जाएं, जिससे काफी पेड़ ऐसे ही उगाए जा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सीड बम का प्रयोग किया जा रहा है, जिसमें बीजों को सूखी मिट्टी में सुरक्षित रखकर जंगलों में फेंका जाता है, जिससे वन्य क्षेत्र का विस्तार हो सके . पृथ्वी को हम मां का दर्जा देते हैं, जीवित रहने के लिए यह पृथ्वी ही हमें भोजन, जल एवं वायु देती है, यदि हम प्रकृति का अत्यधिक दोहन करेंगे तो इससे प्राकृतिक आपदाएं आने का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है। शिविर में पीएलवी मनीष रजक के अलावे दर्जनों ग्रामीण महिलाएं, आदि मौजूद रहे।

डीएवी भंडारकोला में विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

देवघर। भंडारकोला स्थित गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया।

इस कार्यक्रम की कड़ी में सबसे पहले प्रातः कालीन सभा में बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने भिन्न भिन्न प्रकार के मॉडल को प्रदर्शित किया जिसके द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया गया। प्रातः कालीन सभा को संबोधित करते हुए प्राचार्य बलराम कुमार झा ने कहा कि इस दिवस को मनाने की परंपरा की शुरूआत अमेरिका में 1970 में जेराल्ड नेल्सन के द्वारा हुई। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण पर जोर देना है ।उन्होंने आगे कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस 2025 का विषय हमारी शक्ति, हमारा ग्रह है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस सिलसिले में विद्यालय में वर्ग अष्टम से दशम तक के बच्चों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसका विषय था पॉल्यूशन फ्री वर्ल्ड फॉर हेल्दी लिविंग जिसमें 42 बच्चों ने भाग लिया।इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सहोदया के अध्यक्ष राम सेवक सिंह गुंजन तथा रेड रोज विद्यालय के प्रिंसिपल अनिल कुमार पांडे उपस्थित थे। इन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित किया और भाषण कला के विषय में जरूरी जानकारी दी। उक्त आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी अभिषेक सूर्य ने दी।

संस्कार भारती के देवघर इकाई ने मनाया भूअलंकरण दिवस

देवघर। कला के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती ने देवघर कॉलेज के प्रांगण में भू अलंकरण दिवस मनाया।संस्कार भारती के कलाकारों ने रंगोली संयोजिका गीता कुमारी और संगीत संयोजिका राज नंदिनी के नेतृत्व में भारत माता को अलंकृत करते हुए रंगोली बनाया। केंद्र द्वारा निश्चित डिजाइन के आधार पर रंगोली बनाई गई। प्रति वर्ष संस्कार भारती इस आयोजन को करती है। रंगोली देखने काफी संख्या में लोग पहुंचे।संस्कार भारती के सचिव अभिषेक सूर्य ने कहा कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहां धरती को माँ कहा गया है। भारत के हरेक प्रांत में मांगलिक कार्यक्रम में विभिन्न माध्यमों से धरती माता का श्रृंगार किया जाता है। श्रृंगार के इस स्वरूप को भूमि अलंकरण कहा गया है। संस्कार भारती कला क्षेत्र की संस्था होने के नाते धरती माता के प्रति अपनी श्रद्धा को इस प्रकार अभिव्यक्त करती है। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य शिव शंकर साह, संतोष कुमार सिंह,उदय पांडे, सार्थक, सौम्य, अंशिका, अक्षिका, उमा, सान्वी मोदी, अभिनन्दिनी आन्या, आद्दशा कशिश, तुरवी प्रियदर्शी, अनुप्रिया, ऋचा, लिली आर्या, अजित कुमार, निकिता कुमारी और युग विशेष रूप से मौजूद थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ ने पृथ्वी दिवस

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर डीएलएसए सचिव रूपा वंदना किरो के मार्गदर्शन में पाकुड़ प्रखंड के अंजना उच्च विद्यालय पृथ्वीनगर में विश्व पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू ने बताया कि प्रकृति से यदि हम छेड़ छाड़ करेंगे तो संतुलन बिगड़ जाएगा और पृथ्वी पर जीना मुश्किल हो जाएगा इसलिए हम संकल्प ले कि नदी , जंगल , अथवा प्रकृति से किसी भी प्रकार का छेड़ छाड़ न करे। संरक्षण करे ताकि जीवन संभव हो सके। और स्वस्थ हरियाली वातावरण हम सब रह सके। वहीं कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ संजीव कुमार मंडल सहायक गंगाराम टुडू ने संयुक्त रूप से जागरूक की। बताया कि हर साल 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। यह दिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को प्रकृति के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए मनाया जाता है ।लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस आयोजन ने लोगों को पर्यावरण की रक्षा करने और एक स्वस्थ भविष्य के लिए काम करने के महत्व के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करते हुए कहा लोगों द्वारा कई प्रकार से प्रदूषण के बढ़ावा को रोकना जरूरी, पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने, पेड़ पौधे लगाए स्वच्छ और हरियाली बनाए, जल का दुरूपयोग न करें जल संरक्षण कर पृथ्वी को संतुलित वातावरण बनाए रखने में हम सभी का योगदान का होना अत्यंत जरूरी है। पेड़ पौधे के कट जाने से आज अत्यंत गर्मी जैसे समस्या उत्पन्न हो रही। समेत संरक्षण को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदु पर चर्चा की गई। मौके पर पीएलवी अमूल्य रत्न रविदास, एजारूल शेख समेत ग्रामीण उपस्थित रहे।

बरही की बेटी आस्था बनी आईएएस, यूपीएससी में 354वां रैंक हासिल कर किया क्षेत्र का नाम रौशन

समाज में अपना योगदान देने के उद्देश्य से यूपीएससी की तैयारी शुरू की, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करना होगी हमारी प्राथमिकता : आस्था शरण

बरही/धनंजय कुमार

हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड के जरहिया गांव की बेटी आस्था शरण ने अपने दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम और अथक प्रयास से वह मुकाम हासिल किया है, जिसकी तमन्ना देश के लाखों युवा करते हैं। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में उन्होंने ऑल इंडिया 354वीं रैंक हासिल कर न सिर्फ अपने गांव और परिवार का, बल्कि पूरे हजारीबाग का नाम रोशन कर दिया है। आस्था शरण एयरफोर्स से सेवानिवृत्त शिव शरण की इकलौती बेटी हैं। उनके दादा दिनेश यादव जरहिया गांव के प्रतिष्ठित नागरिक हैं, जबकि उनके चाचा शशि भूषण यादव और शम्भू शरण यादव भी समाज में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। आश्था की सफलता से पूरे परिवार में हर्ष का माहौल है, वहीं गांव में भी जश्न का माहौल है। आस्था की प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय, चंडीगढ़ में हुई। उन्होंने यहीं से मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी बीएचयू से उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। कॉलेज के दौरान ही उनका कैंपस सिलेक्शन हुआ, जहां उन्होंने दो वर्षों तक वर्क फ्रॉम होम के माध्यम से सेवाएं दीं। हालांकि इंजीनियरिंग और नौकरी की राह पर सफल होने के बावजूद, आस्था का सपना था भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना। इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने दिल्ली में एक वर्ष तक पूरी निष्ठा से यूपीएससी की तैयारी की। पहले प्रयास में वे महज 9 अंकों से असफल रहीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अपने दूसरे प्रयास में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में 354वीं रैंक प्राप्त की। आस्था की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से जरहिया गांव, बरही प्रखंड और संपूर्ण हजारीबाग में खुशी की लहर है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह सिर्फ आस्था की चर्चा है। लोग गर्व से उनका नाम ले रहे हैं और उन्हें आने वाले प्रशासनिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। आस्था ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के अन्य सदस्यों को दिया है। उनका कहना है कि अगर सपनों को हकीकत में बदलना है, तो समर्पण, अनुशासन और धैर्य जरूरी है। असफलता से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उसे अनुभव के रूप में लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उनकी सफलता यह भी दर्शाती है कि छोटे गांवों से निकलने वाले युवा भी यदि संकल्प लें, तो देश की सबसे कठिन परीक्षा में भी सफलता पाई जा सकती है। आज आस्था न सिर्फ एक होनहार बेटी हैं, बल्कि हजारों युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन चुकी हैं। आस्था शरण की यह उपलब्धि साबित करती है कि दृढ़ निश्चय और कठिन परिश्रम से कोई भी सपना असंभव नहीं है। उनका सफर यह भी बताता है कि असफलता, सफलता की पहली सीढ़ी हो सकती है, अगर इंसान में उसे स्वीकार कर दोबारा प्रयास करने का साहस हो। आस्था की यह यात्रा आने वाले कई युवाओं को अपने सपनों के पीछे भागने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा देती रहेगी।

32 लाख की नौकरी छोड़ यूपीएससी की तैयारी शुरू की, पाई 354वीं रैंक :

एक शानदार मिसाल पेश करते हुए एक युवा ने 32 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज की नौकरी छोड़कर सिविल सेवा की तैयारी का जोखिम उठाया और मेहनत रंग लाई। उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 354वीं रैंक हासिल की है। उच्च वेतन और कॉरपोरेट जीवन की सुविधा छोड़कर इस युवा ने राष्ट्र सेवा का सपना देखा और उसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की। अब यह सफलता न सिर्फ उनके लिए, बल्कि उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो जीवन में बड़ा लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

पूर्व में रही हैं आईआईटी की छात्रा, आईआईटी बीएचयू से की पढ़ाई :

संघ लोक सेवा आयोग में 354वीं रैंक हासिल करने वाली प्रतिभाशाली उम्मीदवार पहले भी शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता दिखा चुकी हैं। वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की पूर्व छात्रा रह चुकी हैं और उन्होंने आईआईटी बीएचयू से अपनी पढ़ाई पूरी की है। तकनीकी शिक्षा के इस प्रतिष्ठित संस्थान से स्नातक करने के बाद उन्होंने कॉरपोरेट सेक्टर में शानदार नौकरी हासिल की, लेकिन देश सेवा के अपने सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने सबकुछ छोड़कर यूपीएससी की तैयारी शुरू की। आज उनकी मेहनत और लगन रंग लाई है, और वे देशभर के युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन गई हैं।

मठिया गांव में गोबर गैस प्लांट का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, 8 परिवारों को मिल रहा सीधा लाभ

साहिबगंज: स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गोवर्धन योजना के तहत साहिबगंज जिले के मठिया गांव में निर्मित गोबर गैस प्लांट का निरीक्षण उपायुक्त हेमंत सती द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली, लाभार्थियों की प्रतिक्रिया और संचालन की व्यवस्था की जानकारी ली।यह गोबर गैस प्लांट गांव के आठ परिवारों को जोड़कर संचालित किया जा रहा है, जिससे उन्हें स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिल रही है। इससे न केवल रसोई गैस की समस्या का समाधान हुआ है, बल्कि गोबर का बेहतर उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल रही है। उपायुक्त ने बताया कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और पशु अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है।निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने प्लांट से मिलने वाले लाभ की सराहना की और कहा कि इससे उनके खर्च में कमी आई है। उपायुक्त हेमंत सती ने संबंधित को निर्देश दिया कि इस योजना का विस्तार अन्य गांवों तक भी किया जाए ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के तहत पहाड़िया समुदाय को स्वरोजगार के लिए मिला प्रशिक्षण

साहिबगंज : मंगलवार को मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के तत्वावधान में आत्मनिर्भर साहिबगंज की परिकल्पना को साकार करने हेतु मंडरो प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस पहल के तहत मंडरो के बसहा गांव में पहाड़िया जनजाति के युवाओं को बांस शिल्प (बांस हस्तकला) प्रशिक्षण प्रदान किया गया, वहीं जानिभिठा पहाड़ क्षेत्र की पहाड़िया महिलाओं को सॉफ्ट टॉयज निर्माण का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के नए अवसरों से जोड़ा गया।इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य जनजातीय समाज को स्वरोजगार, आर्थिक सशक्तिकरण और कौशल विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।कार्यक्रम में प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान, डिजाइन कौशल, और विपणन के आधुनिक तरीकों से भी अवगत कराया, जिससे वे भविष्य में स्थानीय बाजार के साथ-साथ बाहरी बाजारों में भी अपने उत्पादों को बेच सकें।यह पहल न केवल पहाड़िया समुदाय के लिए रोजगार सृजन का अवसर है, बल्कि यह जनजातीय सशक्तिकरण और स्थायी ग्रामीण विकास की दिशा में एक सशक्त कदम है।

संक्षिप्त समाचार

लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया पृथ्वी दिवस

कोडरमा विजय यादव

झुमरी तिलैया स्थित लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल में पृथ्वी दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य नितेश कुमार यादव ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य प्रदूषण और वनों की कटाई से धरती को बचाना है। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाने और सफाई जैसे कार्यों में भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम में बच्चों ने ₹पृथ्वी हम बचाएंगे, हरा-भरा हम बनाएंगे₹ जैसे नारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षकगण, अनुपमा यादव प्रेम कुमार रिया सिंह पूनम सिंह विश्वजीत कुमार ऋषभ कुमार मलका शेख ममता कुमारी शीतल कुमारी आरूषी कुमारी अभिभावक जानकी गोप दिलीप यादव विजय यादव रणवीर सिंह और छात्र उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने की पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अनुदान प्राप्त लाभकों को पशुधन उपलब्ध कराने हेतु पशु मेला का रोस्टर तैयार करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी लाभुकों को शीघ्र योजना का लाभ देने हेतु निर्देशित किया। साथ ही उपायुक्त ने 25 अप्रैल को सभी पशुपालकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रविन्द्र भवन में आयोजित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने पशुपालन विभाग की योजनाओं से लाभान्वित लाभुकों से संबंधित केस स्टडी/ सक्सेस स्टोरी ऑडियो विजुअल फॉर्मेट में तैयार कर उपस्थापित करने का निर्देश दिया गया।

डी ए वी स्कूल में बच्चों ने मनाया पृथ्वी दिवस

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़, स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को विद्यालय के प्रार्थना सभा में बच्चों द्वारा पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न वर्ग के छात्रों द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता एवं नाट्य कला का प्रदर्शन किया गया एवं यह संदेश दिया गया कि हमें किस प्रकार अपने पृथ्वी रूपी घर को हरा भरा रखना है। बच्चों ने अपने प्रस्तुति में धरती बचाओ जीवन बचाओ नारे के साथ इस पृथ्वी को हरा भरा रखने का संकल्प लिया। विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति में बच्चों ने पेड़, सूर्य एवं बादल का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने बताया कि पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है चूंकि इस दिन स्कूल की छुट्टी नहीं होती है और यह शैक्षणिक संस्थानों के लिए छात्रों को मजेदार, सार्थक, पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों में शामिल होने का बेहतरीन अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने आगे बताया कि यह गतिविधियां न केवल सीखने को बढ़ावा देती है बल्कि छात्रों को जिम्मेदार, पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिक बनने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

वक़्फ बचाव संविधान बचाओ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए मंत्री व विधायकों को किया गया आमंत्रित

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - 26 अप्रैल को चान्हो के बलसोकरा में वक़्फ बचाव संविधान बचाओ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए झारखंड सरकार के कृषि पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री इरफान अंसारी और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ओ कांग्रेस नेता बंधु तिर्की कांग्रेस विधायक सुरेश कुमार बैठा को आयोजकों के द्वारा शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। मंगलवार दोपहर 3 बजे जानकारी देते हुए समाजसेवी मोहम्मद मुजीबुल्लाह ने कहा कि वक़्फ कानून 2025 का जिन दलों के नेताओं ने विरोध किया है उन दलों के नेताओं को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया जा रहा है वहीं झारखंड बिहार उड़ीसा के अमीर ए शरीयत मौलाना सैयद फैसल वाली रहमानी भी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अंजुमनों व कई सामाजिक संगठनों का भी साथ मिल रहा है यह कार्यक्रम क्षेत्र का सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा जिससे सरकार को भी असर डालेगा।

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ जागरूकता रैली का आयोजन’

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झौसागड़ी दुखी शाह रोड स्थित संदीपनी पब्लिक स्कूल में हरे और नीले रंग की थीम पर आधारित ₹पृथ्वी दिवस ₹ बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, धरती माता के सम्मान और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना को उजागर करने हेतु विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई, जहां शिक्षकों ने बच्चों को धरती, पेड़-पौधों और मानव जीवन के बीच के गहरे संबंध को सरल और प्रभावशाली भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि यदि हमें धरती को बचाना है तो वृक्षारोपण, जल-संरक्षण और स्वच्छता जैसे छोटे प्रयासों को दैनिक जीवन में अपनाना होगा। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अनेक नारे लगाए गए। ₹पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ₹, ₹धरती मां पुकारे हमें, अब तो कुछ उपकार करें₹ जैसे नारों से गूंजती रैली ने पूरे वातावरण को संदेशमय बना दिया। रैली में भाग लेने वाले बच्चे हरे भरे वेशभूषा में सजे हुए थे। विशेष रूप से कुछ बच्चों ने पेड़, पौधे, जलधाराएँ, सूरज और धरती का रूप धारण कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यालय परिसर को भी हरियाली और सजावटी पौधों से सजाया गया था। कक्षा तीन से आठ के बच्चों के बीच पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने अपनी-अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया 10 सर्वश्रेष्ठ पोस्ट को चुनकर पुरस्कृत किया गया’ कुछ बच्चों के बीच प्रतीकात्मक रूप से स्कूल के द्वारा पौधे वितरित किए गए ताकि वे उन्हें अपने घर ले जाकर उसका पालन-पोषण करें और एक हरियाली युक्त भविष्य का निर्माण करें। इस दौरान 'हर घर दस पौधा' का संदेश प्रमुखता से दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या महोदया ने सभी बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन की चेतावनी है कि हम प्रकृति को उसके मूल रूप में बनाए रखने के लिए कर्तव्यनिष्ठ बनें। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों के लिए एक रचनात्मक मंच बना, बल्कि उन्हें प्रकृति के साथ आत्मीय जुड़ाव की भावना भी प्रदान कर गया। बच्चे काफी उत्साहित दिखे और उन्होंने पृथ्वी को बचाने की प्रतिज्ञा ली क्योंकि उन्हें अच्छी तरह से पता चल गया कि अगर पृथ्वी पर पेड़ नहीं होंगे तो मानव जीवन भी नहीं बचेगा, क्योंकि पेड़ मानव की जीवन वायु ऑक्सीजन उत्सर्जित करते है और हम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करते हैं जो पौधे अवशोषित कर लेते और हमारे पर्यावरण का संतुलन बना रहता है लिए अगर यह असंतुलित हुआ तो यह धरती वीरान हो जाएगी रैली के पश्चात बच्चों ने ठंडे-ठंडे शरबत का लुफ्त उठाया

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया चान्हो व मांडर प्रखंड में महिलाओं के बीच सिलाई मशीन व आपदा व दुर्घटना प्रभावितों के बीच चेक का वितरण

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर,चान्हो - कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मंगलवार को चान्हो व मांडर प्रखंड में जेएसएलपीएस की प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं के बीच सिलाई मशीन, आपदा प्रभावितों व दुर्घटना व वज्रपात के मृतकों के आश्रितों के बीच मुआवजा राशि के चेक का वितरण किया. मंत्री ने इस दौरान चान्हो में 36 व मांडर में 40 महिलाओं के बीच सिलाई मशीन व दर्जनों अन्य लोगों के बीच आर्थिक सहायता व मुआवजा राशि के चेक का वितरण किया और कहा कि झारखंड में सरकार के प्रयास से महिलाएं सबल हो रही हैं. कल्याण विभाग के सौजन्य से सिलाई मशीन के वितरण को गंभीरता से लेने की जरूरत है. अगर राज्य की महिलाएं सामूहिकता के साथ स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाती हैं तो यह कदम रोजगार के क्षेत्र में उनकी स्वतंत्र पहचान स्थापित करेगा. महिलाएं बेहतर ट्रेनिंग के साथ सहकारी समिति से जुड़ कर अपना भविष्य खुद संवार सकती हैं. उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में राज्य सरकार की कई योजनाओं का लाभ ग्रामीण नहीं उठा पाते हैं. इसके लिए प्रखंड के अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से निभानी होगी. अधिकारी योजनाओं के लाभुकों की सूची सूचना पट्ट पर लगाएं जिससे सही समय पर ग्रामीणों समय इसकी जानकारी मिल सके. मौके पर चान्हो में बीडीओ बरुन कुमार, सीओ संजीव कुमार, प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो इश्तियाक, मंगलेश्वर उरांव, बीपीओ गुंजन कुमार, मुखिया शिव उरांव, दिलीप सिंह, अजीत सिंह, सुजीत शाही, इरशाद खान वहीं मांडर प्रखंड में सीओ सह प्रभारी बीडीओ चंचला कुमारी, प्रखंड प्रमुख फिलिप सहाय एक्का, उपप्रमुख अमानत अंसारी, जमील मलिक, सरिता तिग्गा, सेरोफिना एक्का सहित अन्य मौजूद थे!

ए एस महाविद्यालय के विज्ञान संकाय में विज्ञान भवन का हुआ उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज ए.एस.महाविद्यालय के विज्ञान संकाय में विज्ञान भवन का उद्घाटन सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय,दुमका के कुलपति डॉ बिमल प्रसाद सिंह के द्वारा किया गया। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव डॉ राजीव कुमार भी उपस्थित थे। महाविद्यालय में आगमन पर प्राचार्य डॉ त्रिपुरारी प्रसाद सिंह के द्वारा कुलपति को महाविद्यालय द्वार पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने संथाल नृत्य द्वारा उनका आगमन महाविद्यालय में किया। एनसीसी के द्वारा उन्हें सलामी दी गई। उसके बाद उन्होंने विज्ञान भवन का विधिवत फीता काट कर उद्घाटन और वृक्षारोपण भी किया। कुलपति और कुलसचिव द्वारा विज्ञान भवन का निरीक्षण किया गया और मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने का अश्वासन भी दिया। हॉल 01 में कुलपति महोदय, कुलसचिव, प्रभारी प्राचार्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। कुलपति को प्रभारी प्राचार्य के द्वारा बुके, शॉल और मोमेंटो द्वारा सम्मानित किया गया और कुलसचिव को कॉलेज के बरसर डॉ जानकी नंदन सिंह के द्वारा बुके और शॉल से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मियों के द्वारा कुलपति महोदय को बड़ा माला पहनाया गया। स्वागत गान संगीत विभाग के बच्चों के द्वारा, गणेश वंदना बी.एड की छात्रा कुमारी भावना के द्वारा दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति डॉ बिमल प्रसाद सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में सभी विभाग अपना अपना काम कर रही है और आप सभी मिलकर इसको आगे बढ़ाने का काम करें और इसमें जो भी मदद हमारे द्वारा हो, हमारे पास आये और हमें बताएं मैं उसे पूरा करने का प्रयास करूंगा। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ राजीव कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय हर पहलू पर ध्यान देते हुए अपना काम कर रही है और शिक्षकों की कमी को पूरा किया है। इसके लिए आवश्यकता आधारित शिक्षकों को बहाल कर शिक्षकों की कमी को पूरा कर लिया गया है। बी.एड के विषय में उन्होंने बताया कि एनसीटीई के नियमानुसार शिक्षकों की बहाली हेतु इंटरव्यू ले लिया गया है और जल्द ही बी.एड में शिक्षकों की कमी को पूरा कर लिया जाएगा। प्रभारी प्राचार्य ने आज के इस प्रोग्राम के बारे में विस्तृत जानकारी दी और कहा कि विज्ञान की पढ़ाई आज से विधिवत विज्ञान भवन में होगी और महाविद्यालय से संबंधित सभी बिंदुओं को अवगत कराया। बी.एड के प्राध्यापक डॉ अभय कुमार सिंह के द्वारा अभिनंदन पत्र पढ़ा गया। मौके पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। जिसमें शिव वंदना, तबला सह बांसुरी वादन पवन जी के द्वारा, प्रिया कुमारी, माला कुमारी के द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। शिव तांडव रामजीवन यादव के द्वारा और नुक्कड़ नाटक रक्तदान महादान एनएसएस के स्वयंसेवकों के द्वारा प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ अरविंद कुमार झा के द्वारा हुआ, मंच संचालन डॉ. भारती प्रसाद ने किया और अंत में राष्ट्रगान के बाद कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी शिक्षक एवं सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

सरवा थाना अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वाले पर किया गया चालान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम देवघर जिलान्तर्गत कोटपा अधिनियम 2003 की धरा को लागु करने हेतु, सिविल सर्जन देवघर डॉ०युगल किशोर चौधरी एवं डॉ० मनोज कुमार गुप्ता, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह- नोडल पदाधिकारी एन०सी०डी०कोषांक देवघर के निदेर्शानुसार, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में कोटपा-2003 के अधिनियम, तम्बाकू एवं उनके उत्पाद की सार्वजनिक स्थानो पर धड़ल्ले से बिक्री को निर्यंत्रित करने के लिए स्वास्थ विभाग के एन०टी०सी०पी०(राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कर्यक्रम) देवघर से अभिमन्यु दांगी जिला सलाहकार एवं थाना प्रभारी सरवा एम.डी. मकबूल अंसारी (ASI) के द्वारा सयुक्त रूप से चलाया अभियान । तम्बाकू उत्पादकों को लेकर बने कोटपा-2003 अधिनियम के विभिन्न धाराओं को प्रभावी रूप से अनुपालन करने के लिए सरवा बाजार, चौक चोराहा एवं अन्य विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर कोटपा-2003 कानून का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध छापामारी की गई । इस दौरान 6 दुकानदारों से 450 रूपया जुमार्ना वसूला गया । जिसकी जानकारी देते हुए सरवा (अरक) मकबूल अंसारी एवं जिला परामर्शी अभिमन्यु कुमार दांगी ने बताया कि तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदार अपने दुकानों पर सिगरेट के विज्ञापन वाले पोस्टर लगा कर प्रचार- प्रसार करना धारा 5 उल्लंघन करना है, बिना चेतावनी फोटो वाले तम्बाकू उत्पाद की बिक्री करना धारा 7 उल्लंघन करना है, साथ ही ये भी देखा गया की स्कूल परिसर से एक सौ गज की दुरी पर किसी भी प्रकार के नशीली पदार्थ की बिक्री करना मना है जो की अधिनियम कोटपाझ2003 की धाराओ का सीधे उल्लंघन करना है आज छापेमारी के दौरान कई दुकानों से विज्ञापन वाले पोस्टर को हटाते हुए सुझाव दिया गया कि भविष्य में ऐसी गलती ना करें ।

झारखंड युवा कांग्रेस सोशल मीडिया टीम का हुआ गठन जिसमें अभिषेक दुबे बने स्टेट कोआर्डिनेटर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारतीय युवा काँग्रेस के द्वारा झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस सोशल मिडिया टीम की घोषणा की गई। नई कमिटी में देवघर के अभिषेक दुबे की सक्रियता एवं मेहनत को देखते हुए उन्हें स्टेट कॉर्डिनेटर के पद पर नियुक्त किया गया। वहीं देवघर युवा कांग्रेस के पूर्व नगर अध्यक्ष आशुतोष पासवान को प्रदेश कार्यकरणी सदस्य बनाया गया । प्रदेश सोशल मीडिया युवा कांग्रेस कमिटी की घोषणा पर देवघर काँग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय, जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल के साथ अन्य कांग्रेसी नेताओं तथा कार्यकताओं ने बधाई दी। इसी दौरान आभिषेक दुबे ने बताया कि मुझे झारखण्ड युवा काँग्रेस सोशल मीडिया का प्रदेश कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर मैं भारतीय युवा काँग्रेस के प्रभारी श्री कृष्णा अल्लावरु, राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, सोशल मीडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष मन्नू जैन, झारखण्ड प्रदेश युवा कॉग्रेस अध्यक्ष अभिजीत राज एवं झारखंड सोशल मीडिया प्रभारी एवं राष्ट्रीय सह संयोजक मनीष तिवारी का आभार प्रकट करता हूं। मुझे जो भी जिम्मेदारी मिली है बखुबी पुरी इमानदारी से निर्वहन करुंगा।

अबुआ संवाद कक्ष का उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ समाहरणालय स्थित प्रथम तल पर नवनिर्मित आधुनिक अबुआ संवाद कक्ष का मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार एवं उप विकास आयुक्त श्री महेश कुमार संथालिया ने उद्घाटन किया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि समाहरणालय पाकुड़ में डिजिटल माध्यम से जनता तक पहुंच बनाने की एक अनूठी पहल की शुरूआत हुई है। यह हॉल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इससे प्रशासनिक कार्यों को और अधिक प्रभावी और सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों के अनुभवों एवं सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता के साथ साझा करना है। अबुआ संवाद नाम से शुरू किए गए इस पॉडकास्ट चैनल पर सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि इस पहल को सोशल मीडिया पर फैलने वाली गलत और भ्रामक सूचनाओं से निपटने का एक प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफार्म के माध्यम के जरिए सकारात्मक और प्रेरणादायक कहानियों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। ऐसा यूनिक पॉडकास्ट झारखंड में कहीं भी नहीं बनाया गया है।

मिशन मोड में किया जा रहा पशु पक्षियों का वितरण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना 2024-25 के तहत अनुदान प्राप्त लाभुकों को मिशन मोड पर पशु, पक्षी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस संबंध में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ० अनिल कुमार सिन्हा ने बताया की उपायुक्त महोदय के निदेर्शानुसार आगामी 15 मई तक अनुदान प्राप्त लाभुकों को शतप्रतिशत पशु, पक्षी उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में जिले में प्रतिदिन अलग-अलग प्रखंडों में बकरी पालन, मुर्गी पालन, सूकर पालन एवं आदि से संबंधित लाभुकों को गुणवत्तापूर्ण पशुधन उपलब्ध कराया जा रहा है।

गायत्री परिवार का एक मासीय ज्योति कलश रथयात्रा 27 अप्रैल से,

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.आज अपराह्न 3 बजे गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम के साधना कक्ष में देवघर उपजोन समन्वयक बुधन बर्मा की अध्यक्षता में गायत्री परिवार द्वारा आयोजित जिला स्तरीय गोष्ठी का शुभारंभ वैदिक स्वस्तिवाचन से हुआ।उपजोन समन्वयक ने शांतिकुंज हरिद्वार का संदेश देते हुए जन्मशताब्दी वर्ष 2026 की महत्ता, युग निर्माण योजना एवं परम पूज्य गुरुदेव के विचार क्रांति अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए विस्तृत जानकारी आत्मसात कराये। मीडिया को जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने बताया कि गायत्री तीर्थ हरिद्वार से दिव्य ज्योति कलश रथ 26 अप्रैल को गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम पहुंचेगी जिसका भव्य स्वागत योजना बनाया गया। देवघर जिला अन्तर्गत सभी प्रखंडों के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में ज्योति कलश रथयात्रा परिभ्रमण कर देवस्थापना, यज्ञ-हवन,दीप यज्ञ तथा संगीतमय प्रवचन के माध्यम से सनातन धर्म,समाज कल्याण और आध्यात्मिक चेतना को सबल करेगा। समाज में एकता और समर्पण की भावना को जाग्रत करेगा।27 अप्रैल से 26 म ई2025 एक महीना का कार्ययोजना,रूट चार्ट, रात्रि विश्राम तैयार किया गया। ज्योति कलश रथयात्रा के साथ साथ स्थानीय साधकों एवं चार पहिए वाहनों का काफिला चलेगा जिसमें धर्म ध्वज, बैनर,देव झांकियां तथा ध्वनि विस्तारक यंत्र से ससज्जित रहेगा। गोष्ठी में सभी प्रखंडों से महिला मंडल, युवा मंडल प्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में जिला समन्वयक बरूण कुमार, मुख्य ट्रस्टी देवनारायण रजक, जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय, ब्रह्मचारी ज्ञान प्रकाश,रतन भारद्वाज, निशा देवी, शोभा बरनवाल, अनुपमा देवी, कांति देवी, मीरा देवी, महेंद्र प्रसाद यादव, कामदेव भैया आदि दर्जनों प्रतिनिधि शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

गोपालगंज, आरा, छपरा ,सिवान के बुद्धिजीवी तथा गणमान्य लोगों द्वारा जिला स्तरीय बैठक कर मानवाधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉटर इंसान सिंहा को सम्मानित किया गया

दिव्य दिनकर बिहार प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

पटना सोमवार 21/4/ 2025 को शरण्य राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध विरोधी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ईशा सिन्हा बिहार के गोपालगंज आरा ,छपरा ,सिवान के बुद्धिजीवी वर्क गणमान्य लोगों के द्वारा जिदा स्तरीय सम्मान समारोह में इन्हें मुख्य रुप से सम्मानित किया गया। इनके द्वारा भी प्रशासन डॉक्टर शिक्षक को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडोर सिंहा । के द्वारा मानवाधिकार से जुड़े तमाम बातों से अवगत कराया। मोके पर ग्रीन मैन जिले के शिक्षक पर्यावरण मित्र तक सत्यप्रकाश राष्ट्रीय सचिव श्री विकास कुमार श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शशि कुमार भगत बिहार मेडिकल हे डॉक्टर शिवम महिला जिला उपाध्यक्ष श्रीमती पूनम यादव प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कुणाल सिंह, जिला सचिव श्री सरवन कुमार कुचायकोट प्रखंड उपाध्यक्ष श्री विशाल कुमार मेहरा ब्लॉक अध्यक्ष श्री प्रभाकर कुमार इसके अलावे संगठन के अनेक सक्रीय प्रदाथिकारीगण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जुगाड़ गाड़ी पलटने से पांच लोग गंभीर रूप से घायल

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। जुगाड़ गाड़ी के पलट जाने से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिनका इलाज सदर अस्पताल बेगूसराय में चल रहा है। घटना लाखो थाना क्षेत्र के बहदुरपुर गंगा डेयरी के समीप की है। सभी घायल एक ही गांव के रहने वाले हैं। घायलों की पहचान रामकुमार, इंद्रदेव महतो, प्रभु निषाद, मुकेश एवं रमनजीत के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि सभी घायल सिंघौल थाना क्षेत्र के रचियाही के रहने वाले हैं। वे लोग चापाकल गाड़ने के काम से एनएच 31 से बलिया की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में विपरीत दिशा से आ रही रिक्शा की वजह से जुगाड़ ठेला पलट गई। जिससे सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। देखा जाए तो इसमें भी प्रशासनिक लापरवाही कहीं न कहीं साफ झलक रही है। क्योंकि जुगाड़ रिक्शा ना तो किसी परमिट और ना ही किसी आदेश के धड़ल्ले से बेगूसराय की सड़कों पर दौड़ रही है। परिवहन विभाग आंख बंद किए हुए हैं। यही वजह है कि लोग जान हथेली पर लेकर यात्रा कर रहे हैं और ऐसे हादसे सामने आ रहे हैं।

अंबेडकर चौक की घटना को जदयू ने बताया राजनीतिक साजिश

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। जदयू व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव प्रशांत कुमार देव के आवास पर जदयू की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 14 अप्रैल को अंबेडकर चौक पर हुई घटना की कड़ी निंदा की गई और इसे एक राजनीतिक साजिश करार देते हुए सामाजिक सौहार्द्र को नुकसान पहुंचाने का प्रयास बताया गया। बैठक में एसडीओ के उस निर्णय का स्वागत किया गया, जिसमें बिना अनुमति अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर कोई कार्यक्रम नहीं करने की बात कही गई है। अंबेडकर जयंती के अवसर पर जदयू कार्यकताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों में अपनी आस्था प्रकट की। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा दलित उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं छात्रावास प्रोत्साहन राशि, उद्यमिता योजना, बीपीएससी उत्तीर्ण छात्रों को सहायता राशि और मुफ्त अनाज योजना की सराहना की गई। बैठक में नगर अध्यक्ष संगीता राय, नावकोठी प्रखंड अध्यक्ष मुकेश सिंह, प्रवक्ता सुनील महतो, जिला महासचिव जवाहर राय, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव प्रशांत कुमार देव, पिंटू राम, बिरजू महतो सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किशोर न्याय परिषद औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी ने गया के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को शोकोज किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के किशोर न्याय परिषद औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी सह एसीजेएम सुशील प्रसाद सिंह ने मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गया को शोकोज किया है, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि भीषण गर्मी में पर्यवेक्षण गृह गया मैं बंद ससीमित सात विधि विवादित किशोर के उम्र निर्धारण आदेश पत्र काफी समय से निर्गत किया गया है किंतु आज तक बोर्ड में उम्र निर्धारण प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है अधिवक्ता ने आगे बताया कि जे जे ऐक्ट 2015 की धारा 94 के अंतर्गत उम्र निर्धारण आदेश के 15 दिनों के अंदर होनी चाहिए,ऐसा न करना किशोर हीत का हनन है और कानूनी आदेश का अवमानना है इस लापरवाही पर सात दिनों के अंदर अपना स्पष्टीकरण मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गया औरंगाबाद बोर्ड में प्रस्तत करें।

इतिहास में दर्ज हो रहा पटना का गंगा पथ

आखिरकार बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी की मेहनत रंग लाई

शौर्य दिवस पर गरज रहे वायु सेना के फाइटर जेट्स, सूर्य किरण शो के लिए सरकार की अभूतपूर्व व्यवस्था।

140 पदाधिकारी समेत 400 से अधिक जवान तैनात, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

भारतीय वायुसेना के जवान दिखाएंगे करतब

पटना ,। बिहार की राजधानी पटना का गंगा पथ इतिहास दर्ज हो रहा है क्योंकि बिहार की नीतीश सरकार ने बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती ₹शौर्य दिवस₹ को खास बनाने के लिए खास तैयारियां की हैं। वीरता, पराक्रम और स्वाभिमान के प्रतीक बाबू वीर कुंवर सिंह का शौर्य दिवस-विजयोत्सव प्रतिवर्ष श्रद्धा और गर्व के साथ मनाया जाता रहा है। लकिन्तु इतिहास में यह प्रथम अवसर है जब भारतीय वायुसेना ने इस महान स्वतंत्रता सेनानी को आकाश से सलामी दी है । ह्यसूर्यकिरणह्न की गड़गड़ाहट और ह्यआकाशगंगाह्न की अद्भुत छलांगों के साथ ।यह ऐतिहासिक दृश्य संभव हो पाया है सारण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के अथक प्रयासों, राष्ट्रभक्ति और दूरदृष्टि पूर्ण संकल्प के कारण। उन्होंने न केवल वीर कुंवर सिंह के अद्वितीय योगदान को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी उनके गौरवगाथा से जोड़ने का कार्य किया है। बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती अलग-अलग लोग आयोजन कर कर मनाते हैं जिसे अपना सार्वजनिक कार्यक्रम और घोषित रूप से मानते हैं । लेकिन पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती को पूरे देश में चर्चा का विषय बना दिया और एक अलग तरह से लोगों को एक प्लेटफार्म पर लाकर उनके द्वारा किए गए देश की आजादी में कार्यों को नए युवाओं के बीच में सोने के लिए मजबूर कर दिया । राजधानी पटना के जेपी गंगा पथ पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर सभी तरह के पुख्ता इंतजाम कर लिए गए हैं। किसी भी तरह की इमरजेंसी के लिए आपातकालीन एंबुलेंस और अग्निशमन विभाग की भी तैनाती की गई है। बिहार सरकार ने इस कार्यक्रम की सुरक्षा में प्रदेश के 140 से ज्यादा पदाधिकारियों की तैनाती की है। बता दें कि बिहार की राजधानी पटना के जेपी गंगा पथ पर स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती ₹शौर्य दिवस₹ के नाम से मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम 22 और 23 अप्रैल को होना है। इनमें कई तरह के शो आयोजित होंगे. जिसमें सूर्य किरण विमान एयरोबेटिक शो दिखाए जाएंगे। इसके अलावा वायुसेना का अभ्यास भी देखने को मिलेगा। इस कार्यक्रम में आने वाले दर्शकों के लिए सभ्यता द्वार पर बने जेपी पथ पर बैठने की व्यवस्था की गई है। यहां जर्मन हैंगर भी बन रहा है, जिसमें हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। बिहार के गर्व को दिखाने के लिए बिहार सरकार ने जमकर तैयारी की है। बिहार के सबसे खास कार्यक्रम को लेकर सरकार ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर रखे हैं। इसके लिए प्रदेश के 140 बड़े पदाधिकारी और 400 से ज्यादा कांस्टेबल तैनात किए गए हैं। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बिहार के सीएम नीतीश कुमार होंगे। सीएम नीतीश के अलावा बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद होंगे। बाकी कई अन्य विभागों के पदाधिकारी भी होंगे।बिहार सरकार 23 अप्रैल को पटना में ₹शौर्य दिवस₹ मनाने जा रही है। इस समारोह में भारतीय वायुसेना के जवान तस्वीर और तिरंगे के साथ करतब दिखाएंगे। यहां माहौल पूरी तरीके से राष्ट्रभक्ति वाला रहेगा। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार ने सेनानी स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम से प्रदेश में कई चीजों का निर्माण करवाया है। इनमें विश्वविद्यालय, कृषि विश्वविद्यालय, गंगा सेतु नदी जैसे कई निर्माण शामिल हैं। बाबू कुंवर सिंह का यह योगदान नीतीश कुमार के आभार को दिखाता है. यह पूरी तरीके से बिहार के गौरवशाली दिन के रूप में उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में समर्पित किया जाएगा। सभी बिहारियों के लिए यह खास दिन है। बाबू वीर कुंवर सिंह का शौर्य दिवस वैसे तो हर साल मनाया जाता है, लेकिन इस बार इसे ऐतिहासिक महोत्सव का रूप दे रहे हैं सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी. न कोई दिखावा, न कोई प्रचार, बस एक संकल्प कि बिहार का वीरता भरा इतिहास दुनिया तक पहुंचे। पटना के गंगापथ पर होने वाले पहले एयरफोर्स सूर्य किरण शो के लिए सांसद रूडी ने गांव-गांव, घर-घर घूमकर लोगों को आमंत्रित किया था। और ये उसी का नतीजा है इस शो आयोजन इतने भव्य स्तर पर हो रहा है। गंगा पथ पर पहली बार गूंजेगी वायुसेना के फाइटर जेट्स की गड़गड़ाहट। आपको बता दें कि रूडी ने इस आयोजन के जरिए यह साबित किया कि जब इरादे बुलंद हों, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं, अधिकारी हों या नेता, मंत्री हों या खुद रक्षा मंत्री, पक्ष हो या विपक्ष, रूडी ने सबको साथ जोड़ा। मुख्यमंत्री से मिले, सरकार से अनुमति ली और रक्षा मंत्रालय से सूर्य किरण शो को मंजूरी दिलाई।

कंपाउंडर की मौत के मामले में अधिवक्ता पिता ने डॉक्टर और सहयोगियों पर लगाया हत्या का आरोप

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। बखरी स्थित दुर्गा नर्सिंग होम क्लिनिक में कंपाउंडर के रूप में कार्यरत 24 वर्षीय युवक रवीश कुमार की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मृतक के पिता अधिवक्ता सुनील झा ने बखरी थाना में लिखित आवेदन देकर डॉक्टर रमन झा और उनके सहयोगियों पर साजिश के तहत हत्या का आरोप लगाया है। गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुम्हारसों गांव निवासी रवीश कुमार हाल ही में बखरी के डॉक्टर आर. एन. झा के क्लिनिक में कंपाउंडर के रूप में काम करने लगा था। वह गुरुवार से ही क्लिनिक में रहकर काम कर रहा था। सोमवार की सुबह जब क्लिनिक का एक अन्य कर्मचारी वहां पहुंचा तो काउंटर खाली मिला। काफी देर खोजबीन के बाद वह ऊपर के कमरे में पहुंचा, जहां रवीश का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक का सिर बेड के नीचे था जबकि दोनों पैर ऊपर की ओर था। जो कि बेहद असामान्य स्थिति मानी जा रही है। उस कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। जिसे पुलिस के आने के बाद खोला गया। अधिवक्ता सुनील झा का आरोप है कि उनके बेटे के चेहरे और हाथों पर काला निशान था। उन्होंने यह भी दावा किया कि डॉक्टर रमन झा ने पहले शव को गायब करने की कोशिश की, लेकिन जब मौका नहीं मिला तो उन्हें घटना की सूचना दी। श्री झा ने बताया कि उन्होंने क्लिनिक का सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग की, लेकिन डॉक्टर ने इसे नजरअंदाज कर दिया। इससे आशंका और भी गहराती है कि इस मौत के पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। बखरी थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। एसडीपीओ कुंदन कुमार के नेतृत्व में मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने क्लिनिक परिसर की छानबीन भी की है और सभी संबंधितों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से इलाके में आक्रोश का माहौल है। लोगों ने इस मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

चौक-चौराहे और धार्मिक प्लेस पर सीसीटीवी कैमरा लगाने की तैयारी शुरू

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड मुख्यालय के पंचायत में नगर निगम के तर्ज पर सार्वजनिक स्थल, चौक-चौराहे एवं धार्मिक प्लेस पर सीसीटीवी कैमरा लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। यह कारनामा सदर पंचायत नावकोठी के मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने अंजाम दिया है ।मंगलवार को इस महत्वाकांक्षी योजना का शिलान्यास मुखिया, बीडीओ चिरंजीव पांडे ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर किया ।बीडीओ श्री पांडे ने बताया कि ग्राम पंचायत की निधि से नावकोठी के सभी चौक चौराहे, बाजार धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थान पर सीसीटीवी कैमरा सहित पोल प्रतिस्थापन का शुभारंभ किया गया है। यह एक अनूठा पहल है। इससे प्रखंड मुख्यालय के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर निगरानी रहेगी। मुखिया ने कहा कि पंचायत क्षेत्र में बैंक, डाकघर, पीएचसी, आयुर्वेदिक अस्पताल, थाना, शिक्षण संस्थान, विभिन्न धार्मिक स्थल, खेल मैदान, सड़कें, विभिन्न चौक चौराहे पर तीसरी आंखों का चौबीसो घंटा पहड़ा शुरू होगा। इससे विभिन्न प्रकार के छोटे-मोटे वारदात, चोरी छिनतई, अपराध, गैरकानूनी धंधे, महिला सुरक्षा, छेड़छाड़, दुर्घटना जैसी घटनाओं का खुलासा एवं इसपर नियंत्रण किया जा सकता है। इस अवसर पर उप मुखिया विजय सहनी, मो सलमान, सुधीर कुमार, शत्रुध्न कुमार, महेश महतो, राजा विकास, कृष्णनंदन जायसवाल, सुधीर रजक, कन्हैया कुमार आदि मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में मनाया गया समारोहपूर्वक पोषण पखवाड़ा

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के समसा, रजाकपुर, हसनपुर बागर, पहसारा पश्चिम पंचायत के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में समारोहपूर्वक पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजन किया गया ।इसका उद्घाटन सीडीपीओ मोनिका रानी, एलएस लालिमा कुमारी, रिंटु कुमारी, रंजिता कुमारी एवं सिंकी कुमारी ने किया। इस अवसर पर विभिन्न मोटे अनाज से तैयार व्यंजन प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। सीडीपीओ ने मोटे अनाज के खाने के फायदे से माताओं को अवगत कराया। मोटे अनाज से लोगों के शरीर में काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, आयरन सहित अन्य पोषक तत्वों की कमी हो गयी है। इस कमी के कारण अनेक प्रकार के रोगों से प्रभावित होकर अपना स्वास्थ्य बिगाड़ रहें हैं। इन पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए इन अनाजों को शामिल करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। पोषण पखवाड़ा के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र के पोषक क्षेत्रों के लाभुक सहित अन्य के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भोजन में इन अनाजों को शामिल कराये जाने की अपील की। प्रदर्शनी में रागी की रोटी, हलुआ, मक्के की रोटी, मक्के का छोला, सामा, चीना, कोदो, ज्वार, बाजरा, मरूआ, सहजन की पत्ती से आकर्षक रंगोली तैयार की गयी थी। रागी के सेवन से किशोरियों तथा गर्भवती महिलाओं में होने वाली एनीमिया को दूर करने में कारगर है। इस अवसर पर अरुणा कुमारी, सुलेखा कुमारी, चांदनी कुमारी, बिंदु कुमारी, किरण कुमारी, आयशा खातून, रोजी खातुन, तराना खातुन, ममता कुमारी, जयंती कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

मुंगेर में मुकेश साहनी ने एनडीए सरकार की जमकर लगाई क्लास

बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर मुकेश साहनी ने सीएम नीतीश कुमार को घेरा

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो
पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। ₹सरकार बनाओ, अधिकार पाओ₹ के तहत मुंगेर जिला मुख्यालय स्थित मंगल मूर्ति पैलेस में विकासशील इंसान पार्टी के तत्वाधान में आयोजित एकदिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन सह सोनल मीटिंग में सन ऑफ मल्लाह मुकेश साहनी ने बिहार की डबल इंजन की सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। बिहार में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर वीआईपी सुप्रीमो मुकेश साहनी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भ्रष्टाचारियों का सरगना बताया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुकेश साहनी ने कहा कि आगामी 2025 विधानसभा चुनाव विकासशील इंसान पार्टी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। साहनी, बिंद, मल्लाह, चांय, बेलदार, केवट, निषाद आदि जातियों के साथ-साथ वीआईपी पार्टी के कार्यकताओं को अपने अधिकार के लिए आगे आने की आवश्यकता है। साहनी-बिंद-मल्लाह जाति की कुल 22 जातियां आज भी अपने अधिकार के लिए लड़ाई लड़ रही है। समाज के अंतिम पायदान में होने के बावजूद इन जातियों को आरक्षण देने के बजाय इन्हें अति पिछड़ा वर्ग में रखकर सरकार इन जातियों का दोहन और शोषण कर रही है। प्रखंड कार्यालय अंचल कार्यालय सहित सभी प्रखंड एवं जिला स्तरीय कार्यालय में भ्रष्टाचार की गंगा बह रही है। वर्तमान राज्य सरकार ब्यूरोक्रेट्स के इशारे पर चलकर इन भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही है। आज पिछड़ी जाति, अति पिछड़ी जाति, दलित एवं महादलित जाति के लोगों को जमीन के मोशन से लेकर किसी भी तरह के सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए उन्हें इन भ्रष्ट अधिकारियों को चढ़ावा चढ़ना पड़ता है। अन्यथा पीड़ित और शोषित वर्ग का कोई सुनने वाला नहीं है। जिस प्रकार से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सामाजिक न्याय के पुरोधा के रूप में बिहार में पीड़ितों और शोषितों को समाज में अपने अधिकार के लिए लड़ने की ताकत दी है, उसी के दम पर आज हम साहनी-बिंद-मल्लाह समाज के लोग सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में अपने अधिकार को पहचान कर समाज के मुख्य धारा से जुड़ने लगे हैं। हमें भी आगे बढ़ाने के लिए अपने जाति को शिक्षा के क्षेत्र में, सामाजिक क्षेत्र में तथा राजनीति के क्षेत्र में सबल होना पड़ेगा। इन समाज को न्याय दिलाने के लिए सन ऑफ मल्लाह बनकर मुकेश साहनी आप सबों के बीच अपना सब कुछ निछावर कर दिया है। 2025 विधानसभा चुनाव में हमारे सामने करो या मरो की स्थिति है। 2025 में महागठबंधन के सरकार को जिताकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे तभी मुकेश साहनी भी उप मुख्यमंत्री के रूप में आप लोगों का प्रतिनिधित्व कर सकेगा। मुकेश साहनी ने कहा कि बिहार में महागठबंधन के सीट बंटवारे के बाद वीआईपी पार्टी को सम्मानजनक सीट मिलेगी। तेजस्वी यादव के साथ मिलकर 2025 विधानसभा चुनाव के लिए हर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। मुंगेर जिला के तारापुर विधानसभा सीट को लेकर चर्चा करते हुए मुकेश साहनी ने कहा तारापुर विधानसभा क्षेत्र में हमारे समाज की आबादी किसी भी पार्टी को विजयी बनाने के लिए पर्याप्त है। तारापुर सीट से वीआईपी अपना उम्मीदवार उतारेगी। तारापुर से वीआईपी के उम्मीदवार की जीत को सुनिश्चित करने के लिए हमें आपसी मतभेद को भूलकर पूरी मुस्तादी के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने की आवश्यकता है। बिहार में सभी 243 सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवारों को जीत दिलाकर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनना ही हमारा परम लक्ष्य है।

भीषण गर्मी में छात्र-छात्राओं को कॉलेज में नहीं मिल रहा पानी

एबीवीपी कार्यकताओं ने निजी कोष से कॉलेज में उपलब्ध कराया जल

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं के द्वारा विरोध स्वरूप लगातार दो दिनों से को-ऑपरेटिव कॉलेज में छात्र-छात्राओं के लिए जल की व्यवस्था की जा रही है। क्योंकि महाविद्यालय प्रशासन को तीन मांग पत्र देकर कार्यकर्ता मांग कर चुके हैं कि आपके स्तर से समस्या का समाधान नहीं होने पर एबीवीपी कार्यकताओं ने अपनी निजी राशि से छात्र-छात्राओं के लिए जल की व्यवस्था की है ' बताते चलें कि एबीवीपी के 10 कार्यकर्ता ग्लास लेकर पूरे महाविद्यालय में घूमते रहे। लेकिन उन्हें कहीं भी पेयजल नहीं मिला तो आजिज होकर अपने निजी कोष से राशि संग्रह कर महाविद्यालय में पानी का काउंटर लगाया। इस अवसर पर जिला सहसंयोजक कमल कश्यप ने कहा कि विगत कई महीने से एबीवीपी कार्यकर्ता मांग पत्र दे रहा है, किंतु महाविद्यालय प्रशासन के कान पर जू नहीं रेंग रहा है। हम लोगों ने अपने निजी कोष से छात्राओं के लिए जल की व्यवस्था की है। महाविद्यालय अध्यक्ष छोटू कुमार एवं कॉलेज सह मंत्री रोशन कुमार ने कहा कि आज छात्र-छात्राओं को जो दिन देखना पड़ रहा है, इससे स्पष्ट है कि छात्र-छात्राओं से लिए गए राशि का महाविद्यालय प्रशासन केवल अपने लिए उपभोग करते हैं ।महाविद्यालय प्राचार्य एवं अन्य कर्मचारी टीए तथा डीए के नाम पर राशि निकाल रहे हैं। रंग रोगन का कार्य हो रहा है, किंतु छात्र-छात्राओं के लिए पेयजल की व्यवस्था तक नहीं है। ऐसी स्थिति से आजिज आकर हम लोगों ने विरोध स्वरूप अपनी ओर से छात्र-छात्राओं के लिए जल की व्यवस्था की है। मौके पर नीतीश, आलोक, सौरभ, राहुल, रजत, शुभम, मोहित, मुस्कान सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संघ में इजाजत : न्यौता या जाल !

>> विचार

वर्ष 2018 में जब भागवत से गोलवलकर के उनकी किताब बंच ऑफ थॉट्स में मुसलमानों को शत्रु कहे जाने के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि बातें जो बोली जाती हैं, वह स्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संबंध में बोली जाती हैं, वह शाश्वत नहीं रहती हैं। अब गोलवलकर के विचारों के संकलन के नए संस्करण में आंतरिक शत्रु वाला प्रसंग हटा दिया गया है। कहने की जरूरत नहीं कि सिर्फ किताब में से ही हटाया गया है।

बादल सरोज

इन दिनों अब मुसलमानों पर हेज उमड़ रहा है। आजादी के बाद का सबसे बड़ा क़ानून बनाकर संपत्ति हड़पो घोटाला वक्फ कब्जा कांड करने के साथ ही देश के इस सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाकर बयान दागे जा रहे हैं। यह बात अलग है कि वे शब्दों में कुछ भी हों, भावों में और पंक्तियों के बीच के अर्थ में एक समान हैं। इसी तरह का एक बयान खुद संघ प्रमुख का है, जिसमे उन्होंने कहा है कि मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं। इसी के साथ यह दावा भी किया है कि संघ किसी की पूजा पद्धति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। वे यहीं तक नहीं रुके, इससे आगे बढ़ते हुए यह भी बोले कि संघ केवल हिंदुओं के लिए नहीं है। संघ का दरवाजा हर जाति, संप्रदाय और धर्म के लिए खुला है। चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान हो, सिख हो या ईसाई-हर कोई इसमें शामिल हो सकता है। संघ मतलब आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत वाराणसी में यह एकदम नयी पेशकश तब कर रहे थे, जब होली और जुमे को लेकर उन्हीं कुनबे द्वारा घमासान मचाया जा चुका था। यह बात वे उस उत्तरप्रदेश में कह रहे थे, जिसमें ईद की नमाज को कहां, कैसे, कब पढ़ना है, की सख्त हिदायते जारी की जा रही थी, खुले मैदानों की बात अलग रही, घर की छतों तक पर नमाज अदा करना प्रतिबंधित किया जा रहा था। यह बात वे तब कह रहे थे, जब उन्हीं के मंत्री, संत्री, मुख्यमंत्री, यहां तक कि खुद प्रधानमंत्री मुसलमानों के खिलाफ उन्माद भडकाने में पूरे प्राणप्रण से जुटे हुए थे। हालांकि इस एलान के साथ उन्होंने 'शर्तें लागू' का किन्तुक-परंतुक भी जोड़ा है। इन शर्तों में भारत माता की जय का नारा स्वीकार करना और भगवा झंडे का सम्मान करना तो है ही, एक अतिरिक्त चेतावनी भी नत्थी कर दी है कि जो खुद को औरंगजेब का वारिस समझते हैं, उनके लिए संघ में कोई जगह नहीं है। और जैसा कि इस तरह के बयान देने के पीछे का मकसद होता है, इस बार भी था, वही हुआ; कईयों ने यह मानना शुरू कर दिया कि बताइये बेचारे को यूंही बदनाम करते रहते हैं, देखिये संघ तो मुसलमानों के लिए भी बाहें खोले खड़ा है। भले ही हिंदुत्व की विचारधारा से जुड़ा हो, लेकिन वह ऐसे मुस्लिमों को भी स्वीकार करने को तैयार है, जो भारत की संस्कृति को अपनाते हैं और राष्ट्रवाद में विश्वास रखते हैं। क्या सच में बात इतनी ही सीधी-सादी और सरल है? नहीं! यह औरंगजेब के नाम पर योजनाबद्ध तरीके से सुलगाई गयी ध्रुवीकरण की भट्टी में खुद श्रीमुख से सूखी लकडियाँ झोंके जाने की कोशिश है। क्या भारत में ऐसा कोई मुसलमान है, जिसने अपने आपको औरंगजेब का वारिस बताया हो? कोई नहीं। अविभाजित भारत को भी जोड़ लें, तो ऐसा कोई है, जिसने औरंगजेब को अपना पुरखा या किसी भी तरह का नायक बताया हो? हाँ, वंशावली के आधार पर देखा जाए, तो औरंगजेब की एक सचमुच की वारिस और निकटतम जैविक रिश्तेदार जरूर हैं और वे राजस्थान में भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शोभा अवश्य बढ़ा रही हैं। बहरहाल बयानों की शिगूफेबाजी को अलग रखते हुए असल मुद्दे पर आते हैं कि जैसा कि भागवत साहब ने फरमाया है, क्या वैसा संघ में हो सकता है? क्या कोई मुसलमान या अहिंदू आरएसएस का सदस्य बन सकता है? बिल्कुल नहीं! पहली बात तो यह है कि खुद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कहना है कि उसकी कोई औपचारिक सदस्यता नहीं होती। जो लोग आरएसएस की शाखाओं में भाग लेते हैं, उन्हें स्वयंसेवक कहा जाता है। अब स्वयंसेवक कौन बन सकता है? संघ के मुताबिक़ कोई भी हिंदू पुरुष स्वयंसेवक बन सकता है। यहां हिन्दू पुरुष पर गौर फरमाने की आवश्यकता है, क्योंकि यह वह संगठन है, जो दावा तो अखिल ब्रह्माण्ड के हिन्दुओं को एकजुट और संगठित करने का करता है, लेकिन जिसकी सदस्य महिलायें झ हिन्दू महिलायें भी - नहीं बन सकतीं। इसकी वेब साईट के एफएक्यू यानि 'फ्रीक्वेंटली आस्क्ड क्वेश्चंस' मतलब 'अक्सर पूछे जाने वाले सवालों' के अध्याय में लिखा गया है कि "उसकी स्थापना हिंदू समाज को संगठित करने के लिए की गई थी और व्यावहारिक सीमाओं को देखते हुए संघ में महिलाओं को सदस्यता नहीं दी जाती है, सिर्फ हिन्दू पुरुष ही इसमें शामिल हो सकते हैं, इसके स्वयंसेवक बन सकते है। सौवें साल में भी संघ महिलाओं के प्रवेश के बारे में कोई पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है। बस इतना भर कहा गया है कि अपने शताब्दी वर्ष में महिला समन्वय कार्यक्रमों के ज़रिए वो भारतीय चिंतन और सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना चाहता है। बहरहाल फिलहाल चूँकि भागवत साहब ने अपने संघ में हिन्दू महिलाओं की नहीं, 'म्लेच्छ' मुसलमानों के दाखिले की बात की है, इसलिए उसी पर संघ की धारणा और नीति पर नजर डालना ठीक होगा। मुसलमानों के बारे में संघ की सोच की झलक इसके दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर की किताब बंच ऑफ़ थॉट्स" में मिलती है। गोलवलकर ने लिखा था, "हर कोई जानता है कि यहां- भारत में - केवल मुट्ठी भर मुसलमान ही दुश्मन और आक्रमणकारी के रूप में आए थे। इसी तरह यहां केवल कुछ विदेशी ईसाई मिशनरी ही आए। अब मुसलमानों और ईसाइयों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। इसी रौ में वे आगे लिखते हैं कि वे मछलियों की तरह सिर्फ गुणन से नहीं बढे, उन्होंने स्थानीय आबादी का धर्मांतरण किया। हम अपने पूर्वजों का पता एक ही स्त्रोत से लगा सकते हैं, जहां से एक हिस्सा हिंदू धर्म से अलग होकर मुसलमान बन गया और दूसरा ईसाई बन गया। बाक़ी लोगों का धर्मांतरण नहीं हो सका और वे हिंदू ही बने रहे। यही वह किताब है, जिसमें गोलवलकर झ जिन्हें संघ अपना परम पूज्य गुरु मानता है ने मुसलमानों, ईसाइयों और कम्युनिस्टों को राष्ट्र का आंतरिक शत्रु बताया था। सनद रहे कि वर्ष 2018 में जब भागवत से गोलवलकर के उनकी किताब बंच ऑफ़ थॉट्स में मुसलमानों को शत्रु कहे जाने के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि बातें जो बोली जाती हैं, वह स्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संबंध में बोली जाती हैं, वह शाश्वत नहीं रहती हैं। अब गोलवलकर के विचारों के संकलन के नए संस्करण में आंतरिक शत्रु वाला प्रसंग हटा दिया गया है। कहने की जरूरत नही कि सिर्फ किताब में से ही हटाया गया है, एजेंडे में वह पहले से भी कही अधिक प्राथमिकता पर ले आया गया है। क्या इस सबसे भागवत जी ने किनारा कर लिया है? अब उनकी बाँहें और उनके संघ के दरवाजे मुसलमानों और बाकी अहिंदुओं के लिए खुल गए है? क्योंकि अगर ऐसा है, तो फिर इसे अपने संस्थापक के कहे से भी पल्ला झाड़ना होगा। अपने संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की स्वयं आरएसएस द्वारा प्रकाशित आधिकारिक जीवनी में से एक में यह साफ किया गया है कि हेडगेवार स्वतंत्रता संघर्ष से क्यों अलग हुए। जीवनी बताती है कि यह साफ़ है कि गांधीजी हिंदू-मुस्लिम एकता को हमेशा केंद्र में रखकर ही काम करते थे ... लेकिन डाक्टरजी को इस बात में खतरा दिखायी दिया। दरअसल वे हिंदू-मुस्लिम एकता के नए नारे को पसंद तक नहीं करते थे। 1937 में महाराष्ट्र के अकोला में सीपी एंड बरार (अब महाराष्ट्र) की हिन्दू महासभा के सावरकर की अध्यक्षता में हुए प्रांतीय अधिवेशन से लौटने पर, कांग्रेस छोड़ने की वजह पूछे जाने पर हेडगेवार का जवाब था क्योंकि कांग्रेस हिंदू-मुस्लिम एकता में विश्वास करती है। उनका मुस्लिम विरोध किस ऊंचाई का था, यह संघ के शुरुआती दिनों में उनके स्वयं के व्यवहार से समझ आ जाता है। उनकी एक जीवनी में बताया गया है कि मस्जिदों के आगे बैंड बाजा बजाने, शोर मचाने की कार्यविधि उन्हीं की खोज थी, जिसे संघ आज तक आजमा रहा है। जब कभी-कभी बैंड (संगीत) बजाने वाली टोली मस्जिद के सामने बैंड बजाने में हिचकिचाती थी, तो हेडगेवार "खुद ड्रम ले लेते और शांतिप्रिय हिंदुओं को उत्तेजित कर उनकी मर्दानगी को ललकारते थे।" गौरतलब है कि 1926 तक, मस्जिदों के बाहर ढोल-बाजे बजाना सांप्रदायिक दंगों के उकसाने की मुख्य वज़ह था। हेडगेवार ने हिंदुओं में आक्रमक सांप्रदायिकता उकसाने में निजी तौर पर भूमिका अदा की। इस तथ्य को उनके घनिष्ठ और आरएसएस के संस्थापक सदस्यों मे से एक रहे नागपुर की इस्पात मिल के मालिक अन्नाजी वैद का कथन पुष्ट करता है। उन्होंने बताया है : सन् 1926 में कई जगह हिंदू-मुसलमान दंगे होना प्रारंभ हुआ था। इसलिए हम लोगों ने तय किया कि हर एक मस्जिद के सामने से जुलूस निकलते समय ढोल बजने ही चाहिए। एक बार शुक्रवार के दिन जब वाद्य बजाने वाले एक मस्जिद के दरवाजे पर पहुंचे, तो संगीत बजाना बंद कर दिया। तब डाक्टरजी ने स्वयं ढोल खींच कर अपने गले में बांध कर बजाया। उसके बाद ही बाजा बजना प्रारंभ हुआ। क्या भागवत साहब ने हेडगेवार के इन सब किये-धरों को अनकिया करने का मन बना लिया है और सचमुच में आरएसएस को मुसलमानों और बाकी धर्मों के मानने वालों के लिए खोलने का फैसला कर लिया है? यदि हाँ, तो फिर वे अपने उस संविधान का क्या करेंगे, जिसमे कुछ और ही दर्ज किया हुआ है। गांधी हत्याकांड में प्रतिबंधित होने के बाद भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए और गोपनीयता से दूर रहते हुए और हिंसा से दूर रहते हुए राष्ट्रीय ध्वज को मान्यता देते हुए एक लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक संगठन के रूप में कार्य करने की अनुमति हासिल करने के लिए बनाये गये संघ के संविधान में क्या इसकी गुंजाइश है संघ के इस संविधान की शुरुआत ही हिन्दू समाज में अलग-अलग पंथों, आस्थाओं, जाति और नस्लों, राजनीतिक, आर्थिक, भाषायी, प्रांतीय फ़र्कों को समाप्त कर हिन्दू समाज का सवीन्मुखी उत्थान" करने के वाक्य से होती है। संघ के साथ जुड़ने का एकमात्र तरीका उसका स्वयंसेवक बनना है और संविधान में स्वयंसेवक बनने के लिए ली जाने वाली शपथ में दर्ज है कि "सर्वशक्तिमान श्री परमेश्वर तथा अपने पूर्वजों का स्मरण कर मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने पवित्र हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति तथा हिन्दू समाज की अभिवृद्धि कर भारत वर्ष की सर्वांगीण उन्नति करने क लिए मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का घटक बना हूँ ...।" इस संविधान का पहला लक्ष्य ही "हिन्दू समाज के विविध समूहों को साथ लाना, उन्हें धर्म और सस्कृति के आधार पर पुनर्जीवित और पुनः युवतर करने" का है। क्या मुसलमानों, सिखों और बाकियों को शामिल करने के लिए भागवत अपने संघ का संविधान बदलेंगे? वे कुछ नहीं बदलने वाले। अपने इस तरह के दिखावटी बयानों से भी वे अपने एजेंडे को ही आगे बढ़ाने का जाल बिछा रहे होते हैं। ऐसे भ्रामक, निराधार और कभी भी अमल में न लाये जा सकने वाले बयानों के जरिये जहां जनता के एक हिस्से में वे अपने सुधरे, सुथरे और भले रूप की मरीचिका का आभास देना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर, मुस्लिम समुदाय के बारे ऐसा अहसास दिलाना चाहते हैं, जैसे वे इतनी बड़ी पेशकश को भी ठुकरा कर अपनी संकीर्णता का परिचय दे रहे हों।

(लेखक 'लोकजतन' के संपादक)

संपादकीय

बिलों पर कुंडली मार कर बैठना

गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्ट्रपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सर्वोच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गईं कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सर्वोच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? दरअसल ऐसे निर्णय भी सरकार और कैबिनेट के स्तर पर लिए जाते हैं और फिर संबद्ध मंत्रालय द्वारा भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर करते हैं। राष्ट्रपति एक मायने में, लिखित रूप से, नियोक्ता हैं और सरकार की कार्यप्रणाली के मुताबिक, नियोक्ता नहीं भी हैं। हमें नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। बल्कि ऐसी हरकत भाजपा सांसदों ने की है। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा-'इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उनके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस संजीव खन्ना साहब हैं।' भाजपा सांसद ने यहां तक आरोप लगाया कि अदालत इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। अदालत राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकती है? आपने नया कानून कैसे बना दिया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन माह में ही फैसला लेना है? बहरहाल भाजपा नेतृत्व ने यह अच्छा किया कि सांसदों की ऐसी टिप्पणियों से किनारा कर लिया और ऐसे बयानों को खारिज कर दिया। अलबत्ता यहां से राजनीति नया तूल ले सकती थी। सर्वोच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल 'राजनीतिक' होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है

वैश्विक धरोहर बनती प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां

प्रमोद भार्गव

महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश पर आधारित श्रीमद्भगवद्गीता और भारत की ललित कलाओं का मूल ग्रन्थ मने जाने वाले भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को यूनेस्को ने अपने स्मृतिकोश विश्व पंजीयन अभिलेख में शामिल किया है। यह कदम विश्व धरोहर दिवस 21 अप्रैल को उठाया गया है। यह पहल हमारे सनातन शाश्वत ज्ञान और समृद्ध विज्ञान सम्मत संस्कृति को वैश्विक मान्यता देती है। इन दोनों ग्रंथों में मानवता का संदेश देने के साथ जीवन को बेहतर बनाने के मार्ग दिखाए गए हैं। गीता दुनिया का एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसके सांस्कृतिक ज्ञान में विश्व कल्याण और सम्पूर्ण जीव-जगत की रक्षा की कामना की गई है। अतएव इन प्राचीन पांडुलिपियों को न केवल सहेजने की जरूरत है, बल्कि इनमें उल्लेखित ज्ञान विज्ञान को खंगालने की भी जरूरत है। भारत में प्राचीन पांडुलिपियां कितनी हैं, इनका सुसंगत अनुमान कठिन है। अनेक पांडुलिपि संग्रह व संरक्षण संस्थान ज्ञान-विज्ञान की पांडुलिपियों में भरे पड़े हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के निदेशक डॉ सुरेंद्रमोहन मिश्र कहते हैं कि लगभग डेढ़ करोड़ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा द्वारा संसद में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कहा गया था कि ब्रिटेन के संग्रहालय में मुख्य रूप से चार लाख पांडुलिपियां आज भी सुरक्षित हैं। यद्धपि वहां से अब तक 50 हजार पांडुलिपियां मंगाई जा चुकी हैं। इन पांडुलिपियों में खगोल गणित, ज्योतिश, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, रसायन, धातु विज्ञान, खेती-किसानी, अस्त्र-शस्त्र और आवागमन के साधनों से लेकर ईंधन की खोज और मानव मनोविज्ञान तक के धरातल की पड़ताल की गई है। पांडुलिपियों में सामाजिक जीवन के विविध पहलू संरक्षित हैं। प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां कितनी महत्वपूर्ण हैं, इस सिलसिले में एक प्रसंग यहां उद्घाटित है। संस्कृत के भोपाल के बड़े विद्वान और संस्कृत विष्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति रहे डॉ राधावल्लभ त्रिपाठी को लंदन की इंडिया हाउस लायब्रेरी में उपलब्ध सुंदरकवि द्वारा

रचित 'नाट्य-प्रदीप' पांडुलिपि की आवष्यकता थी। उक्त पुस्तकालय में उपलब्ध सूची की पुस्तकों में इस पांडुलिपि का नााम अंकित है। त्रिपाठी जी के मित्र पाठक जी लंदन जाते-आते रहते थे। अतएव उन्होंने पांडुलिपि के लाने का दायित्व पाठक जी को सौंप दिया। पाठक जी ने लंदन से लौट आने पर त्रिपाठी जी को नाट्य प्रदीप ग्रंथ की पांडुलिपि एक गोल डिब्बी में दी। त्रिपाठी जी अचंभित हुए तब पाठक जी ने बताया कि इस डिब्बी में एक माइक्रो चिप है। इसे माइक्रो फिल्म रीडर के माध्यम से कंप्युटर पर खोलकर प्रिंट आउट निकल आएंगे। भोपाल में तो यह काम संभव नहीं हुआ, तब उन्होंने दिल्ली के राष्ट्रीय कला केंद्र में जाकर प्रिंट निकलवाए। चार-पांच सौ पृष्ठ की नागरी लिपि में हस्तलिखित पांडुलिपि उनके हाथों में थी। उन्हें संदेह हुआ कि नाट्य-प्रदीप तो इतने पृष्ठों की नहीं है, फिर यह क्या? परंतु भोपाल आने पर जब उन्होंने पांडुलिपि पढ़ना आरंभ की तो उनका संदेह सच निकला। वह नाट्य-प्रदीप की पांडुलिपि नहीं थी। हालांकि पांडुलिपि के प्रथम पृष्ठ पर शीर्षक व अन्य जानकारियां सूची के अनुरूप ही थीं। दरअसल वह महाकवि दंडी के 'दशकुमारचरित' के तीसरे खंड की अधूरी प्रति थी। त्रिपाठी जी ने इसे ऊंचे पेड़ पर लगा एक फल माना और अध्ययन-मनन में लग गए। अंत में त्रिपाठी जी ने पूरी पांडुलिपि पढ़ने के बाद निष्कर्ष निकाला कि यह पांडुलिपि उज्जैन के राजा विक्रमादित्य की कथा है। कालांतर में उन्होने इस विक्रमादित्य कथा का गद्यानुवाद करते हुए उपन्यास का रूप दिया। इस उपन्यास को भारतीय ज्ञानपीठ ने छापा है। उपन्यास में खगोलीय घटनाओं और विक्रम संवत के प्रारंभ होने के विज्ञान सम्मत, आख्यान तो हैं ही, विक्रमादित्य के इतिहास नायक होने के तथ्य भी हैं। सच्चाई यह है कि इस औपन्यासिक कथा में ईसा के पहले की शताब्दी के भारत की एक व्यापक प्रस्तुति है। इस पांडुलिपि का प्राप्ती रोचक गाथा उपन्यास की भूमिका में दी है। पांडुलिपि के उपन्यास के रूप में प्रकाशन से यह स्पश्ट होता है कि पुरातन ग्रंथों में इतिहास, भूगोल, युद्ध, विज्ञान, समयमान के चित्रण तो हैं ही, भारतीय इतिहास-नायकों की गाथाएं भी हैं। यही संयुक्त वर्णन कहानियों-किस्सों के रूप में किसी राष्ट्र के विकसित श्रेष्ठतम रूप को सामने लाते हैं। पांडुलिपियों के रूप में सुरक्षित ग्रंथों के शोध और संग्रह निरंतर होते रहे हैं। 1803 में इन ग्रंथों का सूची-पत्र तैयार करने की पहली शुरुआत एशियाटिक सोसायटी ने की थी। इस सोसायटी के चौथे अध्यक्ष एचटी कोलब्रुक ने सूची-पत्र तैयार करने के लिए प्रति वर्ष 5-6 रुपए का अतिरिक्त अनुदान का प्रबंध भी कराया। इसी क्रम में गवर्नर एलफिंस्टन ने जब संस्कृत ग्रंथों का अनुसंधान कराया, तब ज्ञात हुआ कि 1840 में जितने ग्रंथ भारत में पाए गए, उनकी संख्या ग्रीक और लेटिन भाषा के समस्त पश्चिमी और कतिपय एशियाई ग्रंथों से कहीं ज्यादा थी। इसके पूर्व 1830 में फ्रेडरिक ने 350 संस्कृत ग्रंथों की सूची बनाई थी। 1859 में बेल के शोधानुसार इन ग्रंथों की संख्या 1300 हो गई। कालांतर में 1891 आते-आते शियोगेर अलफ्रेस्ट ने जो सूची-पत्र बनाया, उसमें इन संस्कृत पांडुलिपियों की संख्या 32 हजार से ऊपर निकल गई। तदुपरांत भारतीय विद्वान हरप्रसाद शास्त्री ने 40 हजार पांडुलिपियों और 1916 में राहुल सांकृत्यायन ने 50 हजार ग्रंथों की खोज कर सूची-पत्र बना लिया। इन सूची-पत्रों की तैयारी के बाद पांडुलिपि शास्त्र के जर्मन ज्ञाता शिलगल ने इन ग्रंथों का विषयवार वर्गीकरण किया। इसी वर्गीकृत अध्ययन से ज्ञात हुआ कि ये ग्रंथ केवल एक विषय, एक धर्म या अध्यात्म मात्र पर केंद्रित नहीं हैं, अपितु इस वर्गीकरण से ग्रंथों के प्रकार और उनमें अंतनिर्हित दर्शन का प्रादुर्भाव हुआ, जिसे तेरह वर्गों में विभाजित किया गया। वैदिक साहित्य अर्थात चार वेद, वेदांग अर्थात शिक्षा, कल्प, निरूक्त, व्याकरण, ज्योतिष और छंद। वेदांगों से आगे पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और काव्यशास्त्र लिखे गए। उपनिषदों के माध्यम से अध्यात्म खगोल और नैतिकता के दर्शन की स्थापना हुई। इसी क्रम में जैन और बौद्ध दर्शन से लेकर, चार्वाक दर्शन तक सामने आए। इनमें प्रकृति से लेकर मानव वृत्तियों के उल्लेखों के मनोवैज्ञानिक दृष्टान्त हैं, परंतु आडंबरों पर प्रहार है। 1981 में भारत की प्राचीनतम बख्शाली पांडुलिपि को प्राचीनतम गणित की पांडुलिपि माना गया है। यह पांडुलिपि खैबर पख्तूनख्वा, पेशावर (पाकिस्तान) के एक किसान को मिली थी। भोजपत्रों पर यह संस्कृत में लिखी गई है। इसके केवल सत्तर पृष्ठ मिले हैं, शेष नष्ट हो गए। इसे नौवीं शताब्दी का लिखा माना जाता है। परंतु जब इसकी लिखावट की ऑक्सफोर्ड विष्वविद्यालय और बोडालियन पुस्तकालय के शोधकर्त्ताओं ने रेडियो कार्बन डेटिंग से परीक्षण किया तो इसे तीसरी-चौथी शताब्दी का होना पाया गया। इस परिणाम से यह निष्कर्ष भी निकाला गया कि ग्वालियर में स्थित मंदिर की दीवार पर उत्कीर्ण शून्य का षिलालेख नौवीं शताब्दी का है, उससे भी पहले की यह पांडुलिपि है। इसमें एक ऐसे बिंदु का उल्लेख किया है, जो 'शून्य' का प्रतिनिधित्व करने वाला अब तक का सबसे प्राचीन प्रतीक है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्राध्यापक मार्कस डू सौतॉय ने प्रतिपादित किया है कि आज हम जिस शून्य का प्रयोग करते हैं, वह प्राचीन भारत में प्रयोग में लाए गए 'बिंदु' से ही विकसित हुआ है। इस पांडुलिपि का आरंभिक लेखन शारदा लिपि में है। यह लिपि 8वीं से 12वीं शताब्दी तक दक्षिण एशिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों और कश्मीर के भूखंडों में प्रचलित थी। शारदा लिपि संस्कृत के निकट मानी जाती है। ऋग्वेद में इन लिपियों के प्रारंभिक विकास के चरण पणिय और मग समुदाय के लोगों के द्वारा किए जाने के उल्लेख हैं। इस पांडुलिपि में गणितीय नियमों, उनमें आने वाली समस्याओं के हल उदाहरणों सहित उपलब्ध हैं। अंकगणित, बीजगणित, रेखागणित और क्षेत्रमिति भी इसमें मिलते हैं। वर्गमूल, घनमूल स्वर्ण की गणना के साथ आय, व्यय, ब्याज और सरल समीकरणों का उल्लेख भी इस पांडुलिपि में है। बख्शाली पांडुलिपि में लिखे जाने से बहुत पहले से ही भारतीय मनीषियों ने इन गणितीय वैदिक ज्ञान के सूत्रों को श्रुति परंपरा से मौखिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में ग्रहण करा दिया था। यही कालांतर में लिखित और मुद्रित रूपों में हमारे समक्ष हैं। सूत्रों को श्रुति परंपरा से मौखिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में ग्राह्य कराया। यही कालांतर में लिखित और मुद्रित रूपों में हमारे समक्ष हैं। दुनिया ने मान लिया है कि ऋग्वेद के सूक्त और मंत्र सबसे प्राचीन मौखिक और भोजपत्रों पर लिखित आख्यान हैं। तथापि 'भृगुसंहिता' भी एक प्राचीन पांडुलिपि है, जिसकी मूल प्रति होशियारपुर में आज भी सुरक्षित है। इसमें ग्रह नक्षत्रों के आधार पर व्यक्ति का भूत और भविष्य वांचने का दावा किया जाता है। रामधारी सिंह दिनकर ने 'संस्कृति के चार अध्याय' में ऋग्वेद की ऋचाओं को विभिन्न विद्वानों के मतानुसार दो हजार से पचहत्तर वर्ष तक का प्राचीन माना है। इनमें सबसे उत्साहजनक दृष्टिकोण डॉ अविनाश दत्त का है। वे ऋग्वेद को पचास से पचहत्तर हजार वर्श पुराना मानते हैं। बहरहाल प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण तो जरुरी है ही, इनका अध्ययन भी जरूरी है।

छात्रों को अद्वितीय नौकरियों पर विचार क्यों करना चाहिए

विजय गर्ग

तेजी से विकसित होती दुनिया में, स्नातकों को अनुकूलनशीलता और निरंतर सीखने को गले लगाना चाहिए। सफलता अपने आप को फिर से तैयार करने और उत्सुक रहने पर निर्भर करती है। पिछले ज्ञान को जाने देने से नए दरवाजे खुलते हैं और कई जुनून को जोड़कर और एक बहु-विषयक मार्ग का पीछा करके, छात्र अपने लिए अद्वितीय अवसर पैदा कर सकते हैं। यहां तक कि माता-पिता भी गैर-पारंपरिक कैरियर पथ की पूर्ति और मूल्य के महत्व को समझते हैं। अज्ञात के लिए तैयार करने के लिए, स्नातकों को अपने जुनून पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उनकी समझ को गहरा करना चाहिए, और उन कनेक्शनों को ढूंढना चाहिए जो उन्हें बाहर खड़ा करते हैं। अपने आप को सच होने और विशिष्टता को गले लगाने से एक पूर्ण और समृद्ध भविष्य होता है। सफलता अनुकूलनशीलता, निरंतर सीखने, अनलर्निंग, किसी की सच्ची कॉलिंग खोजने और वित्तीय ज्ञान को एकीकृत करने में निहित है। हाई स्कूल स्नातक सफलता के लिए अपने स्वयं के अनूठे मार्ग का पालन करके आत्मविश्वास से विकसित दुनिया को नेविगेट कर सकते हैं। मौजूदा क्षेत्रों में विघटनकारी नवाचारों से परे, कई नए कैरियर के रास्ते सामने आए हैं, जो विविध हितों और जुनून वाले छात्रों के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं। निम्नलिखित छात्रों के लिए इन रोमांचक नए युग के करियर में से कुछ हैं: ध्वनि इंजीनियरिंग और संगीत साउंड इंजीनियरिंग का क्षेत्र संगीत और ऑडियो उत्पादन के लिए प्यार वाले व्यक्तियों के लिए एक शानदार अनुभव प्रदान करता है। साउंड इंजीनियर संगीत पटरियों को रिकॉर्ड करने, मिश्रण करने और माहिर करने के साथ-साथ लाइव प्रदर्शन और फिल्म निर्माण के

लिए ऑडियो समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह क्षेत्र रचनात्मक स्वभाव के साथ तकनीकी विशेषज्ञता को जोड़ती है। कृत्रिम होशियारी एआई के उदय ने विभिन्न उद्योगों में संभावनाओं की दुनिया को खोल दिया है। एआई विशेषज्ञ एल्गोरिदम, मशीन लर्निंग मॉडल और बुद्धिमान प्रणालियों के विकास पर काम करते हैं। स्वायत्त वाहनों से लेकर व्यक्तिगत सिफारिश प्रणालियों तक, एआई पेशेवर डेटा और स्वचालन की शक्ति का उपयोग करके भविष्य को आकार देते हैं। डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन डिजिटल युग में, व्यवसाय अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। इस क्षेत्र में करियर में आकर्षक सामग्री बनाना, उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण करना और उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करना शामिल है। डिजिटल विपणक ब्रांड की सफलता को चलाने के लिए रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक कौशल और रणनीतिक सोच को जोड़ते हैं। ड्रोन और रोबोटिक्स रोबोटिक्स का क्षेत्र आश्चर्यजनक गति से आगे बढ़ रहा है जो रोबोट और ड्रोन को डिजाइन करने और प्रोग्रामिंग करने में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। रोबोटिक्स इंजीनियर विनिर्माण और स्वास्थ्य सेवा से लेकर रसद और मनोरंजन तक के उद्योगों के लिए रोबोट विकसित करते हैं। इस क्षेत्र में इंजीनियरिंग कौशल और नवाचार के लिए एक जुनून के मिश्रण की आवश्यकता होती है। जैसा कि नौकरी का बाजार विकसित होता है, स्नातकों के लिए उनके लिए उपलब्ध नए युग के कैरियर विकल्पों का पता लगाना आवश्यक है। ये क्षेत्र न केवल रोमांचक अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि दुनिया में एक सार्थक प्रभाव बनाने का मौका भी प्रदान करते हैं। प्रौद्योगिकी, नवाचार और रचनात्मकता की शक्ति को गले लगाकर, छात्र एक सफल और पूर्ण कैरियर का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजा)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

पृथ्वी दिवस पर नावकोठी के स्कूलों में किया पौधारोपण

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में विभिन्न फलदार, काष्टीय पौधे को लगाया गया। पौधारोपण के उपरांत सेव ट्री, सेव अर्थ का नारा बुलंद किया गया। उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय अकहा ररिऔना एवं चकमुजफ्फर के विद्यालय प्रांगण में जलवायु परिवर्तन और मानव जीवन विषय पर परिचर्चा आयोजित की गयी। कक्षा नवम और दशम के बच्चों ने पौधारोपण एवं मिट्टी को संरक्षित रखने के लिए वर्मी कंपोस्ट के महत्व पर चर्चा की। हेडमास्टर सरोज कुमार महतो ने कहा कि इस दिवस पर हमें अपने धरती को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़-पौधे लगाने होंगे। पर्यावरण संरक्षण पेड़-पौधों के बगैर संभव नहीं है। पेड़-पौधे को सुरक्षित कर ही हम स्वस्थ और अनुकूल जीवन की कल्पना कर सकते हैं। शिक्षक कन्हैया कुमार ने भी विचार साझा किये। छात्रों में मोहित कुमार, शुभम कुमार, राम निवास कुमार, राजीव कुमार, शिक्षक विनय कुमार, अभिमन्यु कुमार पासवान, मनीष कुमार, इंदु कुमारी, खुशबू कुमारी आदि मौजूद थे।

लोगों ने देखा आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। सोमवार को आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम का पटना में मुख्यमंत्री द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत होने को लेकर बैठक की गई। इस अवसर पर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 17 स्थित रतनपुर चतुर्भुज पोखर परिसर में बैठक का लाईव प्रसारण किया गया। जिसमें जिला पदाधिकारी तुषार सिंगला, नगर आयुक्त, नगर निगम सत्येन्द्र कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा, प्रभारी पदाधिकारी, जिला विकास शाखा, उप महापौर नगर निगम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आम लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित बैठक समाप्त होने के उपरांत लोगों को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि सरकार जिस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में टोले-टोले जाकर आम लोगों की जन समस्याओं एवं कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रह है, उसी प्रकार सरकार द्वारा आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके तहत नगर निगम एवं नगर परिषदों के नव-विस्तारित क्षेत्रा में सुरक्षा सुविधा संबंध शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया जायेगा तथा लाभान्वित भी कराया जायेगा।

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में धूमधाम से मना विश्व पृथ्वी दिवस

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में प्राचार्य उदय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बच्चों ने धूमधाम से विश्व पृथ्वी दिवस मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अजीत कुमार ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि नगर विकास विभाग भी विशेष स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है जिसका भी फलाफल यह है कि पृथ्वी को प्रदूषण से मुक्त कर एवं हरितिमा बढ़ाकर सभ्यता को बचे एवं मानवता स्वच्छ वातावरण में स्वांस लें। उन्होंने इस अवसर पर बच्चों से पृथ्वी को हरा भरा करने एवं हेल्थी की अपील की। विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने कहा कि इस वर्ष का थीम है पावर प्लैनेट आवर प्लैनेट। रिन्यूएबल एनर्जी पर अपनी निर्भरता बढ़ाकर 2030 तक ट्रिपल क्लीन एनर्जी के लक्ष्य को प्राप्त कर लेना है। हेडमास्टर उदय कुमार सिंह ने नगर विकास विभाग के द्वारा बच्चों के बीच पृथ्वी दिवस के थीम पर चित्रकारी की प्रतियोगिता आयोजित कराने के लिए आभार प्रकट किए।इस प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय आए रेणु, सोनम एवं सावन को कार्यपालक पदाधिकारी ने बुक भेंट कर सम्मानित किए।इस अवसर पर स्वच्छता पदाधिकारी आदित्य, टाऊन प्लानर निकिता एवं विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद और अनुमंडलीय न्यायालय दाउदनगर कोर्ट 28 अप्रैल से मॉर्निंग होगा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद और अनुमंडलीय न्यायालय दाउदनगर कोर्ट 28 अप्रैल से मॉर्निंग होगा। बताते चलें कि बढ़ते हुए तापमान और उमस भरी गर्मी को देखते हुए व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद और अनुमंडलीय न्यायालय दाउदनगर के कोर्ट 28/04/25 से 28/06/25 तक सुबह 7 बजे शुरू होकर 12.30 बजे तक चलेगा, कार्यालय 1 बजे तक चलेगा, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि यह आदेश व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के प्रधान जिला जज राजकुमार वन ने जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनारायण सिंह अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय सिंह महासचिव सिद्धेश्वर विधार्थी और अनुमंडलीय विधिक संघ के अनुरोध पत्र को स्वीकारते हुए ऐसा फैसला किया है, अधिवक्ता ने बताया कि प्रतिदिन तापमान वृद्धि से अधिवक्ताओं, मुवक्किलों, गवाहों अधिवक्ता लिपिकों को शारीरिक परेशानी होने लगी थी।

सदर अस्पताल की कुव्यवस्था पर अपर मुख्य सचिव को पूर्व जिप अध्यक्ष ने लिखा पत्र

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल की कुव्यवस्था पर जिला परिषद औरंगाबाद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग को ध्यान दिलाते हुए आग्रह किया है कि यहां चिकित्सकों कमी के चलते गरीब एवं लाचार मरीजों को इलाज कराने में असुविधा होती है। पिछले माह बिहार सरकार के मुख्यमंत्री माननीय नीतीश कुमार ने बहुमंजिला अस्पताल का उद्घाटन तो कर दिया लेकिन व्यवस्था के नाम पर यहां कुछ भी नहीं दिखता है। सदर अस्पताल में चिकित्सकों के स्वीकृत पद 57 है जबकि कार्यरत चिकित्सक मात्र 27 ही है। बिहार सरकार ने इस अस्पताल को मॉडल अस्पताल की संज्ञा दी है लेकिन यह अस्पताल बैसाखी पर चल रही है। प्रगति यात्रा में मुख्यमंत्री ने अस्पताल को उद्घाटन तो कर दिया है लेकिन लिफ्ट के अभाव के चलते कोई भी कार्य संभव नहीं हो पा रहा है।औरंगाबाद जिले के तमाम देव तुल्य जनता जनार्दन की तरफ से मैं बिहार सरकार से मांग करता हूं कि सदर अस्पताल में चिकित्सकों की संख्या बढ़ाई जाए एवं लिफ्ट की सुविधा दी जाए जिससे आमजन लाभान्वित हो सके।

अमृत काल की अनुपम सौगात : अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल

नई दिल्ली , ।अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। जो आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिजाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं। अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिजाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है। पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है।

तकनीक से बढ़ी सुरक्षा

अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और एढ-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है।हर स्थिति में आरामदायक यात्रा अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक काउपलर का उपयोग किया गया है। ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है। यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का सारथी बनाती है। 2.0 ट्रेन को 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के साथ अपडेट किया गया है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, 160डठ एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। हर यात्री के लिए फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, पेन्ट्री कार और बेहतर और आरामदायक सीट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय भी प्रदान किए गए हैं, ताकि सभी यात्रियों को समान सुविधा मिल सके

जिला पदाधिकारी ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। बताते चलें कि जिला पदाधिकारी ने इस औचक निरीक्षण में सर्वप्रथम मॉडल अस्पताल में बने ओपीडी कक्ष का निरीक्षण किया गया। जहां आँख वाह्य , दंत वाह्य बिभाग एवं अन्य सभी वार्ड का सुचारू रूप से संचालित पाया गया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि मॉडल अस्पताल का उद्घाटन किए डेढ़ महीना से अत्यधिक होने के बावजूद अभी तक वहां लिफ्ट चालू नहीं होने के कारण नाराजगी व्यक्त किया गया एवं विभाग को सूचित करने हेतु सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया। महिला ओपीडी में निरीक्षण के दौरान चिकित्सक अश्वनी सिंह अनुपस्थित पाए गए। उपाधीक्षक द्वारा बताया गया कि चिकित्सक महिला रूम में गए हैं। जबकि वह लेबर रूम में 10:00 बजे तक अनुपस्थित पाई गई। इस संबंध में सिविल सर्जन को स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। प्रयोगशाला का निरीक्षक के दौरान दो लैब टेक्नीशियन कार्य कर रहे थे। कार्य को अधिकता देखते हुए रोस्टर के अनुसार एक अतिरिक्त लैब टेक्नीशियन को ड्यूटी लगाने का निर्देश उपाधीक्षक को दिया गया। हीट वेव वार्ड के निरीक्षण के दौरान जहां एससी और कुलर लगाया गया था। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार कॉरिडोर में कुछ अतिरिक्त कुलर लगाने का निर्देश दिया गया। लेबर वार्ड निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि अभी तक मात्र चार सिजेरियन ऑपरेशन ही हुआ है इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए अस्पताल प्रबंधक को निर्देश दिया गया कि अस्पताल परिसर में जगह-जगह पर बैनर लगाए कि यहां निशुल्क सिजेरियन ऑपरेशन होता है। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी द्वारा सभी वार्ड यथा रठउव, चाइल्ड वार्ड , समान्य वार्ड , इमरजेंसी वार्ड,आइसीयु में सभी मेरीजों का फीडबैक लिया गया एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाएँ यथा साफ-सफाई , जाँच , दवा, इत्यादि की जानकारी ली गई। इस अवसर पर सिविल सर्जन विनोद डीपीएम स्वास्थ्य अनवर आलम, अस्पताल प्रबंधन के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं चिकित्सक मौजूद रहे।

अब नए कलेवर में दिखेगा पीएम श्री अनुग्रह स्कूल, डीईओ ने किया समीक्षा बैठक

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय को गुणवत्ता की दृष्टि से और बेहतर बनाने हेतु डीईओ सुरेंद्र कुमार ने स्कूल के प्राचार्य उदय कुमार सिंह एवं अन्य शिक्षकों के साथ मैराथन बैठक किए। विद्यालय में आनेवाले महीने से कई नवाचारों को क्रियान्वित करने की सहमति बनी। सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है । प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष अनुग्रह मध्य विद्यालय को उसके उत्तरोत्तर विकास के मानकों पर उत्कृष्ट रहने के कारण पीएम श्री स्कूल बनाया गया। विद्यालय में आज एक बेहतरीन पुस्तकालय, एक आकर्षक रीडिंग रूम, सभी कक्षों में बेंच डेस्क एवं पंखे, सबमर्सिबल मोटर, ड्रिंकिंग वाटर पोस्ट, स्मार्ट लर्निंग सेंटर, खेलने कूदने की सामग्रियां, स्मार्ट बोर्ड आदि उपलब्ध है।वीसी नोड की व्यवस्था के साथ ही बाल संसद, मीना मंच एवं इको क्लब भी क्रियाशील है। छात्र छात्राओं का नामांकन में भी काफी इजाफा हुआ है।डीईओ ने कहा कि यह विद्यालय जिला मुख्यालय के ह्रदय में स्थित है। प्राचार्य उदय कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में विद्यालय तेजी से प्रगति किया कर रहा है,बच्चे पूर्णतः यूनिफॉर्म में आते है और जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। 'आनेवाले समय में विद्यालय को और भी कई मानकों पर आकर्षित बनाया जाएगा एवं जिले के सभी विद्यालयों के बीच आपस में बेहतर करने का स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी सुनिश्चित कराई जाएगी।डीईओ ने विद्यालय के शिक्षकों को कहा कि उनके कार्यबल के संख्या के अनुसार एक बार में दो से अधिक अवकाश बिल्कुल न लें। अध्यापन कार्य को एफएलएन एवं टीएलएम की मदद से रुचिकर बनाएं।बच्चों की उपस्थित हर हाल में अस्सी प्रतिशत से अधिक रखने का प्रयास करें। विद्यालय में गर्मी के दिनों में पीने की पानी की समुचित व्यवस्था होने पर संतोष प्रकट किया। डीईओ ने सभी कक्षों में जाकर बच्चों से वार्ता किए एवं पढ़ाई के साथ ही बढ़ते गर्मी के आलोक में सरकार द्वारा जारी विज्ञापनों में लू से बचने के सुझावों का कड़ाई से पालन करने को कहा।

शराब कारोबारी ने उत्पाद विभाग के चालक को मारी टक्कर, हालात गंभीर

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में शराब को लेकर छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर हमला किया है। यह घटना देव प्रखंड क्षेत्र के केताकी नहर रोड पर उत्पाद विभाग की टीम पर तस्कर ने हमला कर दिया, जिसमें वाहन चालक राजेश कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया, प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया, जानकारी के अनुसार आज उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली कि एक बाइक सवार शराब लेकर जा रहा है, इसके बाद सब इंस्पेक्टर रमज जमा के नेतृत्व में उस जगह वाहन जांच शुरू की गई. इस दौरान संदिग्ध एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया, तो उसने अचानक बाइक की रफ्तार बढ़ा दी और उत्पाद विभाग के चालक को टक्कर मारते हुए भागने की कोशिश की. इस टक्कर में राजेश गंभीर रूप से घायल हो गए. इसके बाद घायल अवस्था में चालक को सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया. चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है, इधर, घटना के तुरंत बाद टीम ने बाइक सवार तस्कर को पीछा कर धर दबोचा और उसके पास से शराब बरामद की गई है। उसका बाइक भी जब्त कर लिया गया है, फिलहाल, आरोपी से पूछताछ जारी है और आगे की कार्रवाई जाएंगी। उत्पाद अधीक्षक अनिल आजाद ने कहा कि मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी. गौरतलब हो कि, बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बाद कई बार छापेमारी के दौरान पुलिस और शराब से जुड़े लोगों के बीच टकराव की घटनाएं सामने आई हैं, जिले में पहले भी इस तरह की घटनाएं समाने आई हैं।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा पटना शहर, जानिए क्या -क्या मिलेंगी सुविधा

पटना: राजधानी पटना के गंगा तट को एक भव्य पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत गंगा तट को एक समग्र उद्यान में रूपांतरित किया जाएगा। इसमें रिवर फ्रंट, वानिस्थितिका उद्यान, तितली उद्यान, फूड कोर्ट, अर्बन महिला हाट, पैदल पथ, साइकिल ट्रैक और विशाल पार्किंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके कुल क्षेत्रफल का 90 प्रतिशत हिस्सा हरित व खुला रखा जाएगा। जिसमें लगभग एक लाख पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, जिससे राजधानी पटना में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरणीय संतुलन में काफी मदद मिलेगी। पथ निर्माण विभाग के अनुसार कुल 8 हेक्टेयर क्षेत्र में 27 नक्षत्रों पर आधारित वानिस्थितिका उद्यान पारंपरिक खगोलशास्त्र की थीम पर आधारित होगा। साथ ही तितली उद्यान बच्चों व पर्यटकों को प्रकृति से जोड़ेगा। वहीं, कुल 6 किलोमीटर लंबा पैदल पथ गंगा किनारे लोगों को सुरक्षित भ्रमण की सुविधा प्रदान करेगा। कुल 4,000 चार पहिया और 13,000 दोपहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था भी यहां विकसित की जाएगी। राज्य के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि यह परियोजना पटना के सतत विकास के साथ-साथ पर्यटन व सांस्कृतिक विस्तार की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ेगी। बिहार राज्य पथ निर्माण निगम लिमिटेड ने जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान (फेज-1) परियोजनाः के लिए निविदा आमंत्रण की अधिसूचना जारी कर दी है। यह महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से विगत 21 फरवरी को प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणा का एक हिस्सा है। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि यह परियोजना दीघा से गांधी मैदान तक गंगा पथ के दोनों ओर लगभग 7 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में विकसित की जाएगी। कुल 49.7 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस योजना की अनुमानित लागत 387.40 करोड़ रुपये है। इसे 24 माह में पूरा करने का लक्ष्य भी निर्धारित कर दिया गया गया है। पथ निर्माण मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप इस परियोजना को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केवल दो माह के भीतर टेंडर जारी कर देना विभाग की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ये निविदा दस्तावेज 27 अप्रैल से 26 मई तक दोपहर 3 बजे तक आधिकारिक पोर्टल से डाउनलोड एवं अपलोड किए जा सकेंगे। एजेंसी का चयन प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से किया जाएगा और कार्य की गुणवत्ता व समय-सीमा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

धनबाद-लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य 02 जोड़ी तथा बरौनी-पोत्तनूर (कोयंबटूर) तथा पटना-एरणाकुलम के मध्य 01-01 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुरः

ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में और धनबाद और लोकमान्य तिलक के मध्य 02 जोड़ी तथा बरौनी-पोत्तनूर (कोयंबटूर) तथा पटना-एरणाकुलम के मध्य एक-एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 03327/03328 धनबाद-लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल (बोकारो-लातेहार- डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते): गाड़ी संख्या 03327 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 26 अप्रैल से 28 जून, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को धनबाद से 08.00 बजे खुलकर रविवार को 17.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 03328 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 27 अप्रैल से 29 जून, 2025 तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से 20.00 बजे खुलकर मंगलवार को 08.40 बजे धनबाद पहुंचेगी । 2. गाड़ी संख्या 03379/03380 धनबाद-लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल (बोकारो-लातेहार- डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते): गाड़ी संख्या 03379 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 22 अप्रैल से 24 जून, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को धनबाद से 22.30 बजे खुलकर गुरूवार को 08.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 03380 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 24 अप्रैल से 26 जून, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार को लोकमान्य तिलक से 10.00 बजे खुलकर शुक्रवार को 22.30 बजे धनबाद पहुंचेगी । 3. गाड़ी संख्या 06055/06056 पोत्तनूर-बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल (किउल-झझा-चितरंजन- धनबाद-रांची-राउरकेला-सम्बलपुर-काटपाडी के रास्ते): गाड़ी संख्या 06055 पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल 26 अप्रैल से 24 मई, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को पोत्तनूर (कोयंबटूर) से 11.50 बजे खुलकर सोमवार को 14.30 बजे बरौनी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 06056 बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल 29 अप्रैल से 27 मई, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को बरौनी से 23.45 बजे खुलकर शुक्रवार को 03.45 बजे पोत्तनूर पहुंचेगी । 4. गाड़ी संख्या 06085/06086 एरणाकुलम-पटना-एरणाकुलम स्पेशल (मोकामा-झाझा-आसनसोल-दानकुनी-खड़गपुर-भुवनेश्वर-के रास्ते): गाड़ी संख्या 06085 एरणाकुलम-पटना स्पेशल 25 अप्रैल से 30 मई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को एरणाकुलम से 23.00 बजे खुलकर सोमवार को 03.30 बजे पटना जं. पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 06086 पटना-एरणाकुलम स्पेशल 28 अप्रैल से 02 जून, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को पटना से 23.45 बजे खुलकर गुरूवार को 10.30 बजे एरणाकुलम पहुंचेगी ।

पटना में आयोजित बिहार के वीर सपूत बाबू कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देने का ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य - गोपाल शरण सिंह

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद : पटना में आयोजित बिहार के वीर सपूत बाबू कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देने का ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल शरण सिंह। बताते चलें कि भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल शरण सिंह ने अपने निजी आवास पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए जानकारी दिए की पटना में आयोजित 23 अप्रैल को बिहार के वीर सपूत बाबू कुंवर सिंह की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी इस कार्यक्रम में औरंगाबाद जिले से लगभग 5000 लोगों की जाने की उम्मीद है और इस कार्यक्रम को बेहतर बनाने का काम करेंगे और उनके दिए हुए संदेशों पर खडा उतरने का काम करेंगे, आगे इन्होंने कहा कि 1857 की स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश सत्ता की नींव हिला देने वाले बिहार के वीर सपूत बाबू कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देने का ऐतिहासिक अवसर फिर सामने है. इस महान क्रांतिकारी के विजयोत्सव का आयोजन 23 अप्रैल को पटना के बापू सभागार में वीरता, बलिदान और सामाजिक चेतना की नई ऊर्जा का संचार होगा। आगे भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल शरण सिंह ने बताया कि यह आयोजन किसी जाति या दल का नहीं, बल्कि पूरे समाज की चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, बाबू वीर कुंवर सिंह ने जो बलिदान दिया, वह आज भी हमारे अंदर आत्मगौरव और स्वाभिमान की भावना जगाता है। इस कार्यक्रम का मकसद यही भावना फिर से समाज में भरना है। जो वीर कुंवर सिंह की गाथा को जीवंत बना देंगे। आयोजन का उद्देश्य केवल अतीत को याद करना नहीं, बल्कि भविष्य को दिशा देना है। बताते चले कि भारत की आजादी में वीर सपूत बाबू वीर कुंवर सिंह की बलिदान कभी भूलाया नहीं जा सकता है।

अक्षय तृतीया को स्थापित हुए थे विष्णु धाम ,दर्शन मात्र से ही पूरा होते हैं सब काम

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित जम्होर थानांतर्गत मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर अवस्थित प्रकृति का अनमोल धरोहर विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम की स्थापना अक्षय तृतीया को हुई थी।परमहंस सन्यासी खाकी बाबा द्वारा स्थापित इस स्थल का वर्णन पुराणों में भी वर्णित है।मगध के चार धामों में से एक हैं। मगध के गया,राजगीर,देवकुंड एवं विष्णु धाम को मगध के चार धाम के रूप में जाना जाता है।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि विष्णु धाम अत्यंत ही पवित्र एवं वैष्णव परंपरा के मानने वालों उपासकों के लिए महत्वपूर्ण धाम है।जब कोई भक्त विष्णु धाम पहुंचते हैं और भगवान विष्णु का उन्हें जब दर्शन प्राप्त होता है तो उनके अंदर ह्रदय में भक्ति की अविरल धारा उमड़ पड़ती है। भगवान विष्णु की ऐसी मनमोहक छवि है जिसे भक्तों को बरबस निहारने के लिए बाध्य कर देती है।प्राकृतिक सुषमा से आच्छादित इस स्थल का संगम तट अत्यंत ही पवित्र माना जाता है संगम तट पर किए गए अनुष्ठान चमत्कारी सिद्ध होते हैं।विष्णु धाम के दरबार में अन्य देवी देवताओं की भी प्रतिमाएं हमें आकर्षित करती रहती हैं।शिव परिवार,भगवान भाष्कर, वीर बजरंगबली,मां काली,पुनपुन माता,बद्री नारायण की प्रतिमाएं यह इंगित करती हैं कि अनादि ब्रह्म परम पिता परमेश्वर के दरबार में सभी प्रतिको से ऊर्जा की प्राप्ति हो। इसी परिसर में खाकी बाबा,नागा बाबा की भी समाधि है जिनकी सूक्ष्म चेतना हमें हजारों वर्षों तक मार्गदर्शन करेगी।अक्षय तृतीया को ही सतयुग एवं त्रेतायुग की शुरूआत हुई थी। भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का अवतरण हुआ था। ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अक्षय कुमार का भी इसी दिन जन्म हुआ था।भक्त सुदामा भगवान श्री कृष्ण से इसी दिन मिले थे। तभी तो खाकी बाबा ने इसी दिन विष्णु धाम की स्थापना की।सनातनी परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व अक्षय तृतीया के मौके पर विष्णु धाम में गुड एवं आंटा के घोल से द्रवित पदार्थ में छाना गया पुआ का प्रसाद बंटता है।इस दिन भगवान विष्णु की षोडशोपचार विधि से पूजा अर्चना की जाती है एवं पुआ का प्रसाद लेने के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है।

हाई स्कूल खेल मैदान, गोह में धूमधाम से आज मनाई जाएगी अम्बेडकर जयन्ती

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)भारतीय संविधान के महान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयन्ती के अवसर पर गोह के हाई स्कूल खेल मैदान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह 23 अप्रैल,यानि आज बुधवार को आयोजित होगा, जिसमें दिन में मुख्य कार्यक्रम और रात्रि 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। समारोह की विशेषता यह है कि इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और अंबेडकरवादी आंदोलनों से जुड़े प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में विधायक डेहरी फतेहबहादुर, मखदुमपुर के विधायक सतीश दास बौध, भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष जौहर अजाद पासवान, प्रो. अशोक कुमार सिंह पटेल, और हसाबुद्दीन अंसारी जैसे प्रमुख वक्ता शामिल होंगे। समारोह के स्थाई निवेदक देवरंजन दास अम्बेडकर व आयोजन समिति में अध्यक्ष नागेश्वर प्रसाद सिंह ने बताया कि यह आयोजन सामाजिक जागरूकता, संविधान के महत्व और बाबा साहब के विचारों के प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित है।, सचिव डा. शिवशंकर प्रसाद, कोषाध्यक्ष रविन्द्र पासवान (पूर्व डीड-ओ) सहित अनेक समाजसेवी, अधिवक्ता, बौद्ध उपासक और राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समारोह में रामजी पासवान (अधिवक्ता एवं कानूनी सलाहकार) संयोजक की भूमिका में हैं, वहीं संरक्षक मंडल में विन्देश्वरी प्रसाद शर्मा, राम विनय यादव और उदय प्रसाद जैसे समाजसेवी शामिल होंगे। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन में सभी जाति-धर्म के लोगों से भागीदारी की अपील की गई है, जिससे यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और न्याय के विचारों को सशक्त कर सके।

राजद प्रखंड इकाई गोह की बैठक संपन्न, डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षति पर गहरा रोष

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की प्रखंड इकाई गोह की एक आपात बैठक मंगलवार को प्रखंड अध्यक्ष ललन प्रसाद चौरसिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से 15 अप्रैल 2025 की रात को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने की कड़ी निंदा की गई। पार्टी ने घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे समाज को बांटने की साजिश बताया। बैठक के उपरांत राजद के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) से मिलकर ज्ञापन सौपा जिसमे तीन प्रमुख मांगें रखीं प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने वाले असामाजिक तत्वों की शीघ्र गिरफ्तारी हो।.डॉ अंबेडकर की प्रतिमा का पुनर्निर्माण कार्य अविलम्ब शुरू किया जाए। व प्रखंड मुख्यालय के मुख्य चौराहे (302) पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।इस मौके पर ललन प्रसाद चौरसिया (प्रखंड अध्यक्ष)अजय कुमार भारती (प्रखंड प्रवक्ता, राजद)डॉ. रामानंद यादव (प्रखंड महासचिव, राजद)शामिल हैं।राजद नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं करता है तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

बढ़ते अपराध तथा सूबे में लगातार हो रहे हत्या को लेकर राजद ने बिहार की एनडीए सरकार पर उठाए सवाल

ये पब्लिक है सब जानती है : राजेश रमण

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

मुंगेर। बिहार में गिरती कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध तथा सूबे में लगातार हो रहे हत्या को लेकर राजद ने बिहार की एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला है। राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रमंडल प्रभारी सह जिलाध्यक्ष ने बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर एक बार फिर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि भोजपुर में जिस तरह से भाजपा नेता बबलू सिंह बारात की भीड़ पर अंधाधुंध फायरिंग कर सात लोगों को गोली मार दिया। जिसमें दो लोगों की मृत्यु हो गई। इससे साफ तौर पर यह दशार्ता है कि लोगों के मन में पुलिस का भय एकदम से समाप्त हो गया है। जहां तहां दबंग एवं आपराधिक किस्म के लोग जनता के साथ-साथ पुलिस पर भी हथियार लहरा रहे हैं। इसके साथ नालंदा में नाई सुखदेव ठाकुर की हत्या, सीतामढ़ी के सोनबरसा में राजू सिंह कुशवाहा की हत्या, सासाराम में आभूषण कारोबारी प्रिंस कुमार की हत्या एवं बेगूसराय में अजीत महतो की हत्या ने बिहार की सुशासन सरकार के पोल खोल कर रख दिया है। उन्होंने सत्ता रूढ़ भाजपा जेडीयू गठबंधन सरकार पर नाकामी छुपाने और अपराध रोकने में विफल होने के आरोप लगाते हुए कहा कि भोजपुर आरा की घटना में अपराधी को संरक्षण देने में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, रवि शंकर प्रसाद, नित्यानंद राय जैसे लोग का वरदहस्त है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। क्योंकि केंद्र में भाजपा की सरकार है तो यहां राष्ट्रपति शासन बिल्कुल नहीं लगाएगी। लेकिन राज्यपाल को इसके लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। राजेश रमण ने कहा कि बिहार की जनता इस डपोरशंखी सुशासन सरकार को आगामी विधानसभा चुनाव में तगड़ा जवाब देगी। ये पब्लिक है सब जानती है।

करही मोड़ के समीप एक टाटा मैजिक ने बच्चों को मारी ठोकर बच्चों की स्थिति नाजुक

दिव्य दिनकर लालू कुमार

चकाई प्रखंड के बिचकोड़वा थाना क्षेत्र के सरोन बक्सीला मुख्य मार्ग स्थित करही गांव के समीप तेज रफ्तार टाटा मैजिक ने असंतुलित होकर टाटा मैजिक ने बच्चों की मारी ठोकर जिससे बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गया। वही ग्रामीणों ने बताया कि तेज रफ्तार में टाटा मैजिक बिचकोड़वा की ओर से आ रही थी वही विपरीत दिशा बच्चे घर जा रहा था इसी क्रम में मैजिक वाहन ने बच्चे को जोडदार ठोकर मार दिया जिससे बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गया।वही घायल बच्चे की पहचान बिचकोड़वा थाना क्षेत्र के करही निवासी जितेंद्र पासवान के पुत्र विशाल कुमार उम्र करीब 6वर्ष के रूप में हुई है। वही ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना बिचकोड़वा थाना को दी गई सूचना मिलते ही बिचकोड़वा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मैजिक वाहन और चालक को कब्जे में लेकर थाना ले गई। वही घायल बच्चे का इलाज एक निजी क्लिनिक में कराया गया स्थिति गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के देवघर अस्पताल भर्ती कराया गया जहाँ उसका इलाज किया जा रहा है।

बगहा में शुरू हुआ पासपोर्ट सेवा मोबाईल वैन कैंप, अब पासपोर्ट बनवाना होगा और आसान

बगहा :बगहा में रहने वाले नागरिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना द्वारा अनुमंडल कार्यालय परिसर, बगहा में तीन दिवसीय पासपोर्ट सेवा मोबाईल वैन कैंप का आयोजन किया गया है। यह कैंप 22 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक चलेगा। इसका शुभारंभ क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी श्रीमती स्वधा रिजवी ने बगहा पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में किया। इस पहल के पीछे प्रमुख उद्देश्य बाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र में जल्द खुलने वाले डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र की पूर्व तैयारी और पश्चिम चंपारण के आवेदकों की बढ़ती संख्या है। यह बगहा में आयोजित नौवां मोबाईल पासपोर्ट कैंप है, जबकि अप्रैल 2024 के बाद से अब तक कुल 8 कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। हर दिन 55 स्लॉट्स, केवल ऑनलाइन अपॉइंटमेंट से होगा रजिस्ट्रेशन

इस कैंप में नए (Fresँ) और पुनर्निगमन (Re-issue) पासपोर्ट के आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। हर दिन 55 अपॉइंटमेंट स्लॉट जारी किए जाएंगे।

बिहटा में भव्य दिव्य मंगल कलश यात्रा निकली गई

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

पटना / बाबा बीटेश्वर नाथ मंदिर से पश्चिम बिहटा उच्च विद्यालय के सामने लई रोड बिहटा, पटना में श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर लई रोड , बिहटा मंगलवार को भव्य मंगल कलश यात्रा निकाला गया। यह यात्रा शांति, सद्भाव और आध्यात्मिकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई। इस मंगल कलश यात्रा में 1101 महिलाएं एवं कुमारी कन्याएं व चार रथ, गाजे बाजे के साथ काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कलश यात्रा का प्रारंभ सर्व श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य स्वामी यादवेंद्रानंद, स्वामी सुकमानंद, संजय सिंह, वीरेंद्रानन्द, अरुण कुमार, महेश, मुख्य यजमान श्री नीरज कुमार, श्री मंटू कुमार, छोटन सिंह, नीरज जी , त्रिलोकी सिंह ने झंडा दिखा कर किया। कलश यात्रा कथा स्थल से राघोपुर, बाजार समिति, बिजली ऑफिस मोड़ जिनपुरा रोड, चीनी मिल, बिहटा स्टेशन रोड होते हुए पुनः कथा स्थल पहुंची। जहां पूरे मार्ग पर भक्तों ने भजन-कीर्तन करते हुए आध्यात्मिकता और शांति का संदेश फैलाया। ह्लसत्यं शिवं सुन्दरम्ह्व का सूत्र सिखाती है श्री शिव महापुराण कथा - डॉ. सर्वेश्वर विश्व के कण-कण में है शिव तत्व की थिरकन - डॉ. सर्वेश्वर ब्रह्मज्ञान के माध्यम से शिव तत्व भीतर प्रकट होता है - डॉ. सर्वेश्वर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से लई रोड, बिहटा, पटना में 22-28 अप्रैल 2025 तक सात-दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसका समय शाम 4.30 से रात्रि 8.30 बजे तक है। कथा के प्रथम दिवस गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने कथा माहात्म्य का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान शिव की महिमा तो ऐसी है जो देश-काल की समस्त सीमओं से परे विश्व के कण-कण में समाहित है। आज केवल

भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में भगवान शिव के असंख्य भक्त उनकी उपासना करते हैं। यदि विश्व की विभिन्न प्राचीन सभ्यताओं की ओर दृष्टिपात करें तो वहाँ भी भगवान शिव की उपासना के असंख्य प्रमाण मौजूद हैं। उदाहरणस्वरूप तुर्किस्तान के बेबीलोन शहर में एक हजार दो सौ फुट का एक विशाल शिवलिंग पाया गया है। स्कॉटलैंड में स्वर्णजड़ित एक विशाल शिवलिंग है। आयरलैंड के तारा हिल में एक बहुत पुराना शिवलिंग स्थापित है। दक्षिण अफ्रीका के ब्राजील शहर में अनेकों शिवलिंग हैं। इसी प्रकार मेक्सिको, जावा, कम्बोडिया, सुमात्रा, नेपाल, भूटान, इटली, यूरोप आदि देशों में विभिन्न प्राचीन शिवलिंग होने के प्रमाण मिले हैं। ये सब साक्ष्य भगवान शिव की सर्वगम्यता व असीमित लोकप्रियता को ही दशार्ते हैं। बात करें भारत देश की, तो इतने विदेशी आक्रमणों के बाद भी यदि भारतीय संस्कृति प्रफुल्लित साँसें भर रही है तो इसका एकमात्र कारण है इसकी धमनियों में प्रवाहित होता शिव तत्व। या यूँ कहें, भारत देश की तो आत्मा ही महादेव हैं। लेकिन अफसोस, आधुनिकता की अंधी दौड़ में दौड़ती भारत देश की संतानें आज शिव तत्व से कोसों दूर हो पतन की गहरी खाई में लुढ़कती चली जा रहीं हैं। आज समाज में व्याप्त हिंसा, वैमनस्य, मतभेद सब शिव तत्व का समाज से विलुप्तिकरण ही दशार्ते हैं। प्रभु की यह पावन कथा उसी सनातन शिव तत्व को उजागर करने आई है। शिव तत्व को ब्रह्मज्ञान के माध्यम से घट में प्रकट करने आई है। ताकि शिव की संतानें ह्लसत्यं शिवं सुन्दरम्ह्व के सूत्र का अनुसरण करते हुए इस मायायुक्त संसार में सत्य का वरण कर शिवपथ अर्थात कल्याणकारी पथ पर आगे बढ़ें और अपने जीवन को सुंदर बना लें। मचाशीन साध्वी विदुषी एवं साधु समाज गायिका साध्वी सर्वज्ञा भारती जी , गायिका साध्वी अवनि भारती जी,गायिका साध्वी विनयप्रदा भारती जी, गायिका साध्वी सुमन भारती जी,श्रङ्क्ष्ल्ल वादिका साध्वी मणिमाला भारती जी ,सितार वादिका साध्वी वीणा भारती जी , सितार वादिका साध्वी संगीता भारती जी, बांसुरी वादिका साध्वी उज्जेशा भारती ,डश्ल्ल वादिका साध्वी संपूर्णा भारती जी, डश्ल्ल वादिका साध्वी दीपा भारती,डूइंस्त्रं वादिका साध्वी सारिका भारती जी, गायक गोपाल जी,गायक कैलाश जी,गायक श्रेष्ठ जी,तबला वादक पार्थ जी, तबला वादक स्वामी करुणेशानंद जी, ढोलक वादक पवन जी ये सभी ने सुमधुर भजनों के द्वारा भक्त गण भाव विभोर हो उठे। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर उधवा हाई स्कूल में ₹आर्द्रभूमि और जलवायु परिवर्तन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज : अर्थ आइडियाज फाउंडेशन और साहिबगंज वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आदर्भूमि और जलवायु परिवर्तन₹ विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उधवा हाई स्कूल में किया गया। इस अवसर पर अर्थ आइडियाज फाउंडेशन से शहनवाज सिद्दीकी ने जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्याओं और इसके स्थानीय प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए संगठन की भूमिका और प्रयासों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सामूहिक और जागरूक प्रयासों की आवश्यकता है। साहिबगंज कॉलेज के बॉटनी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. वसीम रजा ने वेटलैंड्स की जलवायु परिवर्तन से निपटने में भूमिका और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने आर्द्रभूमियों को प्रकृति का संतुलन बनाए रखने का अहम आधार बताया। मंदार नेचर क्लब से राहुल ऋतश्वर ने पक्षियों और जैव विविधता के महत्व को समझाया और बताया कि कैसे यह पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में सहायक हैं। तिलका मांझी विश्वविद्यालय से शोधार्थी प्रियंका, जय कुमार जय और निवेदिता ने जल प्रदूषण, साइटोजेनेटिक्स और प्रवासी पक्षियों पर अपने शोध कार्य साझा किए।-विद्यालय की प्राचार्या नुसरत जहां ने जलवायु परिवर्तन और उससे जुड़े लैंगिक मुद्दों पर विचार रखते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया। वहीं शिक्षक संतोष कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका पर बल दिया।कृषक एवं सामाजिक कार्यकर्ता गोकुल प्रसाद यादव ने जलवायु-सहिष्णु कृषि प्रणाली की आवश्यकता को समय की माँग बताया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में अर्थ आइडियाज फाउंडेशन की टीम से सोहन सिंह, शीतल सिलास मुर्मू और शाहरयार सिद्दीकी का विशेष योगदान रहा।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण सहित जिला परियोजना पदाधिकारी (DPO) अमित मिश्रा भी उपस्थित रहे।अर्थ आइडियाज फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न केवल जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रहा, बल्कि स्थानीय समुदाय, छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के लिए एक प्रेरणास्रोत भी बना।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति से संबंधित टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति से संबंधित टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समाहरणालय के सभा कक्ष में जिला अंतर्गत खरीफ विपणन मौसम वर्ष 2024-25 में धान अधिप्राप्ति से संबंधित टास्क फोर्स की बैठक आयोजित किया गया,इस बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत विभिन्न समितियों (पैक्स एवं व्यापार मंडलों) द्वारा कुल 237346.223 एम०टी० धान का क्रय किया गया है जिसका समतुल्य एम०टी० सी०एम०आर० राज्य खाद्य निगम को आपूर्ति किया जाना है। दिनांक 22.04.2025 तक 76829. 568 एम०टी० सी०एम०आर० राज्य खाद्य निगम को आपूर्ति किया गया है। सी०एम०आर० आपूर्ति की निर्धारित तिथि 15.06.2025 है। निर्धारित तिथि तक सी०एम०आर० जमा करने हेतु प्रतिदिन 55 लॉट सी०एम०आर० का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्धारित तिथि तक शत-प्रतिशत सी०एम०आर० आपूर्ति कराने हेतु जिला सहकारिता पदाधिकारी, औरंगाबाद एवं जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम को निदेशित किया गया है।

सातवें पोषण पखवाड़े का समापन: पूर्णिया ने मारी बाजी, नालंदा दूसरे स्थान पर

पटना:बिहार में 8 अप्रैल से शुरू हुए सातवें पोषण पखवाड़ा का मंगलवार को समापन हुआ। इस दो सप्ताह की अवधि में राज्यभर में पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस पहल का उद्देश्य खासतौर पर बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं को कुपोषण से बचाने और संतुलित आहार के प्रति जागरूक करना रहा।

पोषण पखवाड़ा के दौरान पूर्णिया रहा अव्वल

अब तक जारी आंकड़ों के मुताबिक पोषण पखवाड़ा के दौरान पूर्णिया अव्वल रहा, जहां जिले में सर्वाधिक गतिविधि दर्ज की गई। पूर्णिया में पोषण पखवाड़ा के दौरान सबसे अधिक 106% एक्टिविटी दर्ज की गई। वहीं, दूसरे स्थान पर नालंदा रहा, जहां कुल 3414 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 89% गतिविधि देखने को मिली। वहीं, तीसरे स्थान पर मधेपुरा रहा, जहां कुल गतिविधि 88% रही। चौथे स्थान पर बिहार का कैमूर जिला रहा, जहां 1769 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 78% एक्टिविटी देखने को मिली। पांचवें स्थान की बात करें तो सहरसा के 2090 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 78 प्रतिशत गतिविधि दर्ज की गई। राज्य के कुल 1,15,013 आंगनबाड़ी केन्द्रों में औसतन 65% गतिविधियां दर्ज हुईं, जो इस अभियान की व्यापकता को दशार्ता है।

चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

इस अवधि में गांवों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जीवन के पहले 1000 दिनों में पोषण के महत्व, एनीमिया की रोकथाम, हाथ धोने की सही विधि और पौष्टिक आहार की जानकारी दी गई। बच्चों ने पोषण रैलियां निकाली। पोस्टर और ड्राइंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया और स्कूल परिसरों में पोषण वाटिकाएं तैयार की।

गर्भवती महिलाओं को दी गई ह्यपोषण की पोटली

गर्भवती महिलाओं को ह्यपोषण की पोटलीह्न देकर गोद भराई की रस्म निभाई गई। उन्हें घरेलू पौष्टिक रेसिपी, किचन गार्डन और प्रसवपूर्व पोषण के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना से संबंधित लाभों से भी अवगत कराया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार अपनाने की शपथ ली। पोषण पखवाड़ा की गतिविधियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की गई और पोषण डैशबोर्ड के माध्यम से हर स्तर पर निगरानी रखी गई।जन आंदोलन बना पोषण पखवाड़ा 2025 पोषण पखवाड़ा 2025 महज एक कार्यक्रम नहीं रहा बल्कि यह एक जन आंदोलन बनकर उभरा, जिसने बिहार को स्वास्थ्य और स्वच्छता की नई दिशा में आगे बढ़ाया। यह पहल राज्य को कुपोषण मुक्त समाज की ओर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई

पहलगाम आतंकी हमले पर नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया: मानवता के विरुद्ध अपराध, देश एकजुट

पटना: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस कायराना हमले को लेकर बिहार से भी तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। राज्य सरकार के जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने इसे मानवता के विरुद्ध अपराध बताया है और शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। उन्होंने कहा, ₹यह कायरतापूर्ण कृत्य संपूर्ण मानवता के विरुद्ध अपराध है। आतंक के विरुद्ध देश एकजुट है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले। वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा, ₹पहलगाम में आतंकियों द्वारा मासूम पर्यटकों को निशाना बनाना अत्यंत निंदनीय और पीड़ादायक है। जो लोग इस अमानवीय कृत्य के पीछे हैं, उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। दोनों नेताओं ने एक स्वर में आतंक के विरुद्ध राष्ट्र की एकजुटता को दोहराते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं हमारे हौसले को नहीं तोड़ सकतीं।

पौधारोपण से पृथ्वी बचाने का संकल्प, राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र ने मनाया पृथ्वी दिवस

पटना: विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधीन पटना में कार्यरत राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र में मंगलवार को पौधारोपण और जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजनों में जागरूकता बढ़ाना और पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना था। कार्यक्रम की शुरूआत विभिन्न फलों के पौधों को लगाकर की गई। आयोजकों का मानना है कि इन पौधों से भविष्य की पीढ़ियों को पर्यावरणीय और पोषण लाभ मिलेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र के अंतरिम निदेशक डॉ. गोपाल शर्मा ने पृथ्वी दिवस 2025 की थीम मारी शक्ति, हमारा गृहह्व पर आधारित व्याख्यान में कहा कि आज हमारे पास जो शक्ति है, उसका सदुपयोग पृथ्वी को बचाने में होना चाहिए। हाजीपुर स्थित एसएन कॉलेज में जंतु विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि ऑक्सीजन की महत्ता आईसीयू में भर्ती मरीज से बेहतर कोई नहीं समझ सकता है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक पेड़ लगाओ, सौ जान बचाओ।

प्रत्येक कैदियों को नि:शुल्क विधिक सेवाऐं प्राप्त करने का हक। टीम के सदस्यों द्वारा कारा में भ्रमण के दौरान तैयार किया गया डाटा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, पटना के वरिष्ठ अधिवक्ताओं की टीम के द्वारा औरंगाबाद जिला के जेलो का दौरा करते हुए विभिन्न विन्दुओं पर पर डाटा तैयार करते हुए उन्हें विधिक सहायता प्रदान किया गया है। इस टीम में राजेष कुमार-1 अमित कुमार झा, पियुश कुमार पाण्डेय, मुस्कान सिंह, राजेश कुमार जिन्हें माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा नामांकित है, इस टीम में शामिल हैं। टीम द्वारा ऐसे दोषी जिनकी दोषसिद्धि को उच्च न्यायालय द्वारा बरकरार रखा गया है, साथ ही ऐसे दोषी जिनकी दोषमुक्ति को उलट दिया गया है तथा उन्हें उच्च न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया है एवं ऐसे दोषी जिनके आवेदन धारा 436ए सीआरपीसी जिसे भारतीय न्याय संहिता के तहत धारा 479 किया गया है उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिये गये हैं तथा ऐसे दोषी जिनकी छूट/शिघ्र रिहाई राज्य सजा समीक्षा बोर्ड तथा उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दी गयी है ऐसे मामलों को इस टीम द्वारा चिन्हित किया गया है। टीम द्वारा बताया गया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय का मत है कि कारा में ऐसे कैदी हो सकते हैं जो भारत के सर्वोच्च न्यायालय में उचित अपील या याचिका दायर करने के लिए उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति से कानूनी सेवाऐं लेने के इच्छुक हैं, साथ ही कैदियों की सद्भावना और विष्वास हासिल करने के लिए विधिक सेवा संस्थानों जिसके तहत तालुका स्तर पर तालुका विधिक सेवा समिति, जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, राज्य स्तर पर उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति तथा देश स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा प्रदान की जाने वाली विधिक सेवाऐं बहुत ही उच्च गुणवत्ता की हो कैदियों को प्रदान करने के लिए इस टीम का

गठन किया गया है । टीम के प्रत्येक सदस्यों द्वारा जेल का भ्रमण करते हुए प्रत्येक वार्ड के कैदियों से पूछताछ करते हुए उन्हें प्रदान की जा रही विधिक सहायता एवं सेवाऐं की जानकारी प्राप्त किया गया । इस टीम के सदस्यों द्वारा सजायाफ्ता कैदियों से सम्पर्क करते हुए यह भरोसा दिया गया है कि आपके वाद में विधिक सहायता एवं सेवाऐं की आवष्यकता हो तो उसे जिला न्यायालय से माननीय सर्वोच्च न्यायालय तक निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण तथा प्रभावी विधिक सेवाऐं प्रदान की जायेगी साथ ही साथ कारा में संसीमित कैदियों को उनके अधिकार के बारे में भी टीम के सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया। औरंगाबाद मण्डल कारा में 33 महिला बंदियों सहित वर्तमान में कुल 998 कैदी संसीमित है। और सभी कैदियों को विधिक सेवाऐं के बारे में जानकारी देते हुए कहा गया कि यदि आप अपने अधिवक्ताओं से संतुष्ट नहीं है तो उनसे अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुए जेल के माध्यम से निःशुल्क विधिक सेवाऐं के लिए आवेदन कर सकते हैं। टीम के सदस्यों द्वारा मण्डल कारा में भ्रमण के दौरान संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा गया कि औरंगाबाद जिला विधिक सेवाऐं देने में अव्वल है और आगे भी ऐसे मामलों को निरंतर चिन्हित करने की आवष्यकता है।

इस टीम को सहयोग करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार अन्तर्गत गठित कानूनी रक्षा परामर्शदाता प्रणाली में प्रतिनियुक्त मुख्य कानूनी बचाव अधिवक्ता श्री युगेश किशोर पाण्डेय, उपमुख्य कानूनी बचाव अधिवकता श्री अभिनन्दन कुमार, मुकेश कुमार तथा सहायक बचाव अधिवक्ता श्री रंधीर कुमार एवं चन्दन कुमार तथा पैनल अधिवक्ता सतीष कुमार स्नेही द्वारा टीम के सदस्यों को भरपुर सहयोग प्रदान किया गया। काराधीक्षक डा0 दीपक कुमार द्वारा मण्डल कारा के प्रत्येक वार्डो का भ्रमण टीम के सदस्यों को कराया गया जिसमें महिला वार्ड भी शामिल है। कैदियों से मिले सूचना के तहत टीम के सदस्यों द्वारा डाटा तैयार किया गया जिससे कि उनके मामलें को निःशुल्क विधिक सेवाऐं के लिए अग्रेसित करने की कार्रवाई की जायेगी। टीम के सदस्यों द्वारा मण्डल कारा, औरंगाबाद के भ्रमण के पश्चात उपकारा दाउदनगर का भी भ्रमण किया गया तथा प्रत्येक कैदियों से सम्पर्क स्थापित करते हुए निःशु ल्क विधिक सेवाऐं के बारे में अवगत कराया गया। दाउदनगर उपकारा में 131 पुरूष एवं 04 महिला बंदी संसीमिति है जहां कोई सजायाफ्ता बंदी नहीं पाया गया ।

अब किसी भी उम्र के नाबालिगों का खुल सकेगा बैंक खाता : आरबीआई

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आज कहा कि अब किसी भी आयु के नाबालिग अपने अभिभावक के माध्यम से बैंक में बचत और सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। आरबीआई ने सभी वाणिज्यिक एवं सहकारी बैंकों को जारी अधिसूचना में नाबालिगों के लिए जमा खाता खोलने और संचालन से संबंधित नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जो 01 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे। आरबीआई ने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर इन्हें अधिक व्यावहारिक और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों के तहत अब किसी भी आयु के नाबालिग अपने अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। साथ ही 10 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नाबालिग यदि सक्षम हों तो बैंक की जोखिम प्रबंधन नीति के तहत स्वतंत्र रूप से खाता खोलने और संचालित करने के पात्र होंगे। आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि वयस्क होने पर खाताधारक के नए परिचालन निर्देश और हस्ताक्षर नमूने प्राप्त किए जाएंगे और यदि खाता अभिभावक द्वारा संचालित किया गया हो, तो शेष राशि की पुष्टि की जाएगी। इसके अलावा बैंक अपनी आंतरिक नीतियों के अनुसार, नाबालिग खाताधारकों को एटीएम, डेबिट कार्ड, चेकबुक और इंटरनेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं देने के लिए स्वतंत्र होंगे। केंद्रीय बैंक ने यह भी निर्देश दिया है कि नाबालिगों के खाते हमेशा क्रेडिट बैलेंस में रहने चाहिए और उनमें ओवरड्राफ्ट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारतनेट परियोजना में 6.19 लाख गांवों तक पहुंचा 4जी मोबाइल कवरेज

नई दिल्ली। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार भारतनेट के साथ-साथ, मोबाइल सम्पर्क के विस्तार के अन्य कार्यक्रमों के अंतर्गत दिसंबर 2024 तक देश भर में लगभग 6,25,853 गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध करा दी गयी थी जिसमें 6,18,968 गांवों में 4जी मोबाइल कवरेज पहुंच गया था। मंत्रालय ने भारत नेट के बारे में प्रश्नोत्तर के रूप में बताया कि इस कार्यक्रम से औसत मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और ये प्रयास डिजिटल अंतर पूरा करने में भारतनेट के पूरक हैं। डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने भारतनेट कार्यक्रम के तहत डिजिटल सेवाओं, डिजिटल गवर्नेंस तक पहुंच प्रदान कर हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के माध्यम से डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देकर ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में संदर्भ डेटा साझा करना, डिजिटल सामग्री साझा करना, डिजिटल सेवाओं का एकीकरण, जागरूकता और क्षमता निर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और आईसीटी बुनियादी ढांचे को शामिल करना शामिल है।

बीएचईएल ने मजबूत राजस्व वृद्धि व रिकॉर्ड ऑर्डर किया हासिल

हरिद्वार। ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भारत की अग्रणी इंजीनियरिंग और विनिर्माण उद्यम, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 27,350 करोड़ रुपये (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) का राजस्व प्राप्त किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने वर्ष के दौरान 92,534 करोड़ रुपये के ऑर्डर प्राप्त किए जो कि कंपनी द्वारा किसी वित्तीय वर्ष में हासिल किया गया अब तक का सर्वाधिक ऑर्डर है। इसके साथ, वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में बीएचईएल की कुल ऑर्डर बुक 1,95,922 करोड़ रुपये हो गई है।विद्युत क्षेत्र में, बीएचईएल ने 81,349 करोड़ रुपये के ऑर्डर प्राप्त कर अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी। औद्योगिक क्षेत्र में कंपनी ने 11,185 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर प्राप्त किए, जो परिवहन, रक्षा, प्रॉसेस इंडस्ट्रीज़ और औद्योगिक उपकरण जैसे विविध क्षेत्रों में कंपनी की उपस्थिति को दर्शाता है। निष्पादन के मोर्चे पर, बीएचईएल ने 8.1 गीगावाट क्षमता के विद्युत संयंत्रों को कमीशन /सिंक्रोनाइज़ किया, जो परियोजना को पूरा करने और परिचालन दक्षता पर कंपनी के निरंतर फोकस को दर्शाता है।

खादी एवं ग्रामोद्योग का कारोबार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 के खादी और ग्रामोद्योग आयोग का कारोबार स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार हो गया है। आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने यहां वित्त वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने नया कीर्तिमान रचा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में खादी उत्पादन में 347 प्रतिशत के उछाल के साथ चार गुना और बिक्री में 447 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ पांच गुना की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में कुल रोजगार सृजन के क्षेत्र में 49.23 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गयी है और 1.94 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि खादी-ग्रामोद्योग भवन नयी दिल्ली का कारोबार पहली बार रिकॉर्ड 110.01 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंचा है। श्री कुमार ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन जहां 26109.07 करोड़ रुपये का था।

डीबीटी योजना से 3.48 लाख करोड़ रुपये की हुई बचत : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली ने कल्याण वितरण में लीकेज को रोककर देश को 3.48 लाख करोड़ रुपये की संचयी बचत हासिल करने में मदद की है। एक रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि डीबीटी के कार्यान्वयन के बाद से सब्सिडी आवंटन कुल सरकारी व्यय के 16 फीसदी से घटकर 9 फीसदी रह गया है, जो सार्वजनिक व्यय की दक्षता में एक बड़ा सुधार दर्शाता है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन के एक नए मात्रात्मक मूल्यांकन के अनुसार यह मूल्यांकन बजटीय दक्षता, सब्सिडी युक्तिकरण और सामाजिक परिणामों पर डीबीटी के प्रभाव की जांच करने के लिए वर्ष 2009 से 2024 तक के आंकड़ों का मूल्यांकन करता है। वर्ष 2013

में शुरू की गई भारत की डीबीटी प्रणाली ने देश की कल्याणकारी योजनाओं को नया स्वरूप दिया है, जिसने दक्षता और समावेशिता के लिए वैश्विक मानक स्थापित किया है। मंत्रालय के मुताबिक यह दर्शाता है कि कागज-आधारित वितरण से सीधे डिजिटल हस्तांतरण में बदलाव ने यह सुनिश्चित किया है कि सार्वजनिक धन उन लोगों तक पहुंचे जिनके लिए वे हैं। डीबीटी की प्रमुख विशेषताओं में से एक जेएएम ट्रिनिटी का उपयोग है, जिसका अर्थ है जन-धन बैंक खाते, आधार विशिष्ट आईडी नंबर और मोबाइल फोन। इस ढांचे ने बड़े पैमाने पर लक्षित और पारदर्शी हस्तांतरण को सक्षम किया है। उल्लेखनीय है कि भारत में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली कल्याणकारी योजनाओं के लिए दक्षता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रणाली लाभार्थियों को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए आधार कार्ड और बैंक खातों का उपयोग करती है, जिससे बीच के लोगों को खत्म करके पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है।

भारत को इस साल अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने की उम्मीद : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस शरद ऋतु तक भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का पहला भाग सकारात्मक रूप से संपन्न होने की उम्मीद जताई है। वह दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के दौरे पर हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के साथ बातचीत का उद्देश्य केवल पारस्परिक टैरिफ संबंधी मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के हित में है, जिसके साथ हमें समझौता करने की जरूरत है। सीतारमण ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में इंडिया कम्युनिटी सेंटर में आयोजित एक सामुदायिक सभा में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की। सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया, लेकिन 2021 में हमने स्पष्ट संकेत दिया कि हम अपने राजकोषीय घाटे को कैसे प्रबंधित करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 फीसदी से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम हर साल बिना चूके इसी का पालन कर रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं, जहां वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों तथा जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में शामिल होंगी। इसके अलावा उनका अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट से भी मिलने का कार्यक्रम है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों से भी बात करने की उम्मीद है।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में 3.8 फीसदी पर रही

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में सुस्त पड़कर 3.8 फीसदी रही है। पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.3 फीसदी की दर से बढ़ा था। मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में 3.4 फीसदी के मुकाबले थोड़ी अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में इन बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.3 फीसदी की दर से बढ़ा था।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार यह आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में गिरावट का परिणाम है, जिनमें कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और बिजली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात और बिजली उत्पादन में क्रमशः 1.6 फीसदी, 0.2 फीसदी, 7.1 फीसदी और 6.2 फीसदी की हल्की वृद्धि हुई। उर्वरक उत्पादन मार्च में 8.8 फीसदी बढ़ा है, जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 1.3 फीसदी की गिरावट आई थी। सीमेंट उत्पादन बीते महीने 11.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 10.6 फीसदी की

वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.4 फीसदी रही। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह दर 7.6 फीसदी थी। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में भार 40.27 फीसदी होता है, जो औद्योगिक वृद्धि दर को मापने में महत्वपूर्ण है। इन आठ उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल है।

सोने की कीमत में तूफानी तेजी, लखटकिया होने के करीब पहुंचा सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना आज मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम करते हुए 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। इस तरह सोना अब एक लाख रुपये के स्तर से सिर्फ 200 रुपये ही पीछे है। माना जा रहा है कि ग्लोबल मार्केट में सेफ इनवेस्टमेंट के रूप में सोने की मांग में आई तेजी की वजह से आने वाले दिनों में सोने की कीमत में और भी तेजी आ सकती है।इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार घरेलू बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव आज 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 99,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च स्तर पर कारोबार करता नजर आया। आईबीजेए के अनुसार साल 2025 में सोने में अभी तक करीब 26.4 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। 1 जनवरी, 2025 से लेकर अभी तक 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 20,850 रुपये

प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण आने वाले दिनों में भी सोने की कीमत में और तेजी आने की उम्मीद की जा रही है। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि टैरिफ को लेकर अमेरिका और चीन के बीच जारी तनातनी तथा वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग में तेजी आ गई है। इसके साथ ही डॉलर के मूल्य में आई कमजोरी की वजह से भी निवेशकों में सोने के प्रति आकर्षण बढ़ा है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बनी चिंता की वजह से घरेलू बाजार के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी निवेशक सेफ इनवेस्टमेंट के रूप में सोने में पहले की तुलना में अधिक निवेश कर रहे हैं, जिसकी वजह से सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है।

ईपीएफओ ने फरवरी महीने में 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े, युवाओं की संख्या अधिक

एजेंसी

नई दिल्ली। सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने फरवरी में कुल 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। पिछले साल की इसी महीने की तुलना में 3.99 फीसदी अधिक है। फरवरी, 2025 में जोड़े गए नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, जिनमें उनकी हिस्सेदारी 4.27 लाख यानी 57.71 फीसदी है। इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने फरवरी में कुल 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। ईपीएफओ ने फरवरी, 2025 में लगभग 7.39 लाख नए सदस्य बनाए हैं, जबकि साल-दर-साल सदस्यों ने अपनी नौकरी बदली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में फिर से शामिल हो गए।

विश्लेषण से पता चलता है कि फरवरी 2024 की तुलना में पेरोल में 3.99 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा फरवरी, 2025 में 18-25 आयु वर्ग के कुल सदस्यों की संख्या में लगभग 6.78 लाख की वृद्धि हुई है, जो सालाना आधार पर 3.01 फीसदी अधिक है। आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 13.18 लाख

आंकड़े बताते हैं कि फरवरी, 2025 में लगभग 2.08 लाख महिला सदस्य पहली बार ईपीएफओ में शामिल हुईं। इसमें सालाना आधार पर 1.26 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा फरवरी के दौरान कुल महिला पेरोल वृद्धि करीब 3.37 लाख रही, जो फरवरी 2024 की तुलना में 9.23 फीसदी की साल-दर-साल वृद्धि है। महिला सदस्यों की संख्या बढ़ने से अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है। आंकड़ों का राज्यवार विश्लेषण करने से पता चलता है कि शीर्ष पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल पेरोल में करीब 59.75 फीसदी की वृद्धि की है, जिन्होंने महीने के दौरान कुल लगभग 9.62 लाख शुद्ध पेरोल जोड़े हैं। सभी राज्यों में से महाराष्ट्र फरवरी महीने के दौरान 20.90 प्रतिशत कुल पेरोल जोड़कर सबसे आगे है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने फरवरी के दौरान कुल पेरोल में 5 फीसदी से अधिक की वृद्धि की है।

एलआईसी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 7.05 फीसदी की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश और सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) में अपनी हिस्सेदारी करीब दो फीसदी बढ़ाकर 7.05 फीसदी कर ली है।

एलआईसी ने नियामकीय फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि जीवन बीमा कंपनी ने डेढ़ साल की अवधि के दौरान खुले बाजार से 10.45 करोड़ अतिरिक्त शेयर खरीदें हैं, जिससे बैंक ऑफ बड़ौदा में हिस्सेदारी 5.03 फीसदी से बढ़ाकर 7.05 फीसदी हो गई है। इस तरह कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी करीब दो फीसदी बढ़ाई है। बीमा कंपनी ने जारी बयान में बताया कि 20 नवंबर, 2023 और 16 अप्रैल, 2025 के बीच किए गए अधिग्रहण के साथ मुंबई स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में एलआईसी की हिस्सेदारी 5.03 फीसदी से बढ़कर 7.05 फीसदी पर पहुंच गई है।

हिस्सेदारी अधिग्रहण खुले बाजार में खरीद के जरिए किया गया। बॉम्?बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर 3.09 फीसदी की बढ़त के साथ 250.20 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

आजादी के बाद पहली बार खादी एवं ग्रामोद्योग का कारोबार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त करने वाले खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया कीर्तिमान रचा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। पिछले 11 वर्षों में उत्पादन में 347 फीसदी के उछाल के साथ चार गुना और बिक्री में 447 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ पांच गुना की वृद्धि हुई है। केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने राजधानी नई दिल्ली के राजघाट स्थित कार्यालय में खादी और ग्रामोद्योग के वित्त वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी किये

हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़ों में बताया गया है कि 11 वर्षों में कुल रोजगार सृजन के क्षेत्र में 49.23 फीसदी की ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है, जबकि 1.94 करोड़ लोगों को केवीआईसी रोजगार दे रहा है। उन्होंने बताया कि खादी-ग्रामोद्योग भवन नई दिल्ली का कारोबार पहली बार रिकॉर्ड 110.01 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 में उत्पादन, बिक्री और नए रोजगार सृजन का नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि केवीआईसी के इस शानदार प्रदर्शन ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने और भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में बड़ा योगदान दिया है। मनोज कुमार ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और एमएसएमई मंत्रालय के मार्गदर्शन में केवीआईसी की योजनाएं और उपलब्धियां 'विकसित भारत' की सशक्त आधारशिला बन गई हैं।

हमारा प्रयास भारत की समृद्ध विरासत से आज की पीढ़ी को जोड़ना है : डालमिया

एजेंसी

नई दिल्ली। डालमिया भारत लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पुनीत डालमिया ने आज कहा कि लालकिले के मॉन्युमेंट मित्र के तौर पर उनका प्रयास भारत की समृद्ध विरासत से आज की पीढ़ी को जोड़ने और उन कहानियों को नए अंदाज में पेश करना है। विश्व धरोहर दिवस पर मॉन्यूमेंट मित्र डालमिया भारत ने दिल्ली के ऐतिहासिक लालकिले में एक विशेष आयोजन किया। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसमें शामिल हुए लोगों को लालकिले के गौरवशाली इतिहास और खूबसूरत स्थापत्य कला से जुड़ी रोचक कहानियों के ज़रिए भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का एक शानदार अनुभव मिला।इस मौके पर श्री डालमिया ने कहा हम चाहते हैं कि आज के युवा भी अपने इतिहास

और उन किस्सों से जुड़ सकें, जो हमारे वजूद की जड़ हैं और हमें वह पहचान देते हैं, जिस पर हमें गर्व है। आज के वैश्विक दौर में भारत की अपनी एक विशेष पहचान है, जो हमारे मूल्यों, हमारी सफलता और हमारी जड़ों से जुड़ाव को दर्शाती है। हम चाहते हैं कि इन स्मारकों को सिर्फ इतिहास की निशानी न मानकर एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव का केंद्र के रूप में स्थापित किया जाए। और यह तभी मुमकिन है, जब सभी एक साथ मिलकर इस दिशा में कदम बढ़ाएँ। उन्होंने कहा कि मॉन्युमेंट मित्र डालमिया भारत, लाल किले को विश्वस्तरीय विरासत स्थल के तौर पर पहचान दिलाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। रेड फोर्ट विज़िटर सेंटर और 'जय हिंद' साउंड एंड लाइट शो इसी पहल का हिस्सा है। डालमिया भारत द्वारा किए जा रहे ये प्रयास बीते कल और आज को एक कड़ी से जोड़ते हैं, ताकि लोग हमारी ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ सकें, उसे महसूस कर सकें और गर्व के साथ आगे बढ़ा सकें।

इंडिया स्टील सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 24- 26 अप्रैल तक मुंबई में

मुंबई। इस्पात क्षेत्र की प्रमुख द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन 'इंडिया स्टील' का छठा संस्करण 24-26 अप्रैल तक मुंबई के 'बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र' में आयोजित किया जा रहा है। इस्पात मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे और इसमें कई केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र सहित कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री भी जुड़ेंगे।विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस्पात मंत्रालय द्वारा आयोजित, इंडिया स्टील 2025 वैश्विक हितधारकों को विकास रणनीतियों, इस्पात उत्पादन में स्थिरता, बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच मजबूती और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में नवाचार और डिजिटल प्रौद्योगिकियों की भूमिका जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी और इस्पात एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा भी शामिल होंगे। इस आयोजन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी शामिल होंगे।

लगातार 5वें कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला लगातार पांचवें कारोबारी दिन सोमवार को भी जारी रहा। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार की चाल में कुछ देर के लिए मामूली गिरावट का रुख भी बना। इस गिरावट के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी का रुख बन गया। इस लिवाली के कारण सेंसेक्स आज 79 हजार अंक के स्तर को और निफ्टी 24 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.09 प्रतिशत और निफ्टी 1.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एफएमसीजी सेक्टर में आज लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.67 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 425.83 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 419.60 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.23 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,247 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,917 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,169 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 161 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,615 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,079 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 536 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 349.89 अंक की मजबूती के साथ 78,903.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफा वसूली के चक्कर में शुरू हुई बिकवाली के कारण थोड़ी ही देर में यह सूचकांक गिर कर 78,776.06 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब यह सूचकांक 1,081.85 अंक की तेजी के साथ 79,635.05 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 855.30 अंक की बढ़त के साथ 79,408.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

शुभमन-अभिषेक जब बल्लेबाजी करते हैं तो मैं घबरा जाता हूं : युवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने पंजाब के युवा बल्लेबाजों शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा के प्रति अपनी खास भावनाएं जाहिर कीं। पंजाब से ताल्लुक रखने वाले ये दोनों खिलाड़ी युवराज के करीबी हैं, जिन्हें उन्होंने अपने मार्गदर्शन में तैयार किया है। दोनों खिलाड़ी अक्सर अपने करियर में युवराज के योगदान की सराहना करते हैं। हाल ही में अपनी मां शबनम सिंह के साथ एक साक्षात्कार में युवराज ने खुलासा किया कि जब शुभमन और अभिषेक बल्लेबाजी करते हैं, तो वह घबरा जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब अभिषेक और शुभमन बल्लेबाजी करते हैं, तो मैं नर्वस हो जाता हूं। युवराज की मां शबनम सिंह ने बताया कि 43 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर एक मेंटर के रूप में काफी सख्त हैं, जिसके चलते कई क्रिकेटर उनसे डरते हैं। उन्होंने कहा कि शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी युवी से डरते हैं। मैच के बाद जब युवी उन्हें फोन करके पूछते हैं, %तुमने वो कौन सा शॉट खेला? तो वे घबरा जाते हैं।÷ शबनम ने यह भी बताया कि युवराज हमेशा खिलाड़ियों की तकनीकी खामियों को सुधारने के लिए उनकी मदद करते हैं और उनकी प्रगति की प्रशंसा भी करते हैं। युवराज ने हमेशा युवा क्रिकेटरों का समर्थन किया है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके प्रदर्शन की तारीफ की है। वह शुभमन और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों को तकनीकी सलाह देकर उनकी मदद करते रहते हैं।

डॉ. फारूक का युवाओं से खेल और शिक्षा को अपनाने तथा नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे से दूर रहने का आग्रह

जम्मू। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने आज जम्मू के एमएएम स्टेडियम में शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। यह टूर्नामेंट 'नशे को नकारें' थीम के तहत आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक और स्वस्थ गतिविधियों की ओर मोड़ना है। जम्मू-कश्मीर यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष तेजिंदर पाल सिंह द्वारा आयोजित यह क्रिकेट टूर्नामेंट क्षेत्र के युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। आज के उद्घाटन मैच में माजिद 313 ने त्रिकुटा क्रिकेट क्लब के साथ 20 ओवरों का रोमांचक मुकाबला खेला जो एक सप्ताह तक चलने वाले टूर्नामेंट की शुरुआत थी जिसका समापन 26 अप्रैल को होगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने खिलाड़ियों से बातचीत की और खेल के प्रति उनके उत्साह और भावना की सराहना की। उन्होंने युवा प्रतिभागियों को खेल और शिक्षा को अपनाने और युवा पीढ़ी को तेजी से प्रभावित करने वाले नशे की लत से बचने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. अब्दुल्ला ने नशा विरोधी अभियान के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए तेजिंदर पाल सिंह अमन के प्रयासों की भी सराहना की।

उन्हें खुद को आईने में देखना होगा: रोहित पर स्टीव वॉ की तीखी टिप्पणी

मैड्रिड। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ का मानना है कि आलोचनाओं का सामना कर रहे रोहित शर्मा अगर भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखना चाहते हैं तो उन्हें आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए और आराम नहीं करना चाहिए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले कप्तानी पर फैसला लेना भी शामिल है। रोहित के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वॉ ने कहा कि भारत की कप्तानी का फैसला रोहित को खुद करना चाहिए। भारत जून में इंग्लैंड के साथ श्रृंखला की शुरुआत के साथ 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करेगा। वॉ ने कहा कि यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। उन्हें खुद को आईने में देखना होगा और कहना होगा कि क्या मैं अब भी कप्तान बनना चाहता हूं या भारत के लिए खेलना चाहता हूं? क्या मैं प्रतिबद्ध हूं? क्या मैं इसके लिए पर्याप्त समय और प्रयास कर रहा हूं? अपने देश के लिए खेलना एक सौभाग्य और सम्मान की बात है।

दो जीत हासिल कर हुआ शुभमन का दिल गार्डन-गार्डन, बोले- आज बहुत खुश हूं

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स को इंडियन प्रीमियर लीग में एकतरफा मुकाबले में 39 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि आज मैं बहुत खुश हूं। हमने इन दो मैचों के बारे में बात की थी। हमने तय करना था कि हम तालिका में कहां खड़े हैं। लगातार दो जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। हम जब भी मैदान पर उतरते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते हैं। जीत के मंत्र पर बात करते हुए शुभमन ने कहा कि हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि हममें से किसी एक को अंत तक टिके रहना है। हम सिर्फ इस बारे में बात करते हैं कि हम इन परिस्थितियों में कैसे रन बना सकते हैं और खेल को कैसे आगे ले जा सकते हैं। हम खेल में आगे थे, लेकिन आगे रहना एक बात है और खेल को खत्म करना दूसरी बात है। वहीं, वेंकी अय्यर के विकेट के बाद उत्साहित जश्न पर बोलते हुए शुभमन ने कहा कि ये मेरी कुछ भावनाएं थीं जो बाहर आ रही थीं। इस प्रारूप में एक आदर्श खेल होना मुश्किल है। हमेशा कुछ क्षेत्र होंगे। अगर मैं वहां रहता तो हम 10 रन और बना सकते थे।

लॉरियस अवॉर्ड्स 2025 : वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए डुप्लांटिस और सिमोन बाइल्स

एजेंसी

नई दिल्ली। मैड्रिड में आयोजित हुए 2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स में खेल जगत की कई बड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में स्वीडन के पोल वॉल्ट खिलाड़ी आर्मंड डुप्लांटिस और अमेरिका की दिग्गज जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने क्रमशः वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। डबल ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्डधारी आर्मंड डुप्लांटिस को साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया। 25 वर्षीय डुप्लांटिस ने टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच, फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन और फ्रांस के तैराक लियोन मार्चांद को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया। एथलेटिक्स में यह पुरस्कार पाने वाले वह यूसेन बोल्ट के बाद दूसरे खिलाड़ी बने। अमेरिका की प्रसिद्ध

जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि प्राप्त की। बाइल्स ने यह पुरस्कार चौथी बार जीतकर सेरेना विलियम्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उन्होंने कहा, 2017 में मैंने यह पुरस्कार पहली बार जीता था और तब से लॉरियस मेरी कहानी का हिस्सा रहा है। हो सकता है, कोई छोटी बच्ची मुझे टीवी पर देखकर यह सोच ले कि वह भी यह कर सकती है।

राफेल नडाल को मिला खेल आइकन सम्मान

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल को उनके शानदार करियर के लिए खेल आइकन सम्मान से नवाजा गया। नडाल ने पिछले वर्ष नवंबर में 38 वर्ष की उम्र में टेनिस से संन्यास लिया था। मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह ने लॉरियस अवॉर्ड्स की 25वीं वर्षगांठ को बेहद खास बना दिया। दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों को एक मंच पर देखना खेल प्रेमियों के लिए भी अविस्मरणीय अनुभव रहा।

अन्य पुरस्कार विजेता

साल की सर्वश्रेष्ठ टीम : रियल मैड्रिड (15वीं बार चैंपियंस लीग और ला लीगा खिताब जीतने पर)

साल का सर्वश्रेष्ठ उभरता खिलाड़ी : लामिन यमाल (17 वर्ष की उम्र में स्पेन को यूरो 2024 जिताने वाले खिलाड़ी)

साल की शानदार वापसी : रेबेका आंद्राडे (पेरिस ओलंपिक में फ्लोर इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने पर)

विकलांग वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी : जियांग युयेन

सर्वश्रेष्ठ एक्शन खेल खिलाड़ी : टॉम पिडकॉक

खेल के माध्यम से समाज सेवा सम्मान : किक फॉर लाइफ

लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड : केली स्लेटर (सर्फिंग में शानदार करियर के लिए)

आईपीएल 2025 : संजू सैमसन आरसीबी के खिलाफ मैच से बाहर, रियान पराग संभालेंगे कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान संजू सैमसन चोट के चलते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे।

राजस्थान फ्रेंचाइज़ी ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की। राजस्थान रॉयल्स ने बयान जारी कर बताया, संजू सैमसन फिलहाल रिकवरी प्रोसेस से गुजर रहे हैं और टीम के मेडिकल स्टाफ के साथ होम बेस पर ही रहेंगे। वह बैंगलोर नहीं जाएंगे। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान संजू को पेट के हिस्से में हल्का दर्द महसूस हुआ था, जिसके बाद उनका स्कैन कराया गया। इसके चलते वह लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछला मुकाबला भी नहीं खेल पाए थे। संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में रियान पराग एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगे।

सीजन के शुरुआती तीन मुकाबलों में भी जब संजू सैमसन विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे (दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में फ्रैक्चर और सर्जरी के चलते), तब रियान ने ही कप्तानी की जिम्मेदारी निभाई थी। आईपीएल 2025 में संजू सैमसन ने अब तक 7 मुकाबलों में 224 रन बनाए हैं। उनका औसत 37.33 का रहा है और स्ट्राइक रेट 140 से ज्यादा का है। इस दौरान वह एक अर्धशतक भी लगा चुके हैं। उनकी फॉर्म टीम के लिए अहम रही है, लेकिन अब चोट के चलते उनके बाहर होने से टीम को बड़ा नुकसान हो सकता है।

केकेआर की बल्लेबाज़ी पर अजिंक्य रहाणे बरसे, ब्रावो बोले- 'खिलाड़ियों ने खो दिया है आत्मविश्वास'

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं। गुजरात टाइटंस (जीटी) के हाथों मिली हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की बल्लेबाज़ी पर सवाल उठाए। रहाणे ने कहा कि गेंदबाज़ अच्छा कर रहे हैं, लेकिन लगातार नाकाम हो रही बल्लेबाज़ी हार की वजह है। वहीं टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने भी माना कि खिलाड़ी आत्मविश्वास खो चुके हैं।

रहाणे ने बल्लेबाज़ों को ठहराया हार का ज़िम्मेदार

मैच के बाद रहाणे ने कहा, 'मुझे गेंदबाज़ों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन हमारी बल्लेबाज़ी इस पूरे टूर्नामेंट में जूझती नज़र आई है। 199 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, लेकिन एक अच्छी शुरुआत की ज़रूरत थी, जो हम नहीं दे सके।

उन्होंने आगे कहा, जब आप बड़ा स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो सलामी बल्लेबाज़ों की साझेदारी अहम होती है। यही वह क्षेत्र है, जिसमें हम पिछड़ रहे हैं। हमारी शुरुआत लगातार खराब रही है और इसका असर नतीजों पर पड़ा है।

ब्रावो ने कहा- बल्लेबाज़

खो चुके हैं आत्मविश्वास

टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, सच्चाई यही है कि हमारी टीम ठीक से बल्लेबाज़ी नहीं कर रही है। सिर्फ आंद्रे रसेल ही नहीं, कई खिलाड़ी खराब फॉर्म में हैं। आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है, जहां अगर शुरुआत खराब हो जाए, तो खिलाड़ी आत्मविश्वास खो देते हैं। यही इस समय हमारे साथ हो रहा है। ब्रावो ने ये भी कहा कि रसेल को हर बार 14-15 रन प्रति ओवर की दर से बल्लेबाज़ी करनी पड़ रही है। ÷काम सलामी बल्लेबाज़ों और ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ों को करना है ताकि रसेल मैच समाप्त कर सकें। हम दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों का संयोजन बनाकर खेलना चाहते थे, इसी वजह से अंगकृष रघुवंशी को नीचे भेजा गया। लेकिन जब खिलाड़ी लय में ना हों, तो योजनाएं भी बेअसर हो जाती हैं। केकेआर के लिए सलामी जोड़ी सबसे बड़ी परेशानी रही है। इस सत्र में टीम की सलामी साझेदारी का औसत महज़ 19.00 रहा है।

राजौरी में अंतर क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित

एजेंसी

राजौरी। पहाड़ी क्षेत्र के लोगों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की श्रृंखला में राजौरी के बागनसाल में अंतर क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य पहलवानों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

इस आयोजन में 69 पहलवानों ने भाग लिया। सैन्य कर्मियों के अलावा पूर्व सरपंच और स्थानीय लोगों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस दौरान मौजूद थे। दर्शकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्साह, समर्थन और खेल भावना ने प्रतियोगिता के उत्साह और ऊर्जा को और बढ़ा दिया। समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कार और पदक वितरित किए गए। मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों ने विजेताओं को बधाई दी और प्रतिभागियों की उनके कौशल और खेल भावना के प्रदर्शन की प्रशंसा की। यह उन पहलों की

सैन्य कर्मियों के अलावा पूर्व सरपंच और स्थानीय लोगों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस दौरान मौजूद थे। दर्शकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्रृंखला का हिस्सा है जिसके माध्यम से भारतीय सेना युवाओं को सकारात्मक रूप से जोड़ने के लिए आगे आ रही है और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपनी ऊर्जा को रचनात्मक तरीके से लगाने के लिए प्रोत्साहित करके एक सकारात्मक दृष्टिकोण बना रही है।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग: तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में खेले गए महिलाओं के मुकाबलों में भोजपुरी लेपर्डेस और तमिल लायनेस ने दमदार जीत दर्ज की। वहीं तेलुगु चीता और पंजाबी टाइग्रेस के बीच का मैच बेहद रोमांचक रहा और 38-38 की बराबरी पर खत्म हुआ।

ये मुकाबले गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के मल्टीपर्पज हॉल में खेले गए। जीआई-पीकेएल की शुरुआत शुक्रवार को हुई थी और यह लीग 13 दिनों तक चलेगी, जिसका फाइनल 30 अप्रैल को खेला जाएगा। पहले मुकाबले में भोजपुरी लेपर्डेस ने हरियाणवी ईगल्स को 37-26 से हराया। लेपर्डेस ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। टीम ने 19 रेड

प्वाइंट्स, 13 टैकल प्वाइंट्स और 4 ऑल-आउट के साथ 11 अंकों की शानदार जीत दर्ज की। हरियाणवी ईगल्स 17 रेड और 6 टैकल प्वाइंट्स ही जुटा सकी। भोजपुरी टीम की ओर से सिंधुजा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 में से 6 रेड सफलतापूर्वक कीं और कुल 7 रेड प्वाइंट्स (4 टच + 3 बोनस) हासिल किए। दूसरे मुकाबले में तमिल लायनेस ने मराठी फाल्कन्स को एकतरफा अंदाज़ में 44-23 से पराजित किया। तमिल टीम ने 24 रेड प्वाइंट्स जुटाए और तीन बार ऑल-आउट कर बढ़त को और मजबूत किया।

मराठी फाल्कन्स का डिफेंस कमजोर साबित हुआ, और वे वापसी नहीं कर सकीं। तमिल लायनेस की कप्तान रचना विलास ने मैच का रुख तय कर दिया। उन्होंने 12 में से 11 रेड में सफलता पाई और कुल 15 रेड प्वाइंट्स (जिसमें एक सुपर रेड भी शामिल है) और 1 टैकल प्वाइंट के साथ 16 अंकों का शानदार योगदान दिया।

'वह स्पिन के बेहतरीन खिलाड़ी हैं : साई किशोर केकेआर पर जीत के बाद शुभमन गिल की तारीफ की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 1 अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक के लिए अपने वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध की घोषणा कर दी है। शीर्ष श्रेणी ए-प्लस (A+) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि कुछ नए चेहरों को भी इस सूची में शामिल किया गया है। अनुभवी ऑफ स्पिन गेंदबाज़ रविचंद्रन अश्विन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण बाहर कर दिया गया है।

ए-प्लस ग्रेड में वही चार दिग्गज

बीसीसीआई ने ए-प्लस (ए+) श्रेणी में एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बरकरार रखा है। इस श्रेणी में खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये का मानदेय मिलेगा।

श्रेयस अय्यर की वापसी, ईशान किशन सी ग्रेड में

पिछले साल घरेलू क्रिकेट न खेलने के कारण अनुबंध सूची से बाहर हुए श्रेयस अय्यर की इस बार बी (B) श्रेणी में वापसी हुई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विराम लेकर रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने वाले ईशान किशन को सी (C) श्रेणी में रखा गया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्पिन गेंदबाज़ वरुण चक्रवर्ती को पहली बार बीसीसीआई के अनुबंध में जगह मिली है। वहीं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रविचंद्रन अश्विन का नाम इस सूची में नहीं है।

आईएसएसएफ विश्व कप में सिमरनप्रीत कौर ने जीता रजत पदक

एजेंसी

लीमा। सिमरनप्रीत कौर बरार ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप के अंतिम दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला पेरू की राजधानी लीमा के लास पाल्मस शूटिंग रेंज में हुआ। भारतीय निशानेबाज़ सिमरनप्रीत ने फाइनल के 10 रैपिड-फायर शॉट्स की श्रृंखला में कुल 33 सटीक निशाने लगाए। वह चीन की सन यूजिए से सिर्फ एक अंक पीछे रहीं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सन की हमवतन याओ कियानशुन ने 29 अंक लेकर कांस्य पदक पर कब्ज़ा किया।

इससे पहले दिन में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, मिश्रित टीम पिस्टल विश्व विजेता एशा सिंह और सिमरनप्रीत – तीनों भारतीय निशानेबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। क्वालिफाइंग में मनु भाकर ने 585 अंकों के साथ दूसरा,

सिमरनप्रीत ने 580 अंकों के साथ पांचवां और एशा सिंह ने 575 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया। एशा इससे पहले अर्जेंटीना विश्व कप में इस स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी हैं। तीन चीनी निशानेबाज़ों ने भी फाइनल में जगह बनाई, इसके अलावा जर्मनी की डोरीन वेनकैंप और कई बार की महाद्वीपीय चैम्पियन एंड्रिया पेरेज पेना भी अंतिम दौर में पहुँचीं। फाइनल मुकाबले की पहली श्रृंखला में चीनी खिलाड़ियों ने 1-2-3 पोजिशन पर कब्ज़ा कर लिया, जबकि भारतीय निशानेबाज़ दूसरी श्रृंखला से लय में आती नज़र आईं। सिमरनप्रीत ने दूसरी श्रृंखला में 4 अंक, एशा ने तीसरी श्रृंखला में 5 अंक बनाए।

छठी श्रृंखला के बाद मनु और सिमरनप्रीत ने 5-5 अंक अर्जित किए, जबकि एशा ने 4 अंक बनाए। इसके बाद मनु, एशा और डोरीन के बीच पहला शूट-ऑफ हुआ, जिसमें एशा बाहर हो गईं। अगले शूट-ऑफ में मनु ने डोरीन को हराकर उन्हें पांचवें स्थान पर धकेल दिया। इस समय तक सिमरनप्रीत 23 अंकों के साथ सन (25 अंक) और याओ (22 अंक) के बीच आ चुकी थीं।

अगली श्रृंखला में मनु की किस्मत ने उनका साथ छोड़ दिया और मुकाबले के अंत तक शीर्ष तीन खिलाड़ियों के बीच एक-एक अंक का फासला कायम रहा। यह भारत का इस प्रतियोगिता में चौथा रजत पदक था। इसके अलावा भारत को अब तक दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक भी मिल चुका है।

पोप फ्रांसिस के निधन के बाद सीरी ए के मुकाबले स्थगित

नई दिल्ली। कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन के बाद इटली की शीर्ष फुटबॉल लीग सीरी ए ने होने वाले सभी मुकाबलों को स्थगित कर दिया है। वेटिकन ने वीडियो बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की। 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस लंबे समय से बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें डबल न्यूमोनिया की गंभीर समस्या भी हुई थी। पोप फ्रांसिस न सिर्फ दुनिया भर के कैथोलिक समुदाय के आध्यात्मिक प्रमुख थे, बल्कि फुटबॉल के भी बड़े प्रशंसक माने जाते थे। अर्जेंटीना में जन्मे पोप फ्रांसिस जीवनभर फुटबॉल से जुड़े रहे।लीग ने बयान जारी कर कहा, पोप फ्रांसिस के निधन के बाद आज (सोमवार) होने वाले सभी सीरी ए और प्राइमा वेरा 1 के मैच स्थगित किए जाते हैं। स्थगित मैचों की नई तारीखों का ऐलान जल्द किया जाएगा।

राजौरी में स्थानीय युवाओं के लिए वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

एजेंसी

राजौरी। युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और स्वस्थ, सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास में भारतीय सेना ने समोटे में केसरी हिल पर स्थानीय युवाओं के लिए चार दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र के युवा लड़कों को खेलों में भाग लेने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक गतिविधियों में लगाने के लिए प्रेरित करना था। टूर्नामेंट में आस-पास के गांवों के युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों ने हाई वोल्टेज मैचों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन को स्थानीय समुदाय से भरपूर समर्थन मिला।

सभी प्रतिभागी टीमों को उनके उत्साही प्रदर्शन के लिए सराहा गया और खिलाड़ियों को इस आयोजन को सफल बनाने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कुल 127 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया जिससे यह एक यादगार और सफल आयोजन बन गया। इस तरह की सकारात्मक भागीदारी युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाती है, प्रतिस्पर्धी कौशल को बढ़ावा देती है और उन्हें राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों के जाल में फंसने से रोकती है। क्षेत्र के युवाओं और

स्थानीय लोगों ने केसरी हिल पर युवाओं के लिए वॉलीबॉल मैच आयोजित करने और प्रभावी युवा सहभागिता की दिशा में इस नेक पहल के लिए भारतीय सेना के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

विस्डन वार्षिक स्मारिका में भारत का जलवा,जसप्रीत बुमराह बने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को प्रतिष्ठित विस्डन क्रिकेटर्स अल्मनैक 2025 में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर घोषित किया गया है। वहीं महिला क्रिकेट में स्मृति मंधाना ने भी इतिहास रचते हुए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का सम्मान हासिल किया। इस बार इन सम्मानों में भारतीय क्रिकेट का शानदार दबदबा रहा।

बुमराह ने रचा अनोखा कीर्तिमान, बने 'वर्ष के सितारे'

साल 2024 में जसप्रीत बुमराह ने अपनी धारदार गेंदबाज़ी से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट 20 से कम की औसत से लेने वाले पहले गेंदबाज़ बनकर नया इतिहास रच दिया। विस्डन के संपादक लॉरेंस बूथ ने उन्हें वर्ष का सबसे बड़ा सितारा बताते हुए कहा कि बुमराह इतने खतरनाक और अनूठे गेंदबाज़ रहे कि उनके खिलाफ बनाए गए रन दोगुने माने जाने चाहिए थे। बुमराह ने इस दौरान 71 टेस्ट विकेट 15 की औसत से चटकाए और टी20 विश्व कप 2024 में भारत को चैंपियन भी बनाया।

स्मृति मंधाना का ऐतिहासिक प्रदर्शन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज़्यादा 1659 रन बनाए। इस

दौरान उन्होंने 4 एकदिवसीय शतक जड़े, जो किसी भी महिला क्रिकेटर के लिए एक वर्ष में नया कीर्तिमान है। इसके अलावा उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में 149 रनों की शानदार पारी खेलते हुए भारत को 10 विकेट से जीत दिलाई।

निकोलस पूरन बने विश्व के सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ी

वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज़ निकोलस पूरन को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर घोषित किया गया।

'पांच क्रिकेटर ऑफ द ईयर' में सर्रे का दबदबा

इस बार विस्डन के 'वर्ष के पाँच क्रिकेटर' में सर्रे काउंटी के तीन खिलाड़ियों – गस एटकिन्सन, जेमी स्मिथ और डैन वॉरल – को शामिल किया गया। इनके अलावा हैम्पशायर के लियाम डॉसन और इंग्लैंड महिला टीम की सोफी एक्लेस्टोन को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाज़ा गया।

न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सम्मान

भारत के खिलाफ पुणे टेस्ट में मिचेल सैंटनर की 13 विकेट की धमाकेदार गेंदबाज़ी ने न्यूजीलैंड को 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई और भारत की 2012 के बाद पहली घरेलू टेस्ट श्रृंखला हार का कारण बनी। इसके लिए सैंटनर को विस्डन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

रूखे बालों में चमक लाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

जब हम अपने बालों को खोल कर ज्यादा धुल-मिटटी में जाते है तो ऐसे मे हमारे बाल रूखे और बेजान हो जाते है। ऐसे मे उनकी केयर करनी बहुत ही जरूरी होती है नही तो हमारे बोल टूट कर झड़ जाते है। कभी-कभी तो ज्यादा हेयर ड्रायर करने से, क्लोरीनेटर पानी से और स्टाइलिंग प्रोडक्ट भी हमारे बालों को बेजन बना देते हैं। ऐसे में रूखे बालों को कंघी करना बेहद मुश्किल काम हो जाता है। कंघी बालों में फंसती है और बाल टूट जाते हैं। आज हम आपके सामने रूखे और बेजान बालों की देखभाल करने के लिए ऐसे ही कुछ घरेलू उपाय लेकर आए हैं जिनहे अपनाकर आप अपने बालों में चमक ला सकती है।

1. दूध रूखे बालों को मुलायम करने के लिए एक कटोरी में कच्चा दूध लेकर रुई के फाहे से बालों की जड़ों और बालों में लगाएं और एक घंटे बाद सिर धो दें। 2. सीसम ऑइल
आप घर में सीसम ऑइल में नींबू का रस मिलाकर बालों और स्कैल्प पर आधा घंटा लगा कर रखें। बाद में गर्म पानी में एक टॉवेल को भिगो कर इसमें अपने बालो को लपेट लें और आधे घंटे बाद बालों को धो लें।

3. कद्दू बालों में चमच पाना चाहते है तो कद्दू के टुकड़ों को बॉयल कने के बाद ठंडा होने पर दही में मिलाकर 20 मिनट के लिए लगाएं।

4. कोका पाउडर दही में शहद, विनेगर, कोका पाउडर को मिला कर स्कैल्प और बालों में लगाएं और कैप पहन लें। कुछ समय बाद में इनहे धो लें।

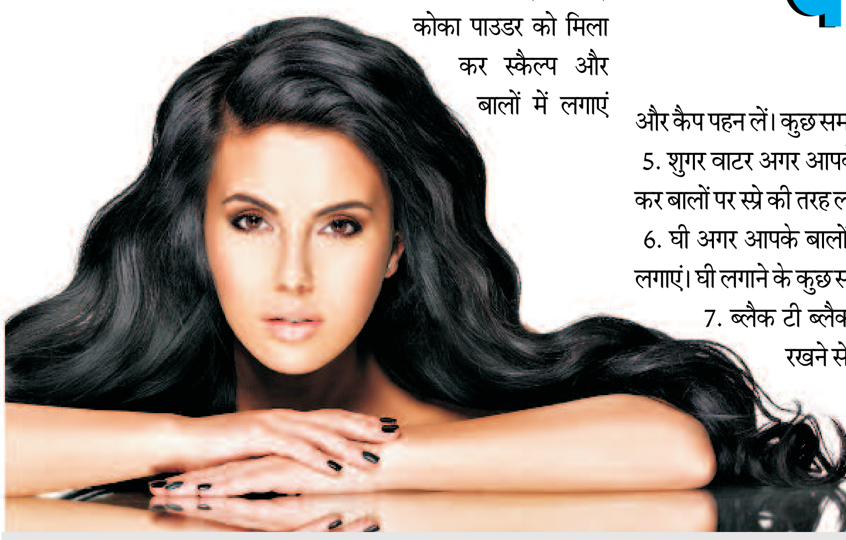

5. शुगर वाटर अगर आपके बाल झड रहें है तो पानी में एक चम्मच चीनी मिला कर बालों पर स्प्रे की तरह लगाएं। बाद में सूख जाने पर पनी से धो लें।

6. घी अगर आपके बालों में चमक नहीं है और रूखापन ज्यादा है तो देसी घी लगाएं। घी लगाने के कुछ समय बाद ही बालों को सैपू से धो लें।

7. ब्लैक टी ब्लैक टी बनाकर हफ्ते में एक बार आधा घंटा लगा कर रखने से बालों में चमक आती है।

8.टी ट्री ऑयल टी ट्री ऑयल में शैंपू मिलाकर लगाने से बालों में चमक आती है क्योंकि इसमें एंटी फंगल और एंटी बेक्टेरिअल गुण होते है जो बालो को मजबार बनाए रखता है।

1 मिनट में चमकेगा चेहरा, बस अपनाएं ये बेस्ट तरीका!

लड़का हो या लड़की आजकल हर कोई गोरा और चमकदार चेहरा पाना चाहता है, जिस पर न तो पिंपल के दाग-धब्बे हो न ही झुर्रियां। वैसे तो जैसा हमारा खाना-पीना होगा, वैसे ही हमारे फेस और बालों की ग्रोथ होगी। अगर हमारा आहार पौष्टिक तत्वों से भरपूर नहीं है तो उसका असर हमारे चेहरे और बालों पर पड़ता है लेकिन खाने के साथ-साथ चेहरे और बालों की अलग से केयर करने की भी जरूरत होती है। इसके लिए आज के यंगस्टर्स महंगे से महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन अगर कास्मेटिक की बजाए अगर घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल किया जाए तो बेहतर है क्योंकि इनका न तो कोई साइड इफैक्ट होता है और न ही पैसे की बर्बादी होती है। उबले हुए चावल का पानी जिसे हम मांड कहते हैं, सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते होंगे कि यह पानी सेहत के साथ साथ स्किन के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। इससे आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। हफ्ते में एक बार इस घरेलू तरीके को अपना कर आप सौंदर्य सबंधी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

स्किन के लिए चावल का पानी

चावल का पानी क्लींजर का काम करता है। चावल के पानी में प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण त्वचा में नमी बनी रहती है। साथ ही त्वचा की रंगत में निखार आता है और दाग धब्बे, झुर्रिया दूर होती है। अगर आपके चेहरे की स्किन ढीली ढाली हो गई है तो चावल के पानी से कसावट और पोर्स टाइट होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप चावल को पानी में अच्छी तरह से भिगो लें। आधे घंटे के बाद उसे गैस पर पकने दें। चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। फिर उस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही चेहरा धोएं और सूखे कपड़े से पोंछे। आपको तुरंत ही अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा। बालों के लिए

फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके बाल पतले या बेजान हैं तो चावलों के पानी से बालों को धोएं फिर शैम्पू और कंडीशनर करें लेकिन इन तरीकों को अपनाने से पहले डाक्टरी सलाह जरूर लें।

फटी एड़ियों से हैं परेशान तो इस तरह घर पर करें इलाज

ज्यादातर महिलाएं अपने पैरों की फटी एड़ियों से बहुत परेशान होती है। ऐसे में जब पैरों में हलकी सी भी दरार आ जाती है तो चलते समय पैरों में दर्द होता रहता है। यह सब आपकी लापरवाही के कारण होता है। फटी एड़ियों से इंफेक्शन भी हो जाती हैं। आज हम आपको इनकी दर्द से छुटकारा पाने के घरेलू उपायों के बारें में बताएगें। जिनसे आपके पैरों का दर्द गायब हो जाएगी और पैर कोमल और खूहसूरत दिखाई देगे। - बेकिंग सोडा और दूध का घोल अगर आप अपने पैरों की तकलीफ को कम करना चाहते है तो बेकिंग सोडा और दूध का घोल घर पर तैयार करके अपनाना चाहिए। दूध एक प्राकृतिक मॉइस्चारइज़र है जिसमें लैक?टिक एसिड होता है जो कि आपकी त्वचा को मुलायम और कामल बनाता है।

- इस तरह से तैयार करें घोल

1. सबसे पहले एक टब लें और उसमें 1 कप दूध और थोड़ा सा बेकिंग पावडर मिक्स कर लें।

2. अब इस घोल में अपने पौरों को डुबोएं। 3. अगर दूध न हो तो आप टब में 2 कप मिल्क पावडर भी डाल सकते हैं।

4. असके बाद में अपने पैरों की फटी एड़ियों को अच्छे से रगंड़े।

5. बाद में पैरों को इसमें से निकाल कर तौलिए से साफ कर लें।

6. इस विधि को रोज़ाना करने पर ही आपको दर्द से फायदा मिलेगा।

बढ़ती उम्र को थामनें में मददगार साबित होते है ये 5 एंटी एजिंग तेल

आजकल हर कोई चाहता है कि उनका चेहरा खिला और चमकता रहें, फिर चाहे वह महिला हो या पुरुष। ऐसे में आपकी बढ़ती उम्र आपके चाहरे पर झुर्रियां, त्वचा में रुखापन अदि छोड़ जाती है जिससे आपकी उम्र ज्यादा लगने लगती है। पर यह सब आपके खानपान से भी हो सकता है। आजकल बाजार में बहुत से ऐसे प्रोडक्ट्स आ रहे है जिनहें अपनाकर आप इन सब प्रोब्लेम्स को दूर कर सकते है और बढ़ती उम्र को भी रोकते है। पर जरूरी नहीं है कि यह उत्पाद हमारी त्वचा को ठीक हो। कभी-कभी इनसे नुकसान भी पहुंच सकता है।

आज हम आपको कुछ ऐसे एंटी-एजिंग तेलों के बारे में बताएगें जिनहे आप मार्केट में आसानी से खरीद सकती है। यह तेल आपकी बढ़ती उम्र को थामने में आपकी मदद करेगे। इनहे अपनाने से अपको बहुत से सौंदर्य लाभ हो सकते है। तो आइए जानते यह कौन से तेल है।

1. खुबानी की गिरी खुबानी की गिरी से बने हुए तेल में भरपूर मात्रा में लिनोलेनिक एसिड होता है जिसें लगाने से आपकी त्वचा अंदर कोमल, कोशिकाएं और कोलेजन उत्पादन अच्छा होता है। इसे लगाने से झुर्रियां भी ठीक हो जाती है।

2. बादाम तेल बादाम के तेल में विटामिन ई और विटामिन के पाया जाता है जिससे लगाने से त्वचा को चमकदार बनाई रखता है।

3. गरी का तेल गरी के तेल से चाहरे की मालिश करने से रूखापन दूर हो जाता है और पोषक तत्व भी मिल जाते है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई होता है

4. एवोकैडो तेल इस तेल में विटामिन ई और ए पाए जाते है। इसे लगाने से बढ़ती उम्र को रोका जा सकता है क्योंकि यह सबसे अच्छा स्वास्थ्यवर्धक तेल है।

5. आर्गन तेल अगर आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ गई है तो इसे लगाने से वह दूर हो जाती है और त्वचा को नमी व चमक आती है।

छोड़कर मत जाओ हमें...खंडहर में पड़ी बच्ची को बचाया, अब

दिशा पाटनी

की बहन हो गईं इमोशनल

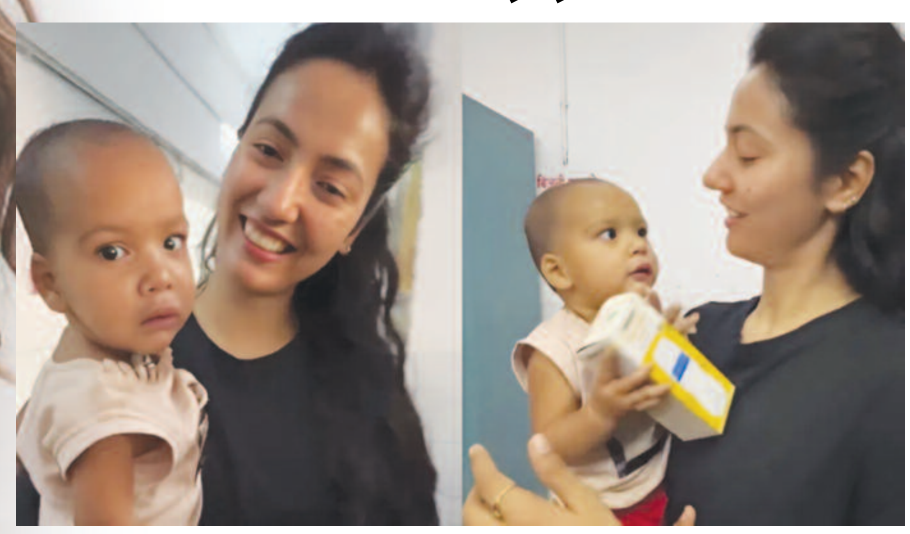

इन दिनों दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी की हर तरफ काफी तारीफ हो रही है. उन्हें बरेली में अपने घर के पास एक लावारिस बच्ची मिली थी. खुशबू ने उस बच्ची की जान बचाई. उसे अपने घर ले गईं और अब उसे उसके घरवालों से मिलवा दिया है. खुशबू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए बच्ची के मिलने के बारे में जानकारी दी थी. वहीं अब उन्होंने एक दूसरा वीडियो शेयर किया है और बताया है कि उस बच्ची को उसके मां-बाप को सौंप दिया गया है.जब वो बच्ची अपने मां-बाप के साथ जाने लगी तो खुशबू इमोशल हो गईं. दरअसल, बच्ची को अपने घर लाने के बाद खुशबू ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया था, ताकि पुलिस उसके पैरेंट्स को ढूंढ सके और बच्ची की पहचान हो सके. खुशबू ने जो नया वीडियो शेयर किया है, उसे शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, इंसान का दिल भी क्या ही है. मैं उसे मिस करूंगी. पुलिस ने उसके पैरेंट्स को ढूंढ लिया है. मेडिकल सपोर्ट के लिए और तुरंत मदद करने के लिए पुलिस का शुक्रिया.

बच्ची से क्या बोलीं खुशबू पाटनी ?

वीडियो में खुशबू उस बच्ची के साथ अस्पताल में नजर आ रही हैं. बच्ची बेड पर लेटी हुई है. जब वो रोने लगती है तो खुशबू उसे गोद में ले लेती है. उस बच्ची से खुशबू कहती हैं कि आप काफी स्पेशल हैं, आपको काफी परेशान किया गया, लेकिन आपको कुछ हुआ नहीं. उस बच्ची से वो ये भी कहती हैं, तुम छोड़कर जा रही हो मुझे, झोड़कर मत जाओ हमें.

बच्ची का ताल्लुक बिहार से

इस मामले में पुलिस की तरफ से बताया गया कि बच्ची का ताल्लुक बिहार से है. उसकी मां अपनी बच्ची के साथ बरेली से बिहार जा रही थीं. उसी समय बरेली जंक्शन से एक युवक बच्ची को लेकर फरार हो गया था. फिर वो बच्ची खुशबू पाटनी को मिली. खुशबू इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं. लोग उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं. दिशा पाटनी ने भी इस वीडियो पर कमेंट किया है. दिशा ने लिखा, आप सच में रियल हीरो हो. आप दोनों का भला हो.

ब्राह्मणों को टॉयलेट समझ रखा है... अनुराग कश्यप पर भड़कीं ये एक्ट्रेस, FIR दर्ज कराने पहुंची पुलिस स्टेशन

बॉलीवुड फिल्ममेकर अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं. ब्राह्मण समाज के खिलाफ उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद ही सोशल मीडिया पर हंगामा मचा है. लोग लगातार उनकी ऐसी टिप्पणी करने के लिए आलोचना कर रहे हैं. जहां बीते दिनों लिरिसिस्ट मनोज मुंतशिर शुक्ला ने उन्हें हद में रहने की नसीहत दी थी. अब एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुंची हैं.'गंदी बात' फेम गहना वशिष्ठ ने लिखित शिकायत देकर अनुराग कश्यप के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की है. फिल्ममेकर के बयान के बाद से लोग काफी नाराज हैं. खासकर ब्राह्मण समाज के लोगों में काफी गुस्सा देखा जा रहा है. एक्ट्रेस ने भी इस बयान को बेकार बताया है.

एक्ट्रेस ने की FIR दर्ज करने की मांग

मॉडल और एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ 21 अप्रैल यानी आज मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुंचीं. जहां उन्होंने फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप के खिलाफ लिखित शिकायत दी है. साथ ही स्नङ्कक्र दर्ज करवाने की मांग की है. उन्होंने कहा कि, अनुराग कश्यप ने जो बयान दिया है, वो बहुत बेकार है. ब्राह्मणों को क्या टॉयलेट समझ रखा है? फिल्मों के लिए आप कुछ भी बयान देंगे? नशे में थे क्या आप, जो इस तरह से बयान दे रहे हैं?

इस दौरान एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि 5 साल आप बिजी हो किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता. लेकिन इस तरह का बयान अगर किसी और धर्म के लिए दिया होता, तो अब तक फतवे जारी हो गए होते.

अनुराग कश्यप ने क्या कहा था ?

अनुराग कश्यप ने हाल ही में ब्राह्मणों पर निशाना साधा था. दरअसल उन्होंने एक शख्स को जवाब देते हुए ब्राह्मणों पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी. जिसके बाद से ही हर तरफ बवाल हो रहा है. कई जगहों पर फिल्ममेकर के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है. जिसके बाद उन्होंने माफी मांगी. उन्होंने दावा किया है कि इस स्टेटमेंट के बाद से ही उनकी फैमिली और खासकर बेटी को धमकियां मिल रही हैं. उन्होंने माफी मांगते हुए कहा कि, यह इसलिए है क्योंकि उनके पोस्ट को गलत तरह से समझा गया है. साथ ही अपील की है कि जो कहना है मुझे कहो, लेकिन मेरे परिवार को इसमें मत लाओ.

शाहरुख के साथ ये फिल्म करके आज भी पछताती होंगी अनुष्का शर्मा, 178 करोड़ कमाकर भी हो गई डिजास्टर

बॉलीवुड अदाकारा अनुष्का शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2008 में फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से की थी. पहली ही फिल्म में उन्हें शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिला था. दोनों की जोड़ी को बड़े पर्दे पर फैंस का काफी प्यार मिला. अनुष्का का डेब्यू सफल रहा और वो छा गईं. अनुष्का ने आगे जाकर सलमान खान, अक्षय कुमार और आमिर खान जैसे सुपरस्टार्स के अलावा और भी कई नामचीन सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की और कई बेहतरीन फिल्में उनके खाते में आईं.

लेकिन अनुष्का के पास फ्लॉप फिल्मों की लाइन भी लगी हुई है.कई हिट फिल्में देने वाली अनुष्का शर्मा फ्लॉप फिल्में देने में भी पीछे नहीं रहीं. रब ने बना दी जोड़ी के बाद उन्होंने 'बैंड बाजा' बारात', 'जब तक है जान', 'पीके', 'सुल्तान', 'ए दिल है मुश्किल' जैसी फिल्मों से फैंस का दिल जीता. जबकि 'जब हैरी मेट सेजल', 'फिल्लौरी', 'बॉम्बे वेलवेट', 'मटरू की बिजली का मंडोला' और 'पटियाला हाउस' जैसी फ्लॉप भी दीं. लेकिन उनकी एक फिल्म तो ऐसी भी रही जो 178 करोड़ रुपये कमाने के बावजूद डिजास्टर हो गई. इसमें उनके साथ शाहरुख खान लीड रोल में थे. वहीं कटरीना कैफ भी इसका हिस्सा थीं.

डिजस्टर हुई थी शाहरुख-अनुष्का की 'जीरो'

यहां बात हो रही है अनुष्का शर्मा और शाहरुख खान की फिल्म 'जीरो' की. इसका डायरेक्शन आनंद एल राय ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. साल 2018 में रिलीज हुई इस फिल्म में कटरीना कैफ भी दिखाई दी थीं. तीन-तीन बड़े स्टार होने के बावजूद इसका हाल बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा हुआ था.

पिक्चर का जैसा नाम था उसका काम भी वैसा ही रहा. दर्शकों की नजरों में फिल्म जीरो साबित हुई और अपना बजट तक नहीं निकाल पाई. 'जीरो वर्ल्डवाइड 178 करोड़ रुपये कमाने के बाद भी डिजास्टर साबित हो गई थी.

मेकर्स को लगी करोड़ों की चपत

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर 178 करोड़ रुपये की तगड़ी कमाई करने के बावजूद जीरो कैसे टिकट खिड़की पर पिट गई. दरअसल बात ये है कि इसका बजट 200 करोड़ रुपये था. इस हिसाब से देखा जाए तो फिल्म बजट से 22 करोड़ रुपये पीछे रहे गई थी.

इस एक्ट्रेस की वजह से अलग हुए शुभमन गिल और

सारा तेंदुलकर

क्रिकेट और बॉलीवुड का पुराना रिश्ता है. ऐसे कई क्रिकेटर्स हैं, जिन्होंने फिल्मी सितारों को अपना हमसफर चुना है. यही वजह है कि आए दिन किसी न किसी क्रिकेटर का नाम टीवी या फिल्मी स्टार से जुड़ जाता है. भारतीय ओपनर शुभमन गिल भी इसी वजह से चर्चा में हैं. ऐसी खबरें हैं कि वो सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा को डेट कर रहे हैं. हालांकि, एक शो पर उन्होंने खुद सारा का नाम लिया था. साथ ही उनके दोस्त ने भी कुछ खुलासे किए थे. खैर, अब दोनों इंस्टाग्राम पर एक दूसरे को अनफॉलो कर चुके हैं. लेकिन दोनों के अलग होने की वजह एक एक्ट्रेस को बताया जा रहा है.

ऐसी अफवाहें उड़ रही हैं कि सारा तेंदुलकर और शुभमन गिल अलग हो चुके हैं. दरअसल यह टीवी एक्ट्रेस लंबे वक्त से शुभमन गिल को लेकर चर्चा में हैं. वो दुबई में मैच भी देखने पहुंची थी, जिसके बाद से ही उनका क्रिकेटर संग नाम जुड़ रहा है. यह कोई और नहीं, टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर हैं.

इस एक्ट्रेस की वजह से अलग हुए सारा-शुभमन ?

दरअसल अवनीत कौर ने शुभमन गिल को पिछले बर्थडे पर विश किया था. उससे पहले वो दोनों एक साथ भी दिखे थे. हालांकि, तब दूसरे दोस्त भी उनके साथ थे. लंदन में भी एक ग्रुप के साथ शुभमन गिल और अवनीत कौर को स्पॉट किया गया था. लेकिन कभी भी दोनों को अकेले साथ में नहीं देखा गया. यहां तक कि दोनों एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो भी नहीं करते. लेकिन एक्ट्रेस कई बार भारतीय टीम को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचती हैं. दुबई में भी वो दिखी थीं, लेकिन अब उन्हें ट्रोल किया जा रहा है.

X पर लोग अवनीत कौर को दोनों के अलग होने की वजह बता रहे हैं. लेकिन हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, अवनीत कौर और राघव शर्मा पिछले तीन-चार साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. वहीं राघव शर्मा जो एक प्रोड्यूसर हैं, उनकी शुभमन गिल से अच्छी दोस्ती है. अवनीत कौर भी राघव के जरिए ही शुभमन से मिली थी. हालांकि, राघव शर्मा और अवनीत कौर ने अपने रिश्ते को अबतक ऑफिशियल नहीं किया है. वहीं, अवनीत और शुभमन सिर्फ दोस्त हैं, लेकिन लोग उनकी तस्वीरों पर शुभमन गिल का कमेंट करते हैं. गौरतलब है कि अवनीत टीवी का जाना पहचाना चेहरा हैं. वो फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं.